YouTube channel study point 99

Completely Based on the BLUEPRINT &
BOARD MODEL PAPER-2024

संजीव®

डेस्क वर्क

FREE
इस डेस्क वर्क के साथ
₹ 20 मूल्य की
प्रोजेक्ट कार्य पुस्तिका फ्री

(वर्क बुक)
प्रोजेक्ट कार्य सहित

बोर्ड मॉडल पेपर-2024 हल सहित

इतिहास

कक्षा 12

संजीव प्रकाशन, जयपुर

YouTube Channel PK Study Point 99

2024 की परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा 20 दिसम्बर, 2023 को जारी मॉडल प्रश्न-पत्र एवं ब्लू प्रिंट पर आधारित

संजीव®

बोर्ड की नवीनतम प्रोजेक्ट सूची के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य सहित

डेस्क वर्क

इतिहास कक्षा 12

प्रमुख विशेषताएँ

- 2024 की परीक्षा के लिए बोर्ड द्वारा Website पर जारी मॉडल प्रश्न-पत्र इस डेस्क वर्क में मॉडल प्रश्न-पत्र-1 में हल सहित दिया गया है।
- शेष अभ्यासार्थ मॉडल पेपर बोर्ड द्वारा जारी मॉडल प्रश्न-पत्र एवं ब्लू प्रिंट पर आधारित हैं।
- सभी अभ्यासार्थ मॉडल पेपर्स की सम्पूर्ण उत्तर-पुस्तिका इस डेस्क वर्क के साथ निःशुल्क उपलब्ध।
- इस डेस्क वर्क में बोर्ड द्वारा 20 दिसम्बर, 2023 को जारी नवीनतम प्रोजेक्ट सूची के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य शामिल किये गये हैं।
- प्रोजेक्ट कार्य पुस्तिका भी इस डेस्क वर्क के साथ निःशुल्क उपलब्ध है।

नाम ....

कक्षा .... सेक्शन ....

2024

संजीव प्रकाशन, जयपुर

₹ मूल्य : 200.00

YouTube channel RK study point 99

- प्रकाशक :
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-3
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- मूल्य : ₹ 200.00

- लेजर कम्पोजिंग :
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :
  ओम प्रिन्टर्स, जयपुर

****

कक्षा 12 के लिए प्रकाशित संजीव डेस्क वर्क

1. English (Compulsory)
2. अनिवार्य हिन्दी
3. हिन्दी साहित्य
4. संस्कृत
5. इतिहास
6. राजनीति विज्ञान
7. भूगोल
8. चित्रकला
9. गृह विज्ञान
10. English Literature
11. भौतिक विज्ञान
12. रसायन विज्ञान
13. गणित
14. जीव विज्ञान

For English Medium Students

1. Physics
2. Chemistry
3. Mathematics
4. Biology

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न-पत्र की योजना

कक्षा : 12th
विषय : इतिहास
अवधि : 3 घण्टे 15 मिनट

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

पूर्णांक : 80

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	30	37.50
2.	अवबोध	26	32.50
3.	ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति	19	23.75
4.	कौशल/मौलिकता	5	6.25
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार–

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंकों का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ	14	1	14	17.50	28.00	15
2.	रिक्त स्थान	7	1	7	8.75	14.00	8
3.	अतिलघूत्तरात्मक	10	1	10	12.50	20.00	14
4.	लघूत्तरात्मक	12	2	24	30.00	24.00	35
5.	दीर्घउत्तरीय	4	3	12	15.00	8.00	63
6.	निबंधात्मक	2+1	4+5	13	16.25	6.00	50+10
	योग	**50**		**80**	**100**	**100**	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं।

3. विषय-वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय-वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1.	हड़प्पा सभ्यता (ईंटें, मनके व अस्थियाँ)	6	7.50
2.	आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ–राजा, किसान और नगर	6	7.50
3.	बंधुत्व जाति तथा वर्ग (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)	6	7.50
4.	विचारक, विश्वास और इमारतें	7	8.75
5.	यात्रियों के नजरिए–समाज के बारे में उनकी समझ	6	7.50
6.	भक्ति सूफी परम्पराएँ–धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धाग्रंथ	7	8.75
7.	एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर (14वीं से 16वीं सदी तक)	6	7.50
8.	किसान जमींदार और राज्य कृषि समाज और मुगल साम्राज्य	6	7.50
9.	उपनिवेशवाद और देहात–सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	6	7.50
10.	विद्रोही और राज–1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान	6	7.50
11.	महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन–सविनय अवज्ञा और उससे आगे	7	8.75
12.	संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरुआत	6	7.50
13.	मानचित्र कार्य	5	6.25
	योग	80	100

YouTube channel RK study point 99

कक्षा-12

प्रश्न-पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

विषय : इतिहास

पूर्णांक : 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति						कौशल/मौलिकता						योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	
1.	हड़प्पा सभ्यता (ईंटें, मनके व अस्थियां)	1(1)														1(1)			4*(1)						6(3)	
2.	आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं-राजा, किसान और नगर					3*(1)			1(1)	1(1)				1(1)												6(4)
3.	बंधुत्व जाति तथा वर्ग (लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)			1(1)				1(1)	1(1)	1(2)					1(1)											6(6)
4.	विचारक, विश्वास और इमारतें		1(1)		2(1)						2(1)						2(1)									7(4)
5.	यात्रियों के नजरिए-समाज के बारे में उनकी समझ	1(1)			2(1)					1(1)							2(1)									6(4)
6.	भक्ति सूफी परंपराएँ-धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धाग्रंथ	1(1)	1(1)					1(1)		1(1)								3*(1)								7(5)
7.	एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर (14वीं से 16वीं सदी तक)	1(1)	1(1)	1(1)				1(1)			2(1)															6(5)

YouTube channel RK study point 99

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग/अभिव्यक्ति						कौशल/मौलिकता						योग
		वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	वस्तुनिष्ठ	रिक्त स्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरीय	निबंधात्मक	
8.	किसान जमींदार और राज्य कृषि समाज और मुगल साम्राज्य		1(1)		2(1)			1(1)			2(1)															6(4)
9.	उपनिवेशवाद और देहात -सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	1(1)			2(1)						2(1)			1(1)												6(4)
10.	विद्रोही और राज-1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान	1(1)				3*(1)											2(1)									6(3)
11.	महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन-सविनय अवज्ञा और उससे आगे	1(1)		1(1)								3*(1)					2(1)									7(4)
12.	संविधान का निर्माण-एक नए युग की शुरुआत	1(1)		1(1)									4*(1)													6(3)
13.	मानचित्र कार्य																								5(1)	5(1)
	योग	8(8)	4(4)	4(4)	8(4)	6(2)		4(4)	2(2)	5(5)	8(4)	3(1)	4(1)	2(2)	1(1)	1(1)	8(4)	3(1)	4(1)						5(1)	80(50)

विकल्पों की योजना—खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है।

नोट—कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' की द्योतक है।

हस्ताक्षर

YouTube channel RK study point 99

विद्यार्थियों एवं गुरुजनों को नवीन पेपर पैटर्न की जानकारी देने हेतु बोर्ड द्वारा मॉडल प्रश्न-पत्र जारी किये गये हैं। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु इस मॉडल प्रश्न-पत्र को मॉडल पेपर-1 में हल सहित दिया जा रहा है तथा शेष अभ्यासार्थ मॉडल पेपर पूर्णतः बोर्ड द्वारा जारी मॉडल प्रश्न-पत्र तथा ब्ल्यू प्रिन्ट पर आधारित हैं।

बोर्ड द्वारा जारी मॉडल प्रश्न-पत्र (हल सहित)

मॉडल पेपर-1

उच्च माध्यमिक परीक्षा–कक्षा-12

इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. वहुविकल्पी प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) सिन्धु सभ्यता का स्थल, धौलावीरा, निम्न में से किस राज्य में स्थित है? 1
(अ) राजस्थान (ब) गुजरात (स) महाराष्ट्र (द) उत्तर प्रदेश

(ii) प्रभावती गुप्त किसकी पुत्री थी? 1
(अ) चन्द्रगुप्त I (ब) समुद्रगुप्त (स) चन्द्रगुप्त II (द) स्कंदगुप्त

(iii) पिता से पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र को सम्पत्ति किस व्यवस्था के तहत मिलती है? 1
(अ) रूढ़िवादिता (ब) मातृवंशिकता (स) पितृवंशिकता (द) इनमें से कोई नहीं

(iv) निम्न में से किस शहर को इब्नबतूता ने भारत में सबसे बड़ा शहर बतलाया? 1
(अ) दिल्ली (ब) दौलताबाद (स) आगरा (द) ग्वालियर

(v) निजामुद्दीन औलिया के शिष्य कौन थे? 1
(अ) अमीर खुसरो (ब) सलीम चिश्ती
(स) दातागंज बख्श (द) शेख नसीरुद्दीन चिराग-ए-देहलवी

(vi) विष्णु के उपासक निम्न में से कौन थे? 1
(अ) अलवार (ब) नयनार (स) बौद्ध (द) वीरशैव

(vii) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किसने की थी? 1
(अ) कृष्णदेवराय (ब) देवराय I (स) हरिहर व बुक्का (द) देवराय II

(viii) 'यवनराजस्थापनाचार्य' की उपाधि किसने धारण की थी? 1
(अ) रामराय (ब) हरिहर व बुक्का (स) कृष्णदेवराय (द) देवराय I

YouTube channel RK study point 99

(ix) किस मुगल शासक ने तंबाकू पर पाबंदी लगा दी? 1
(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

(x) शाहमल की मृत्यु कब हुई? 1
(अ) 1857 (ब) 1856 (स) 1860 (द) 1861

(xi) स्थायी बंदोबस्त का जनक कौन था? 1
(अ) मार्टिन बर्ड (ब) मुनरो (स) कार्नवालिस (द) जान शोर

(xii) पाँचवीं रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई थी? 1
(अ) 1801 में (ब) 1808 में (स) 1813 में (द) 1857 में

(xiii) प्रथम विश्व युद्ध में अंग्रेजों का साथ देने के कारण गाँधीजी को कौनसी उपाधि दी गई? 1
(अ) नाइटहुड (ब) सर (स) नोबेल पुरस्कार (द) केसर-ए-हिन्द

(xiv) भारतीय संविधान किस तिथि को लागू हुआ? 1
(अ) 26 जनवरी, 1949 (ब) 26 जनवरी, 1950
(स) 26 जनवरी, 1951 (द) 26 जनवरी, 1952

उत्तर–	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
	(ब)	(अ)	(स)	(अ)	(अ)	(अ)	(स)	(स)	(ब)	(अ)	(स)	(स)	(द)	(ब)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(i) प्रयाग प्रशस्ति की रचना.....ने की थी। 1
उत्तर–हरिषेण

(ii) महाभारत की रचना.....भाषा में हुई। 1
उत्तर–संस्कृत

(iii) मनुस्मृति में.....प्रकार के विवाहों का उल्लेख किया गया है। 1
उत्तर–आठ

(iv) श्वेतांबर एवं दिगंबर का सम्बन्ध.....धर्म से है। 1
उत्तर–जैन

(v) देवी सम्प्रदाय में देवी की उपासना.....से पोते गए पत्थर के रूप में की जाती थी। 1
उत्तर–सिंदूर

(vi) तालीकोटा का युद्ध सन्.....में लड़ा गया। 1
उत्तर–1565

(vii) आइन-ए-अकबरी के अनुसार भूमि को.....भागों में बाँटा गया है। 1
उत्तर–चार

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पा सभ्यता में गलियों व सड़कों को किस पद्धति से बनाया गया था? 1
उत्तर–ग्रिड पद्धति से, जिसका अर्थ है कि सड़कें समकोण पर प्रतिच्छेद करती हैं।

(ii) अर्थशास्त्र से हमें किस विषय की जानकारी मिलती है? 1
उत्तर–इसमें मौर्यकालीन सैनिक और प्रशासनिक संगठन व सामाजिक अवस्था की जानकारी मिलती है।

(iii) बहिर्विवाह पद्धति किसे कहा जाता है? 1
उत्तर–गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।

(iv) किस वंश में मातृसत्तात्मक समाज की व्यवस्था थी? 1
उत्तर–सातवाहन वंश में।

(v) स्त्रीधन से क्या तात्पर्य है? 1

YouTube channel RK study point 99

उत्तर–विवाह के समय मिले उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व ही स्त्रीधन कहा गया है।

(vi) इब्नबतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए किसे नियुक्त किया गया था? 1

उत्तर–इब्न जुजाई को इब्नबतूता के श्रुतलेखों को लिखने के लिए नियुक्त किया गया था।

(vii) 'वली' शब्द से क्या तात्पर्य है? 1

उत्तर–वली एक अरबी मूल का शब्द है जिसका अर्थ मालिक या संरक्षक होता है।

(viii) विजयनगर साम्राज्य में 'अमरनायक' कौन होते थे? 1

उत्तर–अमरनायक सैनिक कमाण्डर होते थे।

(ix) किस आन्दोलन के दौरान स्वतन्त्र सरकारों की स्थापना की गई थी? 1

उत्तर–'भारत छोड़ो आन्दोलन' के दौरान।

(x) संविधान सभा के समक्ष उद्देश्य प्रस्ताव कब प्रस्तुत किया गया? 1

उत्तर–संविधान सभा के समक्ष उद्देश्य प्रस्ताव 13 दिसम्बर, 1946 को प्रस्तुत किया गया।

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(उत्तर शब्द-सीमा लगभग 50 शब्द)

प्रश्न 4. स्तूप क्यों बनाए जाते थे? 2

उत्तर–स्तूप बनाने की परम्परा बुद्ध से पहले की रही होगी, परन्तु वह बौद्ध धर्म से जुड़ गई। स्तूपों में ऐसे अवशेष रहते थे जिन्हें पवित्र समझा जाता था। इसलिए समूचा स्तूप बुद्ध और बौद्ध धर्म के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। अशोक ने बुद्ध के अवशेषों के हिस्से प्रत्येक महत्त्वपूर्ण नगर में बाँटकर उनके ऊपर स्तूप बनाने का आदेश दिया था।

प्रश्न 5. त्रिपिटक क्या है? इनके नाम लिखिए। 1+1=2

उत्तर–त्रिपिटक का शाब्दिक अर्थ तीन पिटारी है, यह बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है जिसे सभी बौद्ध सम्प्रदाय (महायान, हीनयान, वज्रयान, मूल सर्वास्तिवाद आदि) मानते हैं। यह बौद्ध धर्म का प्राचीनतम ग्रन्थ है, जिसमें भगवान बुद्ध के उपदेश संग्रहीत हैं। इनके नाम हैं—

(i) विनय पिटक।
(ii) सुत्त पिटक
(iii) अभिधम्म पिटक।

प्रश्न 6. कुल कितनी बौद्ध संगीतियाँ आयोजित की गईं? 2

उत्तर–कुल चार बौद्ध संगीतियाँ आयोजित की गईं—

1. प्रथम बौद्ध संगीति राजगृह, 483 ई.पू., 2. द्वितीय बौद्ध संगीति वैशाली, 383 ई.पू., 3. तृतीय बौद्ध संगीति पाटलीपुत्र, 251 ई.पू., 4. चौथी बौद्ध संगीति कुण्डलवन कश्मीर में।

प्रश्न 7. भारत में आने वाले किन्हीं तीन यात्रियों के नाम लिखिए। 2

उत्तर–भारत में आने वाले तीन यात्री—

(i) अल-बिरुनी (ग्यारहवीं शताब्दी) में उज्बेकिस्तान से।
(ii) इब्नबतूता (चौदहवीं शताब्दी में) मोरक्को से।
(iii) फ्रांसीसी यात्री फ्रांस्वा बर्नियर (सत्रहवीं शताब्दी में)।

प्रश्न 8. ताराबबाद किसे कहा जाता था? 2

उत्तर–दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार था, जिसे 'ताराबबाद' कहते थे।

प्रश्न 9. विजयनगर साम्राज्य में 'महानवमी डिब्बा' क्या था? 2

उत्तर–'महानवमी डिब्बा' विजयनगर शहर के सबसे ऊँचे स्थानों में से एक पर स्थित विशालकाय मंच था। इससे जुड़े अनुष्ठान सम्भवतः महानवमी से सम्बद्ध थे जो उत्तरी भारत में दशहरा, बंगाल में दुर्गा पूजा तथा प्रायद्वीपीय भारत में नवरात्रि के अवसर पर निष्पादित किए जाते थे। विजयनगर के शासक अपनी प्रतिष्ठा, शक्ति तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करते थे।

YouTube channel KK study point 99

प्रश्न 10. जिन्स-ए-कामिल से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर–जिन्स-ए-कामिल सर्वोत्तम फसलें थीं जो सोलहवीं तथा सत्रहवीं शताब्दियों में भारत में उगाई जाती थीं। इन फसलों से राज्य को अधिक कर मिलता था। कपास और गन्ने जैसी फसलें 'जिन्स-ए-कामिल' थीं।

प्रश्न 11. मुगलकालीन कृषि के तरीकों तथा वर्तमान कृषि के तरीकों में आप क्या समानताएँ तथा भिन्नताएँ देखते हैं? 1+1=2

उत्तर–समानता–मुगलकाल कृषि के तरीकों तथा वर्तमान कृषि के तरीकों में समानता यह है कि आज भी मानसून महत्त्वपूर्ण है और यह मुगलकाल में भी भारतीय कृषि की रीढ़ थी। मुगल काल में प्रचलित सिंचाई साधनों की वर्तमान कृषि में काफी उपयोगिता है। **असमानता**–अब कृषि में ट्यूबवैल तथा आधुनिक साधनों का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 12. 'दामिन-ए-कोह' क्या था? 2

उत्तर–सन् 1832 के आसपास ब्रिटिश कम्पनी ने एक बड़े भू-भाग को संथालों के लिए सीमांकित कर दिया जो 'दामिन-ए-कोह' कहलाया। इसे संथालों की भूमि घोषित कर दिया गया। इन्हें प्रयोग हेतु इस इलाके के भीतर रहना था, हल चलाकर खेती करनी थी और स्थायी किसान बनना था।

प्रश्न 13. रैयतवाड़ी व्यवस्था किसे कहा जाता था? 2

उत्तर–बम्बई दक्कन में 1820 के दशक में एक नई राजस्व प्रणाली लागू की गई, जिसे 'रैयतवाड़ी व्यवस्था' कहते हैं। इस प्रणाली के अन्तर्गत राजस्व की राशि सीधे रैयत (किसान) के साथ तय की जाती थी। भिन्न-भिन्न प्रकार की भूमि से होने वाली औसत आय का अनुमान लगा लिया जाता था। सरकार के हिस्से के रूप में उसका एक अनुपात निर्धारित कर दिया जाता था। तीस वर्ष बाद जमीनों का सर्वेक्षण किया जाता था और उसके अनुसार राजस्व में बढ़ोत्तरी कर दी जाती थी।

प्रश्न 14. 1857 ई. के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था? 2

उत्तर–1857 ई. के विद्रोह का तात्कालिक कारण ब्रिटिश सेना द्वारा 'एनफील्ड' राइफलों के लिए दिए गए नए कारतूस थे। ऐसी अफवाह थी कि इसके कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी के खोल लगे हैं और इन्हें प्रयोग हेतु मुँह से खींचना होगा। इससे हिन्दू तथा मुस्लिम दोनों धर्मों के सैनिकों को धर्मभ्रष्ट होने का भय था।

प्रश्न 15. गाँधीजी ने 1922 ई. में असहयोग आन्दोलन वापस क्यों लिया? 2

उत्तर–फरवरी 1922 में संयुक्त प्रांत के चौरी-चौरा पुरवा में पुलिस ने कांग्रेस के सत्याग्रहियों पर गोलियाँ चलाईं तो भीड़ क्रुद्ध हो उठी और उसने एक थाने में आग लगा दी। इसके फलस्वरूप कई सिपाहियों की मृत्यु हो गई। चौरी-चौरा की इस हिंसात्मक घटना से गाँधीजी को प्रबल आघात पहुँचा और उन्होंने असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया।

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–(उत्तर शब्द-सीमा लगभग 100 शब्द)

प्रश्न 16. मौर्य साम्राज्य के प्रशासन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

सुदर्शन झील पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर–मौर्य साम्राज्य के प्रशासन की विशेषताएँ–

(i) पाँच प्रमुख राजनीतिक केन्द्र–पाटलीपुत्र, तक्षशिला, उज्जयिनी, तोसलि और सुवर्णगिरि। जिनमें पाटलीपुत्र सबसे बड़ा और राजधानी था।

(ii) सेना का प्रबन्ध–मौर्य सम्राटों ने एक विशाल सेना का गठन किया था। यूनानी इतिहासकार के अनुसार चन्द्रगुप्त के पास छः लाख पैदल सैनिक, तीस हजार घुड़सवार तथा नौ हजार हाथी थे।

(iii) धम्म महामात्रों की नियुक्ति–अशोक द्वारा धम्म के प्रचार के लिए धम्म महामात्र नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गई।

Youtube channel RK study point 99

(iv) प्रतिवेदकों की नियुक्ति–अशोक के अभिलेखों से ज्ञात होता है कि लोगों के समाचार जानने के लिए अशोक ने 'प्रतिवेदक' नामक अधिकारी नियुक्त किए थे। ये प्रतिवेदक समाचार पहुँचाने के लिए कहीं भी कभी भी सम्राट् के पास पहुँच सकते थे।

(v) प्रशासनिक केन्द्रों का चयन–प्रान्तीय केन्द्रों का चयन बड़े ध्यान से किया गया था। तक्षशिला तथा उज्जयिनी दोनों केन्द्र लम्बी दूरी वाले महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग पर स्थित थे। कर्नाटक में स्थित सुवर्णगिरि सोने की खदान के लिए उपयोगी था।

अथवा का उत्तर

सुदर्शन झील एक कृत्रिम जलाशय था। हमें इस जलाशय के बारे में जानकारी लगभग दूसरी शताब्दी ई. के संस्कृत के एक पाषाण अभिलेख से होती है। इस अभिलेख में कहा गया है कि जलद्वारों और तटबन्धों वाली इस झील का निर्माण मौर्यकाल में एक स्थानीय राज्यपाल द्वारा किया गया था। लेकिन एक भीषण तूफान के कारण इसके तटबन्ध टूट गए और सारा पानी बह गया। बताया जाता है कि तत्कालीन शासक रुद्रदमन ने इस झील की मरम्मत अपने खर्चे से करवाई थी, और इसके लिए अपनी प्रजा से कर भी नहीं लिया था। इसी पाषाण-खण्ड पर एक और अभिलेख है जिसमें कहा गया है कि गुप्त वंश के एक शासक ने एक बार फिर इस झील की मरम्मत करवाई थी।

प्रश्न 17. मीराबाई के विषय में आप क्या जानते हैं? संक्षेप में वर्णन कीजिए। 3

अथवा

कर्नाटक की वीर शैव परम्परा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर–मीरा स्वतन्त्र विचारों वाली महिला थी। कुछ परम्पराओं के अनुसार मीरा के गुरु रैदास थे, जो एक चर्मकार थे। इससे ज्ञात होता है कि मीरा ने जातिवादी समाज की रूढ़ियों का उल्लंघन किया। ऐसा माना जाता है कि अपने पति के राजमहल के सुखों और ऐश्वर्य को त्यागकर मीरा ने विधवा के सफेद वस्त्र अथवा संन्यासिनी के जोगिया वस्त्र धारण किए। इससे प्रकट होता है कि मीरा प्राचीन सामाजिक बुराइयों एवं रूढ़ियों में विश्वास नहीं करती थी। वह जाति प्रथा तथा ऊँच-नीच के भेदभाव के विरुद्ध थी।

अथवा का उत्तर

बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में बासवन्ना (1106-68 ई.) नामक एक ब्राह्मण के नेतृत्व में एक नवीन आन्दोलन का सूत्रपात हुआ। बासवन्ना प्रारम्भ में जैन धर्मावलम्बी थे और चालुक्य-राजा के दरबार में मन्त्री थे। बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव (शिव के वीर) अथवा लिंगायत (लिंग धारण करने वाले) कहलाए।

वीरशैवों अथवा लिंगायतों के धार्मिक सिद्धान्त निम्नलिखित हैं–

(1) लिंगायत शिव की उपासना लिंग के रूप में करते हैं।

(2) लिंगायतों का विश्वास है कि मृत्यु के पश्चात् भक्त शिव में लीन हो जायेंगे तथा वे इस संसार में पुनः नहीं लौटेंगे।

(3) वे श्राद्ध संस्कार का पालन नहीं करते। वे अपने मृतकों को विधिपूर्वक दफनाते हैं।

(4) लिंगायतों ने जाति की अवधारणा तथा कुछ समुदायों के दूषित होने की ब्राह्मणीय अवधारणा का विरोध किया।

(5) उन्होंने वयस्क विवाह तथा विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।

प्रश्न 18. "यह गिलास फल (Cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।" डलहौजी की इस टिप्पणी को विस्तार से समझाइए। 3

अथवा

1857 के विद्रोह की असफलता के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–अपनी हड़प नीति के लिए कुख्यात लार्ड डलहौजी ने 1851 ई. में अवध की रियासत के विषय में कहा था कि "यह गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।" 1856 में अवध पर कुशासन का आरोप लगाकर उसे ब्रिटिश राज्य में मिला लिया गया तथा अवध के नवाब को वहाँ से निर्वासित कर कलकत्ता

भेज दिया गया। रियासतों पर अनैतिक रूप से कब्जे की शुरुआत 1798 ई. में आरम्भ हुई थी, जब निजाम को जबरदस्ती लार्ड वेलेजली ने सहायक सन्धि पर हस्ताक्षर करने को विवश कर दिया था। 1801 ई. में अवध पर सहायक सन्धि थोपी गई थी। इसमें शर्त थी कि नवाब अपनी सेना समाप्त कर देगा, रियासत में अंग्रेज रेजीडेण्टों की नियुक्ति की जायेगी तथा नवाब ब्रिटिश रेजीडेण्ट की सलाह पर अपने कार्य करेगा। अब नवाब कानून व्यवस्था बनाये रखने में पूर्ण रूप से अंग्रेजों पर निर्भर हो गया। नवाब का अब विद्रोही मुखियाओं तथा ताल्लुकदारों पर कोई विशेष नियन्त्रण नहीं रहा। अंग्रेजों ने धीरे-धीरे अवध को अपने कब्जे में कर लिया।

अथवा का उत्तर

1857 के विद्रोह की असफलता के निम्न कारण थे—

(i) विद्रोहियों में समन्वय का अभाव था। धन और गोला-बारूद के सुदृढ़ीकरण के लिए कोई केन्द्रीय नेतृत्व और निश्चित प्रावधान नहीं था।

(ii) विद्रोह का आरम्भ अव्यवस्थित रूप से हुआ। शुरुआत में इसे मई के अन्त में आयोजित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन विद्रोह जल्दी ही प्रारम्भ हो गया और इसने अंग्रेजों को सतर्क कर दिया।

(iii) विद्रोह मुश्किल से पूरे भारत में फैला, केवल उत्तर भारत में केन्द्रित रहा। कई दक्षिणी राज्यों ने विद्रोह में भाग नहीं लिया।

(iv) भारत एक विविधतापूर्ण देश है और विभिन्न क्षेत्रों पर क्षेत्रीय राजवंशों का शासन था। इसलिए, उस समय कोई एकता या राष्ट्रवाद की भावना नहीं थी।

(v) विद्रोह के अधिकांश नेताओं ने अपने क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के लिए लड़ाई लड़ी, उन्होंने भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। 3

प्रश्न 19. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(1) सविनय अवज्ञा आन्दोलन (2) रौलेट एक्ट।

अथवा

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए–

(1) भारत छोड़ो आन्दोलन (2) खिलाफत आन्दोलन।

उत्तर–(1) सविनय अवज्ञा आन्दोलन–1930 में गाँधीजी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू हुआ, जिसके निम्नलिखित कारण थे—

(i) साइमन कमीशन–इस आयोग में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था, सारे अंग्रेज थे।

(ii) पूर्ण स्वराज की माँग–31 दिसम्बर, 1929 को कांग्रेस अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पास किया गया। इस अधिवेशन ने कांग्रेस को उचित अवसर पर सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ करने का अधिकार दे दिया।

महत्त्व–(i) सविनय अवज्ञा आन्दोलन ने राष्ट्रीय आन्दोलन को गतिशील एवं व्यापक बनाया।

(ii) इस आन्दोलन के फलस्वरूप महिलाओं में जागृति उत्पन्न हुई।

(iii) असहयोग आन्दोलन ने देशवासियों में निर्भीकता, साहस और राष्ट्रीयता की भावनाओं का संचार किया।

(iv) सविनय अवज्ञा आन्दोलन में लोगों ने अन्यायपूर्ण एवं दमनात्मक औपनिवेशिक कानून का उल्लंघन किया।

(2) रौलेट एक्ट–ब्रिटिश सरकार ने 1919 में रौलेट एक्ट पारित किया जिसके अनुसार सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने तथा राजनीतिक बन्दियों को दो वर्ष तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बन्द करने का अधिकार मिल गया था। महात्मा गाँधी ने इसके विरुद्ध एक राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह अहिंसक आन्दोलन

YouTube channel RK classes part 99

शुरू किया। इस दौरान 13 अप्रेल को जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ। इसकी प्रतिक्रिया में बहुत सारे शहरों में लोग सड़कों पर उतरे, हड़तालें हुईं, लोग पुलिस से मोर्चा लेने लगे, सरकारी इमारतों पर हमला करने लगे। सरकार ने इस आन्दोलन को निर्ममता से कुचलना प्रारम्भ कर दिया। हिंसा फैलते देख गाँधीजी ने रौलेट आन्दोलन को वापस ले लिया।

अथवा का उत्तर

(1) भारत छोड़ो आन्दोलन–अगस्त, 1942 में गाँधीजी ने अपना तीसरा बड़ा आन्दोलन 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' प्रारम्भ किया। यह आन्दोलन सही मायने में एक जन-आन्दोलन था जिसमें लाखों आम हिन्दुस्तानी शामिल थे। इस आन्दोलन ने युवा वर्ग को बहुत बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने अपने कॉलेज छोड़कर जेल का रास्ता अपनाया। इस आन्दोलन के दौरान सतारा में 'स्वतंत्र' सरकार भी बनी, जो 1946 तक चलती रही। वस्तुतः 1942 का आन्दोलन वास्तव में जन-आन्दोलन था।

(2) खिलाफत आन्दोलन–खिलाफत आन्दोलन (1919-20) मुहम्मद अली एवं शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों का एक आन्दोलन था। इस आन्दोलन द्वारा निम्न माँगें उठाई गई थीं—

(i) पहले के आटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियन्त्रण बना रहे।

(ii) जंजीरात-उल-अरब इस्लामी सम्प्रभुता के अधीन रहे।

(iii) खलीफा के पास इतने क्षेत्र हों कि वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित रखने योग्य बन सके।

गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन को सफल बनाने के लिए खिलाफत आन्दोलन को इसका अंग बनाया। उन्होंने हिन्दुओं और मुसलमानों में एकता उत्पन्न करने के लिए खिलाफत आन्दोलन का समर्थन किया।

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न–(उत्तर शब्द-सीमा लगभग 250 शब्द)

प्रश्न 20. सिंधु घाटी के निवासियों के धार्मिक विश्वासों एवं रीति-रिवाजों की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 4

अथवा

सिन्धु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर–सिन्धु घाटी के निवासियों के धार्मिक विश्वासों एवं रीति-रिवाजों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) मातृदेवी की उपासना–हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, चन्हूदड़ो आदि स्थानों से मिट्टी की बनी हुई नारी-मूर्तियाँ मिली हैं। इन्हें मातृदेवी की मूर्तियाँ माना गया है।

(ii) शिव की उपासना–हड़प्पा की खुदाई में एक मुहर मिली है जिस पर एक देवता की मूर्ति अंकित है। यह देव-पुरुष योगासन में बैठा है। इस देवता के तीन मुख और दो सींग हैं। उसे एक हाथी, एक व्याघ्र, एक भैंसा तथा एक गैंडा से घिरा हुआ दिखाया गया है। आसन के नीचे हिरण अंकित है, इसे 'आद्य शिव' अर्थात् हिन्दू धर्म के प्रमुख देवताओं में से एक के आरम्भिक रूप की संज्ञा दी गई है।

(iii) लिंग पूजा–हड़प्पा और मोहनजोदड़ो से हमें पत्थर, फयॉन्स सीप आदि से बने हुए छोटे-बड़े आकार के लिंग मिले हैं। शिव के प्रतीक होने के कारण ये लिंग पवित्र समझे जाते थे तथा इनकी पूजा की जाती थी।

(iv) योनि पूजा–हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में बहुत से छल्ले मिले हैं। पुरातत्त्वविद् जॉन मार्शल इन छल्लों को योनि का प्रतीक मानते हैं। उनका मत है कि हड़प्पा सभ्यता में योनि-पूजा का प्रचलन था।

(v) पशु-पूजा–सिन्धु घाटी से प्राप्त मुहरों पर बैल, भैंस, भैंसे, हाथी, गैंडा आदि के चित्र मिले हैं। इससे अनुमान लगाया जाता है कि हड़प्पा निवासी बैल, भैंस, भैंसे, हाथी, गैंडे आदि की उपासना करते थे। हड़प्पावासी नाग की भी पूजा करते थे।

(vi) वृक्ष-पूजा–मुहरों पर पीपल के वृक्ष के चित्र पर्याप्त मात्रा में अंकित किए हुए मिले हैं। हड़प्पावासी पीपल, बबूल, तुलसी, खजूर, नीम आदि वृक्षों की भी पूजा करते थे।

(vii) अग्नि-वेदिकाएँ–कालीबंगन, लोथल, बनावली और राखीगढ़ी की खुदाई से हमें अनेक अग्निवेदिकाएँ मिली हैं।

(viii) जल-पूजा–हड़प्पावासियों को पवित्र स्थान तथा जल-पूजा में गहरा विश्वास था।

(ix) प्रतीक पूजा–हड़प्पा से प्राप्त मुहरों पर स्वास्तिक, चक्र, स्तम्भ आदि के चित्र मिले हैं। ये सम्भवतः मंगल-चिह्न थे। इनका धार्मिक महत्त्व था।

(x) धार्मिक रीति-रिवाज–सिन्धु घाटी के निवासियों के धार्मिक रीति-रिवाजों तथा पूजा-पाठ की पद्धतियों के विषय में स्पष्ट जानकारी नहीं है। मुहरों को देखने से पता लगता है कि देवताओं को प्रसन्न करने के लिए बलि चढ़ाई जाती थी। धार्मिक अवसरों पर नृत्य-गान की परिपाटी प्रचलित थी। यहाँ के निवासी मरणोत्तर जीवन में भी विश्वास रखते थे। अन्धविश्वास भी प्रचलित था। बुरी शक्तियों से बचने के लिए ताबीज पहने जाते थे तथा जादू-मंतर का सहारा लिया जाता था।

अथवा का उत्तर

सिन्धु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताएँ—

(i) नगर नियोजन–ईंटों से निर्मित घर ग्रिड प्रणाली का अनुसरण करते थे। इस प्रणाली में सड़कें एक-दूसरे को लगभग समकोण पर काटती थीं तथा नगर को विभिन्न ब्लॉकों में बाँटा गया था।

(ii) निकास प्रणाली–प्रत्येक घर में आँगन और स्नानागार निर्मित किए गये थे। घरों का जल ढकी हुई नालियों के माध्यम से सड़क तक प्रवाहित होता था जिसके दोनों तरफ मैनहोल युक्त नालियाँ निर्मित की गयी थीं।

(iii) पृथक्करण–हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो दोनों नगरों में दुर्ग का निर्माण किया गया था। यहाँ सम्भवतः शासक वर्ग के परिवार निवास करते थे। प्रत्येक नगर में दुर्ग के बाहर एक निचला शहर था जहाँ सम्भवतः सामान्य जनता निवास करती थी।

(iv) सार्वजनिक संरचनाएँ–विशाल सार्वजनिक स्नानागार मोहनजोदड़ो का सबसे महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल था। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से विशाल अन्नागार भी प्राप्त हुए हैं।

(v) कृषि–लोथल और बनावली से मिले साक्ष्य प्रदर्शित करते हैं कि यहाँ गेहूँ, जौ, राई, मटर आदि का उत्पादन किया जाता था। कपास का उत्पादन सर्वप्रथम सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों द्वारा किया गया था।

(vi) पशुपालन–सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों ने ऊँट, हाथी आदि पशुओं को पालतू बना लिया था।

(vii) लिपि–पत्थरों, मुहरों आदि पर हड़प्पा लिपि के लगभग 4000 नमूने प्राप्त हुए हैं। हालाँकि इस लिपि को अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है।

(viii) मूर्तियाँ–अनेक मूर्तियाँ जैसे काँसे से निर्मित नर्तकी की मूर्ति, बैल की ताँबे की आकृतियाँ तथा पुजारी की सेलखड़ी से निर्मित प्रतिमाएँ प्राप्त हुई हैं।

(ix) मुहरें–विभिन्न स्थलों से सेलखड़ी और ताँबे से निर्मित लगभग 2000 मुहरें पायी गयी हैं। इन पर बैल, गैंडे आदि की आकृतियाँ चित्रित हैं एवं अनेक अभिलेख उत्कीर्ण हैं।

(x) मृदभाँड–बर्तन सामान्यतः कुम्हार के चाक के प्रयोग के माध्यम से बनाये जाते थे और अधिकांशतः लाल मिट्टी से निर्मित होते थे।

(xi) वस्त्र, सौन्दर्य प्रसाधन और आभूषण–ऊन और कपास हेतु प्रयुक्त तकलियाँ भी प्राप्त हुई हैं। लोगों द्वारा सिन्दूर व काजल का प्रयोग किया जाता था और आभूषणों के रूप में मनकों से निर्मित हार, ताबीज आदि धारण किये जाते थे।

(xii) धर्म–लोगों द्वारा मातृदेवी, पशुपति और पशुओं की पूजा की जाती थी।

(xiii) व्यापार–अधिकांश व्यापार वस्तु विनिमय प्रणाली के माध्यम से किया जाता था। सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग व्यापार के लिए पहिया गाड़ी, नौचालन आदि का उपयोग करते थे।

YouTube channel RK study point 99

प्रश्न 21. संविधान सभा के कुछ सदस्यों ने एक मजबूत केन्द्र सरकार की आवश्यकता पर बल क्यों दिया? 4

अथवा

संविधान सभा ने भाषा के विवाद को किस प्रकार हल किया? व्याख्या कीजिए।

उत्तर– मजबूत केन्द्र की आवश्यकता

संविधान सभा के कुछ सदस्यों द्वारा तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों में ताकतवर केन्द्रीय सरकार की वकालत की गई—

(1) शान्ति स्थापित करने, आम सरोकारों के बीच समन्वय स्थापित करने तथा अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर देश की आवाज उठाने के लिए मजबूत केन्द्र की आवश्यकता पर बल—जवाहरलाल नेहरू ने तत्कालीन परिस्थितियों में शक्तिशाली केन्द्र सरकार की आवश्यकता पर बल देते हुए संविधान सभा के अध्यक्ष के नाम लिखे पत्र में कहा था कि "अब जबकि विभाजन एक हकीकत बन चुका है... एक दुर्बल केन्द्रीय शासन की व्यवस्था देश के लिए हानिकारक होगी क्योंकि ऐसा केन्द्र शान्ति स्थापित करने में, आम सरोकारों के बीच समन्वय स्थापित करने में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरे देश के लिए आवाज उठाने में सक्षम नहीं होगा।"

(2) सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए शक्तिशाली केन्द्र की आवश्यकता—डॉ. अम्बेडकर व अन्य अनेक सदस्यों ने सड़कों पर हो रही जिस हिंसा के कारण देश टुकड़े-टुकड़े हो रहा था, उसका हवाला देते हुए बार-बार यह कहा कि केन्द्र की शक्तियों में भारी इजाफा होना चाहिए ताकि वह सांप्रदायिक हिंसा को रोक सके। डॉ. अम्बेडकर ने कहा कि 1935 के गवर्नमेन्ट एक्ट में हमने जो केन्द्र बनाया था, उससे भी ज्यादा शक्तिशाली केन्द्र हम चाहते हैं।

(3) योजना बनाने, आर्थिक संसाधनों को जुटाने तथा देश को विदेशी आक्रमण से बचाने के लिए शक्तिशाली केन्द्र की आवश्यकता—संयुक्त प्रान्त के एक सदस्य बालकृष्ण शर्मा ने विस्तार से इस बात पर प्रकाश डाला कि एक शक्तिशाली केन्द्र का होना जरूरी है ताकि वह देश के हित में योजना बना सके, उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सके, एक उचित शासन व्यवस्था स्थापित कर सके और देश को विदेशी आक्रमण से बचा सके।

(4) प्रान्तीय स्वायत्तता के लिए विभाजन के बाद, राजनैतिक दबाव का कम होना—विभाजन से पहले कांग्रेस ने प्रान्तों को काफी स्वायत्तता देने पर अपनी सहमति व्यक्त की थी। कुछ हद तक यह मुस्लिम लीग को इस बात का भरोसा दिलाने की कोशिश थी कि जिन प्रान्तों में लीग की सरकार बनी है, वहाँ दखलंदाजी नहीं की जाएगी। लेकिन विभाजन के बाद अब एक विकेन्द्रीकृत संरचना के लिए पहले जैसे राजनैतिक दबाव नहीं रह गये थे। इसलिए राष्ट्रवादियों ने अब शक्तिशाली केन्द्र की आवश्यकता पर बल दिया।

(5) उस समय विद्यमान एकल राजनीतिक व्यवस्था—औपनिवेशिक शासन द्वारा थोपी गई एकल राजनैतिक व्यवस्था पहले से ही मौजूद थी। उस जमाने में हुई घटनाओं से केन्द्रीयतावाद को बढ़ावा मिला जिसे अब अफरा-तफरी पर अंकुश लगाने तथा देश के आर्थिक विकास की योजना बनाने के लिए और भी जरूरी माना जाने लगा।

अथवा का उत्तर

संविधान सभा में भाषा के सवाल को लेकर कई महीनों तक गरमागरम बहस हुई और कई बार काफी तनाव भी उत्पन्न हुआ। भारत एक बहुभाषी देश है, हर प्रान्त की अपनी-अपनी अलग भाषा है। ऐसे में राष्ट्रभाषा किसे बनाया जाए, यह मुद्दा बहुत ही पेचीदा था।

(1) कांग्रेस व गाँधीजी द्वारा हिन्दुस्तानी को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने का विचार—बीसवीं शताब्दी के तीस के दशक तक कांग्रेस पार्टी ने यह मान लिया था कि हिन्दुस्तानी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिया जाए। महात्मा गाँधी का मानना था कि हरेक को एक ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे सभी लोग आसानी से समझ सकें। हिन्दी व उर्दू के मेल से बनी हिन्दुस्तानी भारतीय जनता के एक बहुत बड़े हिस्से द्वारा बोली व समझी जाती थी और यह विभिन्न संस्कृतियों के आदान-प्रदान से समृद्ध हुई एक साझी भाषा थी। गाँधीजी को लगता

था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के संचार की आदर्श भाषा हो सकती है। वह हिन्दू-मुसलमानों तथा उत्तर-दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है।

(2) हिन्दुस्तानी का परिवर्तित रूप तथा हिन्दी और उर्दू की बढ़ती दूरियाँ—उन्नीसवीं सदी के आखिर से एक भाषा के रूप में हिन्दुस्तानी में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा था। जैसे-जैसे सांप्रदायिक टकराव गहराते गए हिन्दी व उर्दू के बीच दूरियाँ बढ़ती गईं। परिणाम यह निकला कि भाषा भी धार्मिक पहचान की राजनीति का हिस्सा बन गई। लेकिन हिन्दुस्तानी के साझा चरित्र में गाँधीजी की आस्था कम नहीं हुई।

(3) भाषा समिति की रिपोर्ट—संविधान सभा की भाषा समिति ने हिन्दी के समर्थकों व विरोधियों के बीच पैदा गतिरोध को तोड़ने हेतु एक फार्मूला प्रस्तुत किया। समिति ने सुझाव दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी भारत की राजकीय भाषा होगी। परन्तु इस फार्मूले को समिति ने घोषित नहीं किया था। समिति का मानना था कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना चाहिए। पहले 15 साल तक सरकारी कामकाज में अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहेगा। प्रत्येक प्रान्त को अपने कामकाज हेतु कोई एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा। संविधान सभा की भाषा समिति ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा की बजाय राजभाषा कहकर विभिन्न पक्षों की भावनाओं को शान्त करने और सर्व स्वीकृत समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास किया था।

आखिर में कुछ सदस्यों ने जिनमें दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, मद्रास आदि के सदस्य थे, ने कहा कि हिन्दी के लिए जो कुछ भी किया जाए, बड़ी सावधानी से किया जाए तभी इस भाषा का भला हो पायेगा। सभी सदस्यों ने हिन्दी की हिमायत को तो स्वीकार किया लेकिन उसके वर्चस्व को अस्वीकार कर दिया।

प्रश्न 22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए– 1×5=5

(अ) चौरी-चौरा (ब) अमरावती (स) मैसूर (द) बीजापुर (य) अवध

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए–

(अ) सूरत (ब) ग्वालियर (स) गोवा (द) सारनाथ (य) नागपुर

उत्तर–

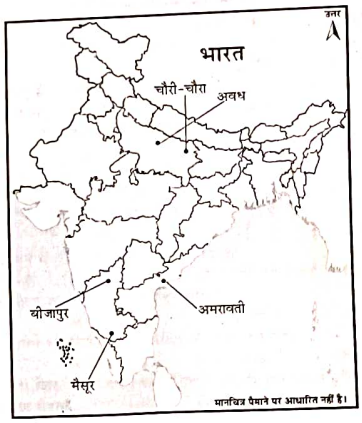

अथवा का उत्तर

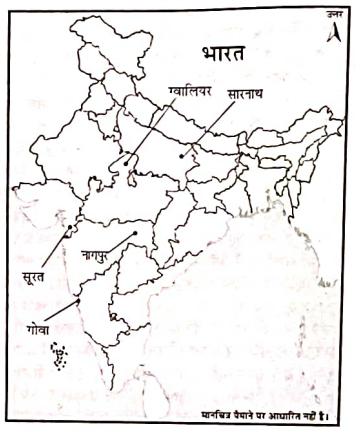

मॉडल पेपर-2 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12
इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। 1

(i) मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप किस स्थल से प्राप्त हुए हैं? 1
(अ) रोपड़ (ब) धौलावीरा (स) कालीबंगा (द) बनावली

(ii) हरिषेण निम्न में से किसके राजकवि थे? 1
(अ) चन्द्रगुप्त प्रथम (ब) चन्द्रगुप्त द्वितीय (स) समुद्रगुप्त (द) चन्द्रगुप्त मौर्य

(iii) किन शासकों को उनके मातृनाम से चिह्नित किया जाता था? 1
(अ) कुषाण (ब) शुंग (स) मौर्य (द) सातवाहन

(iv) प्रसिद्ध यात्री ज्यौं-बैप्टिस्ट तैवर्नियर कहाँ का निवासी था? 1
(अ) इटली (ब) फ्रांस (स) मोरक्को (द) इंग्लैण्ड

(v) कर्नाटक की वीर शैव परम्परा के प्रवर्त्तक थे— 1
(अ) शंकराचार्य (ब) रामानुज (स) सुन्दरम् (द) बासवन्ना

(vi) अलवार किस मत से सम्बन्धित थे? 1
(अ) वैष्णव मत से (ब) शैव मत से (स) बौद्ध मत से (द) शाक्त मत से

(vii) कॉलिन मैकेन्जी द्वारा विजयनगर की यात्रा कब की गई? 1
(अ) 1754 ई. में (ब) 1800 ई. में (स) 1821 ई. में (द) 1825 ई. में

(viii) दक्षिण भारतीय मन्दिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय किसको है? 1
(अ) रामराय (ब) सदाशिव (स) देवराय प्रथम (द) कृष्णदेव राय

(ix) अफ्रीका और स्पेन से निम्न में से कौनसी फसल भारत पहुँची? 1
(अ) मक्का (ब) चना (स) गेहूँ (द) बाजरा

(x) 1857 के आंदोलन में झाँसी का नेतृत्व किसने संभाला? 1
(अ) नाना साहिब (ब) कुँवर सिंह (स) रानी लक्ष्मीबाई (द) वाजिद अली शाह

(xi) इस्तमरारी बन्दोबस्त सबसे पहले लागू किया गया— 1
(अ) बंगाल में (ब) मद्रास में (स) बम्बई में (द) उत्तर प्रदेश में

(xii) दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत की गई— 1
(अ) 1870 में (ब) 1875 में (स) 1878 में (द) 1980 में

(xiii) महात्मा गाँधी को किसने एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा करने की सलाह दी? 1
(अ) फिरोजशाह मेहता (ब) बाल गंगाधर तिलक
(स) देशबन्धु चितरंजन दास (द) गोपाल कृष्ण गोखले

YouTube channel PK study point 99

(xiv) भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे? 1
(अ) राजेन्द्र प्रसाद (ब) बी. आर. अम्बेडकर
(स) जवाहरलाल नेहरू (द) सरदार वल्लभ भाई पटेल

उत्तर—	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) सिलप्पादिकारम् ..... भाषा का महाकाव्य है। 1
उत्तर—.....

(ii) ..... प्रथा एक पुरुष की अनेक पत्नियाँ होने की सामाजिक परिपाटी है। 1
उत्तर—.....

(iii) कुंती ओ निषादी नामक लघुकथा की रचना ..... ने की है। 1
उत्तर—.....

(iv) भोपाल की नवाब, शाहजहाँ बेगम की आत्मकथा ..... है। 1
उत्तर—.....

(v) बासवन्ना के अनुयायी वीरशैव व ..... कहलाए। 1
उत्तर—.....

(vi) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना ..... शताब्दी में की गई थी। 1
उत्तर—.....

(vii) 1526 ई. में ..... को पानीपत के युद्ध में हराकर बाबर पहला मुगल बादशाह बना। 1
उत्तर—.....

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) आज के स्विमिंग पूल हमें हड़प्पा सभ्यता की किस संरचना की याद दिलाते हैं? 1
उत्तर—.....

(ii) 'तमिलकम' में किन सरदारियों का उदय हुआ? 1
उत्तर—.....

(iii) 'अष्टाध्यायी' ग्रन्थ किसने लिखा? 1
उत्तर—.....

(iv) किस सातवाहन-शासक ने अपने को 'अनूठा ब्राह्मण' तथा क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बतलाया था? 1
उत्तर—.....

(v) वर्तमान महाभारत में कितने श्लोक हैं? 1
उत्तर—.....

(vi) इब्नबतूता को किस सुल्तान ने दिल्ली का काजी या न्यायाधीश नियुक्त किया? 1
उत्तर—.....

(vii) किस ग्रन्थ को तमिल वेद के रूप में भी जाना जाता है? 1
उत्तर—.....

(viii) विजयनगर में स्थित महानवमी के डिब्बा के अवसर पर कौनसे धर्मानुष्ठान किए जाते थे? 1
उत्तर—.....

(ix) मुस्लिम लीग ने 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' मनाने का ऐलान कब किया था? 1
उत्तर—.....

(x) संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर केन्द्र व राज्य में से किसको शक्तिशाली बनाना चाहते थे? 1
उत्तर—.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. बुद्ध की कौन-सी शिक्षाएँ 'थेरीगाथा' में नज़र आती हैं? 2
उत्तर—.....

5. आपके अनुसार स्त्री-पुरुष संघ में क्यों जाते थे? कोई चार कारण लिखिए। 2
उत्तर—.....

YouTube Channel RK Study Point 99

6. बौद्ध एवं जैन धर्म में क्या समानता है? 2

उत्तर—

7. आपके विचार में अल-बिरूनी और इब्नबतूता के उद्देश्य में क्या भिन्नता थी? कोई दो लिखिए। 2

उत्तर—

8. इब्नबतूता ने नारियल का वर्णन किस प्रकार किया? 2

उत्तर—

9. आपके विचार में विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय व्यापार को प्रोत्साहित करने के इच्छुक क्यों थे? 2

उत्तर—

10. आप मुगलों की भूराजस्व प्रणाली को एक लचीली व्यवस्था किस कारण मानेंगे ? 2

उत्तर—

11. मुगलकालीन खुद-काश्त व पाहि-काश्त किसानों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—

12. उपनिवेशकाल में 'कुदाल' व 'हल' से क्या तात्पर्य है? 2

उत्तर—

13. 16 मई, 1875 को पूना के जिला मजिस्ट्रेट ने अपने पत्र में पुलिस आयुक्त को क्या लिखित सूचना दी? 2

उत्तर—

14. 1857 के विद्रोह में विद्रोहियों द्वारा हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

15. आपके अनुसार चरखे के साथ महात्मा गाँधी किस प्रकार राष्ट्रवाद की स्थाई पहचान बन गए? 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. मगध महाजनपद के सबसे शक्तिशाली बनने के क्या कारण थे? 3

अथवा

मेगस्थनीज के द्वारा चन्द्रगुप्त मौर्य के सैनिक विभाग के प्रबन्ध के बारे में क्या विवरण दिया गया है?

उत्तर—

17. आपको क्यों लगता है कि शासक सन्तों से अपने सम्बन्ध को दर्शाने के लिए उत्सुक थे? 3

अथवा

जहाँआरा कौनसी चेष्टाओं का जिक्र करती हैं जो शेख के प्रति उसकी भक्ति को दर्शाती हैं। दरगाह की खासियत को वह किस तरह दर्शाती है?

उत्तर—

18. 1857 के विद्रोह में मौलवी अहमदुल्लाह शाह के योगदान का उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

1857 के विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेजों ने क्या कदम उठाए?

उत्तर—

19. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए— 3

(i) चम्पारन सत्याग्रह (ii) खेड़ा सत्याग्रह

अथवा

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए—

(i) जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड (ii) गांधी-इरविन समझौता

उत्तर—

Youtube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. हड़प्पा सभ्यता की अर्थव्यवस्था का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

हड़प्पा सभ्यता की मुहरों तथा मुद्रांकनों, लिपि एवं बाट प्रणाली के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर—

21. वे कौन सी ऐतिहासिक ताकतें थीं जिन्होंने संविधान का स्वरूप तय किया? 4

अथवा

महात्मा गाँधी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा क्यों बनाना चाहते थे? विवेचना कीजिये।

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5
(अ) मिताथल (ब) पूना (स) पाण्डिचेरी (द) कौशाम्बी (य) खेड़ा

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—
(अ) मेरठ (ब) धौलावीरा (स) शोलापुर (द) चंपा (य) बारदोली

उत्तर—

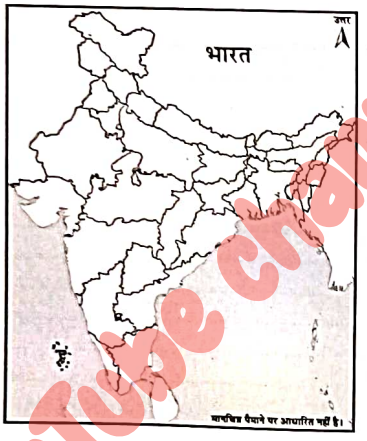

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक—80

मॉडल पेपर-3 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12

इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। 1

(i) भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल कौन थे? 1
(अ) आई.ई.एम. व्हीलर (ब) एस.आर. राव
(स) कनिंघम (द) बी.बी. लाल

(ii) 'हर्ष चरित' के लेखक हैं— 1
(अ) हर्षवर्धन (ब) बाणभट्ट (स) कौटिल्य (द) मयूर

(iii) पितृवंशिकता में पिता का महत्त्वपूर्ण धार्मिक कर्त्तव्य माना गया था— 1
(अ) कन्या को शिक्षा दिलाना (ब) कन्यादान
(स) पुत्र की देखभाल (द) पुत्र का विवाह

(iv) इब्नबतूता का जन्म हुआ था— 1
(अ) भारत (ब) ओमान (स) तुर्की (द) तैंजियर

(v) शेख फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर की दरगाह निम्न में से कहाँ स्थित है? 1
(अ) अजमेर (ब) दिल्ली (स) फतेहपुर सीकरी (द) अजोधन

(vi) नयनार किस मत से सम्बन्धित थे? 1
(अ) वैष्णव मत से (ब) शैव मत से (स) बौद्ध मत से (द) इनमें से कोई नहीं

(vii) हम्पी के भग्नावशेषों की खोज किसने की? 1
(अ) कनिंघम (ब) जॉन मार्शल (स) मैके (द) कर्नल कॉलिन मैकेन्जी

(viii) विजयनगर साम्राज्य में सेना प्रमुखों को क्या कहा जाता था? 1
(अ) राय (ब) नायक (स) ख्वाजा (द) सुल्तान

(ix) पंजाब में शाह नहर की मरम्मत किसके शासनकाल में करवाई गई? 1
(अ) बाबर (ब) हुमायूँ (स) अकबर (द) शाहजहाँ

(x) सहायक सन्धि व्यवस्था किसने आरम्भ की थी? 1
(अ) लार्ड वेलेजली (ब) लार्ड डलहौजी (स) लार्ड कैनिंग (द) लार्ड क्लाइव

(xi) बंगाल में इस्तमरारी बन्दोबस्त कब लागू हुआ? 1
(अ) 1791 (ब) 1793 (स) 1792 (द) 1794

(xii) बाहरी लोग को संथाल लोग क्या कहते थे? 1
(अ) परदेशी (ब) अंग्रेजी बाबू (स) दिकू (द) इनमें से कोई नहीं

YouTube channel RK study point 99

(xiii) गाँधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह किया था— 1
(अ) दक्षिणी अमेरिका में (ब) दक्षिणी अफ्रीका में
(स) दक्षिणी आस्ट्रेलिया में (द) दक्षिणी भारत में

(xiv) संविधान सभा के कुल कितने सत्र हुए थे? 1
(अ) 11 (ब) 19 (स) 21 (द) 17

उत्तर—	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) धम्म के प्रचार के लिए ..... नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गई। 1
उत्तर—.....

(ii) ..... महाभारत का उपदेशात्मक अंश है। 1
उत्तर—.....

(iii) ..... नामक ग्रंथ में एक मिथक वर्णित है जो यह बताता है कि प्रारंभ में मानव पूर्णतया विकसित नहीं थे। 1
उत्तर—.....

(iv) शाहजहाँ बेगम की उत्तराधिकारी ..... थीं। 1
उत्तर—.....

(v) बाबा गुरुनानक का जन्म-स्थल ननकाना गाँव था जो ..... नदी के पास था। 1
उत्तर—.....

(vi) ..... का शाब्दिक अर्थ हाथियों का स्वामी होता था। 1
उत्तर—.....

(vii) मुगल काल के भारतीय फारसी स्रोत किसान के लिए रैयत या ..... शब्द का उपयोग करते थे। 1
उत्तर—.....

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पा सभ्यता के सबसे लम्बे अभिलेख में कितने चिह्न हैं? 1
उत्तर—.....

(ii) छठी शताब्दी ई. पूर्व के किन्हीं दो महाजनपदों के नाम उनकी राजधानी सहित लिखिए। 1
उत्तर—.....

(iii) आरम्भिक समाज में बहिर्विवाह पद्धति से क्या तात्पर्य था? 1
उत्तर—.....

(iv) हस्तिनापुर नामक गाँव में उत्खनन कार्य किसके नेतृत्व में किया गया? 1
उत्तर—.....

(v) 'स्त्री धन' को परिभाषित कीजिए। 1
उत्तर—.....

(vi) इब्नबतूता ने भारत की किस प्रणाली की कुशलता का उल्लेख किया है? 1
उत्तर—.....

(vii) दक्षिण के चोल सम्राटों ने किस भक्ति परम्परा का समर्थन किया था? 1
उत्तर—.....

(viii) विजयनगर का सबसे महत्त्वपूर्ण हौज क्या कहलाता है? 1
उत्तर—.....

(ix) महात्मा गाँधी ने अपने सत्याग्रह के लिए नमक को मुद्दा क्यों बनाया? 1
उत्तर—.....

(x) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत 1937 के चुनाव में कांग्रेस की सरकार 11 में से कितने प्रांतों में बनी? 1
उत्तर—.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. स्तूपों की संरचना का वर्णन कीजिये। 2
उत्तर—.....

YouTube channel RK study point 99

5. बौद्ध दर्शन की किन्हीं दो महत्त्वपूर्ण मान्यताओं का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—

6. पंच महाव्रत से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर—

7. स्थापत्य के कौनसे अभिलक्षणों पर इब्नबतूता ने ध्यान दिया? 2

उत्तर—

8. अल-बिरुनी के यात्रा-वृत्तान्त लिखने के उद्देश्य लिखिए। 2

उत्तर—

9. विजयनगर साम्राज्य की किलेबंदी का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—

10. 'मंजिल-आबादी' और 'सिपह-आबादी' से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर—

11. अकबर के शासनकाल में भूमि का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया है? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—

12. रैयतवाड़ी व्यवस्था इस्तमरारी बंदोबस्त से किस प्रकार भिन्न थी? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

13. भाड़ा-पत्र क्या था? 2

उत्तर—

14. 1857 के विद्रोह के समय भारतीय सैनिकों में असंतोष के क्या कारण थे? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। 2

YouTube channel RK study point 99

उत्तर—

15. गाँधीजी के दक्षिण अफ्रीका में उनके द्वारा किए गए कार्यों को संक्षेप में लिखिए। 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. आरम्भिक राज्यों में शासकों ने सिंचाई के प्रबन्ध क्यों किए? समझाइए। 3

अथवा

अभिलेखशास्त्रियों की किन्हीं चार समस्याओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर—

17. चोल सम्राटों ने ब्राह्मणीय और भक्ति परम्परा के विकास में क्या योगदान दिया? 3

अथवा

"समुदायों का वर्गीकरण लोगों के जन्म स्थान के आधार पर किया जाता था।" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

18. बहुत सारे स्थानों पर विद्रोही सिपाहियों ने नेतृत्व सँभालने के लिए पुराने शासकों से आग्रह किया। क्यों? 3

अथवा

उन साक्ष्यों के बारे में चर्चा कीजिए जिनसे पता चलता है कि विद्रोही योजनाबद्ध और समन्वित ढंग से काम कर रहे थे।

उत्तर—

19. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए— 3

(i) गांधीजी किसानों के उद्धारक के रूप में (ii) प्रथम गोलमेज सम्मेलन

अथवा

निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए—

(i) समाज सुधारक के रूप में गांधी जी (ii) तृतीय गोलमेज सम्मेलन

YouTube channel RK study point 99

उत्तर—

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. 'मोहनजोदड़ो एक नियोजित शहरी केन्द्र था।' विवेचना कीजिए। 4

अथवा

हड़प्पा सभ्यता के लोगों के सामाजिक जीवन की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

उत्तर—

21. भारतीय संविधान के संदर्भ में निम्न प्रश्नों का उत्तर लिखिए— 4

(1) संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से किस प्रकार प्रभावित हुईं?

(2) भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संक्षेप में बताइए।

अथवा

"संविधान निर्माण से पूर्व के वर्ष भारत के लिए बहुत उथल-पुथल वाले थे।" उपर्युक्त कथन के समर्थन में उदाहरण सहित अपना तर्क लिखिए।

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

22. भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5
(अ) मिदनापुर (ब) सोपारा (स) गोरखपुर (द) ग्वालियर (य) नागपुर

अथवा

भारत के रेखामानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—
(अ) आरकोट (ब) कानपुर (स) सहारनपुर (द) गिरनार (य) सारनाथ

उत्तर—

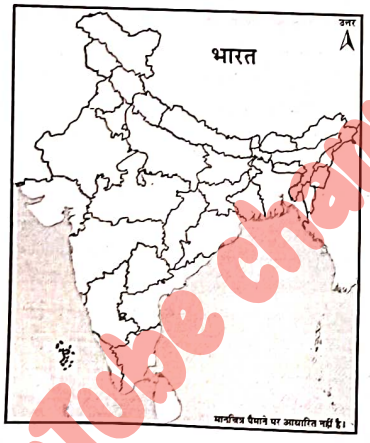

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक—80

मॉडल पेपर-4 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12

इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। 1

(i) थार रेगिस्तान से लगा हुआ पाकिस्तान का रेगिस्तानी क्षेत्र क्या कहलाता है? 1
(अ) नखलिस्तान (ब) पाकिस्तान (स) चोलिस्तान (द) अफगानिस्तान

(ii) 'सुदर्शन सरोवर का जीर्णोद्धार निम्न में से किसने करवाया? 1
(अ) श्रीगुप्त (ब) समुद्रगुप्त (स) रुद्रदामन (द) बिन्दुसार

(iii) किस उपनिषद् में कई लोगों को उनके मातृनामों से निर्दिष्ट किया गया था? 1
(अ) बृहदारण्यक (ब) प्रश्न (स) कठ (द) छान्दोग्य

(iv) 'रिह्ला' का लेखक कौन था? 1
(अ) अल-बिरुनी (ब) हसन निजामी (स) फिरदौसी (द) इब्नबतूता

(v) गंगैकोंडचोलपुरम का शिव मन्दिर बनवाया था— 1
(अ) पाण्ड्य राजाओं ने (ब) चालुक्य राजाओं ने
(स) चोल राजाओं ने (द) पल्लव राजाओं ने

(vi) जो शरिया का पालन नहीं करते हैं, उन्हें क्या कहा जाता है? 1
(अ) बे-शरिया (ब) बा-शरिया (स) जिम्मी (द) वली

(vii) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किस वर्ष की गई? 1
(अ) 1236 (ब) 1336 (स) 1256 (द) 1356

(viii) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किसने की? 1
(अ) हरिहर (ब) बुक्का
(स) हरिहर तथा बुक्का दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

(ix) तम्बाकू का प्रसार सर्वप्रथम भारत के किस भाग में हुआ? 1
(अ) उत्तर भारत (ब) दक्षिण भारत (स) पूर्वी भारत (द) पूर्वोत्तर भारत

(x) 1857 के विद्रोह के समय उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगने में गाँव वालों को संगठित करने वाला नेता था— 1
(अ) भूरामल (ब) शाहमल (स) पीरामल (द) लादूमल

(xi) बंगाल में किस गवर्नर जनरल ने इस्तमरारी बन्दोबस्त लागू किया? 1
(अ) लार्ड डलहौजी ने (ब) विलियम बैंटिंक ने
(स) लार्ड कार्नवालिस ने (द) लार्ड एलिनबरो ने

YouTube channel RK study point 99

(vii) अंग्रेजों के विवरणों में 'रैयत' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया जाता था? 1
(अ) श्रमिक (ब) मकान मालिक (स) किसान (द) सरकारी कर्मचारी

(xiii) गाँधीजी के मान्य राजनीतिक परामर्शदाता थे— 1
(अ) बाल गंगाधर तिलक (ब) महादेव गोविन्द रानाडे
(स) गोपालकृष्ण गोखले (द) वल्लभ भाई पटेल

(xiv) किसके द्वारा भारतीय संविधान सभा के सामने 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तुत किया गया? 1
(अ) बी.आर. अम्बेडकर द्वारा (ब) महात्मा गांधी द्वारा
(स) वी.एन. राव द्वारा (द) जवाहरलाल नेहरू द्वारा

उत्तर—	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) ....., आधुनिक बिहार के राजगीर का प्राकृत नाम है। 1
उत्तर—

(ii) संस्कृत ग्रन्थों में कुल शब्द का प्रयोग परिवार के लिए और ..... का बाँधवों के बड़े समूह के लिए होता है। 1
उत्तर—

(iii) संस्कृत के ग्रन्थ और अभिलेखों में व्यापारियों के लिए ..... शब्द प्रयुक्त किया जाता है। 1
उत्तर—

(iv) राजसूय और ..... जैसे जटिल यज्ञ सरदार और राजा किया करते थे। 1
उत्तर—

(v) मणिक्वचक्कार ..... के अनुयायी थे और तमिल में भक्तिगान की रचना करते थे। 1
उत्तर—

(vi) विजयनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय ने शासन काल से सम्बन्धित अमुक्तमल्यद नामक कृति ..... भाषा में लिखी। 1
उत्तर—

(vii) सामूहिक ग्रामीण समुदाय के तीन घटक....., पंचायत और गाँव का मुखिया थे। 1
उत्तर—

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पावासी ताँबा तथा सोना कहाँ से मँगाते थे? 1
उत्तर—

(ii) पंजाब और हरियाणा में प्रथम शताब्दी ई. में किन कबाइली गणराज्यों ने सिक्के जारी किये? 1
उत्तर—

(iii) मनुस्मृति में पैतृक संपत्ति के बँटवारे के संबंध में स्त्रियों के लिए क्या प्रावधान किया गया है? 1
उत्तर—

(iv) सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम किन गोत्रों से उद्भूत थे? 1
उत्तर—

(v) बहिर्विवाह पद्धति की कोई एक विशेषता बताइए। 1
उत्तर—

(vi) अल-बिरुनी द्वारा जिन दो ग्रन्थों का संस्कृत में अनुवाद किया गया, उनके नाम लिखिए। 1
उत्तर—

(vii) प्रारम्भिक भक्ति आन्दोलन में अलवार किसको अपना ईष्ट मानते थे? 1
उत्तर—

(viii) गोपुरम से आप क्या समझते हैं? 1
उत्तर—

(ix) गांधीजी के लिए 'महात्मा' शब्द का प्रयोग किसने किया? 1
उत्तर—

(x) किस आदिवासी नेता ने विधायिका में आदिवासियों को पृथक् निर्वाचन दिए जाने की माँग की थी? 1
उत्तर—

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. ईसा पूर्व प्रथम सहस्राब्दि में जीवन के रहस्यों को समझने का प्रयास करने वाले विश्व के चार चिन्तकों के नाम लिखिए। 2
उत्तर—

5. महायान बौद्ध मत के विकास के बाद बौद्ध अवधारणा व व्यवहार में कौनसे बदलाव नज़र आये? 2
उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

6. जैन दर्शन का अहिंसा का सिद्धान्त आज कितना प्रासंगिक है? अपने विचार स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—

7. अपने यात्रा वर्णन में इब्नबतूता ने किन गतिविधियों को उजागर किया तथा क्यों? 2

उत्तर—

8. "इब्नबतूता एक हठीला यात्री था।" व्याख्या कीजिए। 2

उत्तर—

9. अमर नायक के कोई दो अधिकार बताइए। 2

उत्तर—

10. मुगल-काल में गाँव की पंचायत का गठन किस प्रकार होता था? 2

उत्तर—

11. सत्रहवीं सदी में गाँवों में मुद्रा के प्रचलन के बारे में फ्रांसीसी यात्री ज्याँ बैप्टिस्ट तैवर्नियर ने क्या लिखा है? 2

उत्तर—

12. संथाल विद्रोह के होने के क्या कारण थे? 2

उत्तर—

13. इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए राजकीय प्रतिवेदनों के प्रयोग में क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए? 2

उत्तर—

14. कला और साहित्य ने 1857 की स्मृति को जीवित रखने में किस प्रकार योगदान दिया? 2

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

15. 1939 में कॉंग्रेस मंत्रिमण्डल ने सरकार से इस्तीफा क्यों दिया? 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. आरम्भिक ऐतिहासिक नगरों में शिल्पकला के उत्पादन के प्रमाणों की चर्चा कीजिए। 3

अथवा

महाजनपदों के विशिष्ट अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—

17. प्रारम्भिक भक्ति परम्परा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

मध्यकालीन भारत में धार्मिक क्षेत्र में कौन से नवीन परिवर्तन हो रहे थे?

उत्तर—

18. कानपुर और झांसी में किन नेताओं ने विद्रोहियों का नेतृत्व करना स्वीकार किया था? 3

अथवा

सहायक सन्धि क्या थी और इसे किसने लागू किया था?

उत्तर—

19. असहयोग आन्दोलन से भारतीयों ने क्या उम्मीदें लगा रखी थीं? स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

राष्ट्रीय आन्दोलन के अध्ययन के लिए अखबार महत्त्वपूर्ण स्रोत क्यों हैं?

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. हड़प्पा सभ्यता की कलाओं की विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 4

अथवा

हड़प्पा सभ्यता के अंत के बारे में एक लेख लिखिए।

उत्तर—

21. संविधान सभा के ऐसे दो महत्त्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी। 4

अथवा

दमित समूहों की सुरक्षा के पक्ष में किए गए विभिन्न दावों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5
(अ) राजगीर (ब) नागेश्वर (स) लखनऊ (द) नासिक (य) चंपारण

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—
(अ) मांडा (ब) श्रावस्ती (स) पानीपत (द) रायबरेली (य) अहमदाबाद

उत्तर—

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक—80

मॉडल पेपर-5 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12
इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. **बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।**

(i) मनके बनाने के लिए कौनसी बस्ती प्रसिद्ध थी? 1
(अ) मोहनजोदड़ो (ब) बनावली (स) धौलावीरा (द) चन्हूदड़ो

(ii) बाणभट्ट किस शासक के राजकवि थे? 1
(अ) अशोक (ब) कनिष्क (स) हर्षवर्धन (द) चन्द्रगुप्त

(iii) 'मृच्छकटिकम' नाटक के लेखक थे— 1
(अ) कालिदास (ब) शूद्रक (स) वराहमिहिर (द) आर्यभट्ट

(iv) इब्नबतूता के पाठक किससे पूरी तरह से अपरिचित थे— 1
(अ) खजूर (ब) नारियल (स) केला (द) अंगूर

(v) शासन में शरिया का पालन सुनिश्चित करवाने वाले कहलाते थे— 1
(अ) काजी (ब) उलमा (स) धर्माधिकारी (द) नाजिक

(vi) शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह कहाँ स्थित है? 1
(अ) फतेहपुर सीकरी (ब) दिल्ली (स) आगरा (द) अजमेर

(vii) तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर राज्य की सेना का सेनापति था— 1
(अ) सदाशिव (ब) रामराय (स) कृष्णदेव राय (द) देवराय द्वितीय

(viii) कृष्णदेव राय का सम्बन्ध किस वंश से था? 1
(अ) संगम वंश (ब) सुलुव वंश (स) तुलुव वंश (द) अरविडु वंश

(ix) कौन-सी फसल नकदी फसल कहलाती थी— 1
(अ) कपास (ब) गेहूँ (स) जौ (द) चना

(x) छोटा नागपुर में कोल आदिवासियों का नेता था— 1
(अ) गोनू (ब) सिन्धु (स) मोनू (द) भीकू

(xi) जमींदार द्वारा राजस्व वसूलने वाला अधिकारी कहलाता था— 1
(अ) दामुला (ब) अमला (स) आमूला (द) अमली

(xii) रेलों का युग प्रारम्भ होने से पहले कौन-सा कस्बा दक्कन से आने वाली कपास के लिए संग्रह केन्द्र था? 1
(अ) मिर्जापुर (ब) बम्बई (स) मद्रास (द) जयपुर

(xiii) काला विधेयक किसे कहा जाता है? 1
(अ) इलबर्ट बिल (ब) रॉलेट एक्ट (स) शिक्षा बिल (द) इनमें से कोई नहीं

YouTube channel RK study point 99

(xiv) विश्व का सबसे बड़ा संविधान किस देश का है? 1
(अ) चीन (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) रूस (द) भारत

उत्तर—	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) जहाँ सत्ता पुरुषों के एक समूह के हाथ में होती है उसे ..... कहते हैं। 1
उत्तर—.....

(ii) छठी शताब्दी ई.पू. से अधिकतर राजवंश ..... प्रणाली का अनुसरण करते थे। 1
उत्तर—.....

(iii) ..... उपनिषद आरंभिक उपनिषदों मे से एक है। 1
उत्तर—.....

(iv) महात्मा बुद्ध के दर्शन से जुड़े विषय ..... पिटक में आए। 1
उत्तर—.....

(v) अधिकांशतः देवी की आराधना पद्धति को ..... नाम से जाना जाता है। 1
उत्तर—.....

(vi) विट्ठलराय मन्दिर का निर्माण ..... ने करवाया। 1
उत्तर—.....

(vii) पंचायत का सरदार एक मुखिया होता था जिसे ..... या मण्डल कहते थे। 1
उत्तर—.....

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु कौन-सी है? 1
उत्तर—.....

(ii) 'अग्रहार' से आप क्या समझते हैं? 1
उत्तर—.....

(iii) धर्मसूत्र व धर्मशास्त्र नामक ग्रंथ किस भाषा में लिखा गया है? 1
उत्तर—.....

(iv) 1919 ई. में महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने हेतु किस विद्वान के नेतृत्व में परियोजना की शुरुआत हुई? 1
उत्तर—.....

(v) ब्राह्मणों द्वारा 'आदर्श जीविका' से संबंधित नियमों का पालन करवाने के लिए अपनाई गई किसी एक नीति का उल्लेख कीजिए। 1
उत्तर—.....

(vi) किस यात्री ने मुगलकालीन नगरों को 'शिविर नगर' कहा है? 1
उत्तर—.....

(vii) नयनार संतों के प्रभाव से दक्षिण भारत में किसकी प्रतिमाओं का निर्माण हुआ? 1
उत्तर—.....

(viii) विजयनगर के मंदिरों की कोई एक विशेषता बताइए। 1
उत्तर—.....

(ix) भारत में गांधीजी की पहली महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक उपस्थिति कब हुई? 1
उत्तर—.....

(x) मद्रास की दक्षावणी पेलावुधान देश के कमजोर वर्ग के लिए क्या चाहती थी? 1
उत्तर—.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. बौद्ध धर्म के व्यावहारिक पक्ष के बारे में सुत्तपिटक के उद्धरण पर प्रकाश डालिए। 2
उत्तर—.....

5. भोपाल की बेगमों ने साँची स्तूप के संरक्षण के लिए क्या उपाय किये? 2
उत्तर—.....

Youtube channel RK study point 99

6. बौद्ध धर्म की शिक्षाओं के प्रसार में चीनी और भारतीय विद्वानों के योगदान का वर्णन कीजिये। 2

उत्तर—

7. बर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को किन-किन समस्याओं से जूझना पड़ता था? किन्हीं चार का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

8. गजनी में रहते हुए अल-बिरुनी की भारत के प्रति रुचि कैसे विकसित हुई? 2

उत्तर—

9. स्थापत्य के सन्दर्भ में गोपुरम से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर—

10. जजमानी व्यवस्था क्या थी? 2

उत्तर—

11. कणकुत प्रणाली क्या थी? 2

उत्तर—

12. "संथालों और पहाड़ियों के बीच लड़ाई हल और कुदाल के बीच लड़ाई थी।" सिद्ध कीजिए। 2

उत्तर—

13. बर्दवान के राजा की सम्पदा क्यों नीलाम की गई? 2

उत्तर—

14. सहायक सन्धि ने अवध के नवाब को किस प्रकार असहाय बना दिया था? 2

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

15. क्रिप्स मिशन भारत कब आया? क्रिप्स वार्ता क्यों टूट गयी? 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. पाटलिपुत्र के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 3

अथवा

सिक्कों के प्रचलन से व्यापार और वाणिज्य सम्बन्धी गतिविधियों पर क्या प्रभाव पड़े ?

उत्तर—

17. सूफी संतों की लोकप्रियता के क्या कारण थे? किन्हीं दो सूफी सिलसिलों के नाम लिखिए। 3

अथवा

'जिम्मी' तथा 'उलेमा' कौन थे? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

18. विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या तरीके अपनाए गए? कोई तीन बताइए। 3

अथवा

अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए? कोई तीन का वर्णन कीजिए।

उत्तर—

19. गाँधीजी भारत में राष्ट्रवाद के आधार को और अधिक व्यापक बनाने में किस प्रकार सफल रहे? 3

अथवा

मार्च 1922 में महात्मा गाँधी को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी के पश्चात् सजा सुनाते समय जस्टिस एन. ब्रूमफील्ड ने क्या टिप्पणी की?

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. मोहनजोदड़ो का निचला शहर दुर्ग से किस प्रकार भिन्न है? क्या दुर्ग पर मालगोदाम तथा विशाल स्नानागार के अतिरिक्त अन्य संरचनाएँ भी हैं? 4

अथवा

हड़प्पा निवासियों के निर्वाह के तरीकों का विवेचन कीजए।

उत्तर—

21. संविधान सभा के गठन का विवेचन कीजिये। 4

अथवा

विभिन्न समूह 'अल्पसंख्यक' शब्द को किस तरह परिभाषित कर रहे थे?

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5
(अ) मथुरा (ब) कालीबंगा (स) दिल्ली (द) अलीगढ़ (य) अमृतसर

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—
(अ) लोथल (ब) उज्जयिनी (स) मद्रास (द) पोरबन्दर (य) जबलपुर

उत्तर—

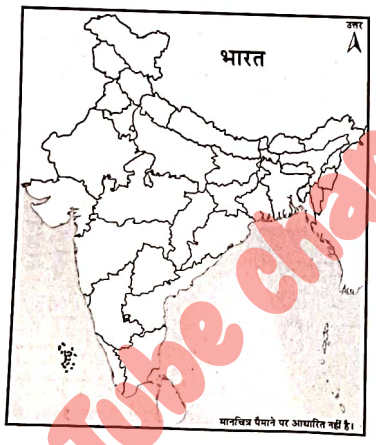

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक—80

मॉडल पेपर-6 (अभ्यासार्थ)
उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12
इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) बालाकोट तथा नागेश्वर किस वस्तु के निर्माण के लिए प्रसिद्ध हैं? 1
(अ) अस्त्र-शस्त्र (ब) जहाज
(स) शंख की वस्तुएँ (द) मृदभाण्ड

(ii) कौन-से शासक अपने नाम के आगे 'देवपुत्र' की उपाधि लगाते थे? 1
(अ) मौर्य शासक (ब) शुंग शासक (स) सातवाहन शासक (द) कुषाण शासक

(iii) प्राचीन काल में मंदसौर किस नाम से जाना जाता था? 1
(अ) दाड़मी (ब) करड़ (स) दशपुर (द) बीसपुर

(iv) बर्नियर पेशे से क्या थे? 1
(अ) तोपची (ब) चिकित्सक (स) सुनार (द) वैज्ञानिक

(v) किस मुगल सम्राट ने खम्बात में गिरजाघर का निर्माण करवाया? 1
(अ) बाबर (ब) हुमायूँ (स) जहाँगीर (द) अकबर

(vi) कबीरदासजी किसके शिष्य थे? 1
(अ) चैतन्य महाप्रभु के (ब) वल्लभाचार्य के
(स) रामानन्द के (द) इनमें से कोई नहीं

(vii) 'यवन राज्य की स्थापना करने वाला' विरुद धारण करने वाला राजा था— 1
(अ) रामराय (ब) हरिहर (स) बुक्का (द) कृष्णदेव राय

(viii) विजयनगर के शासक को निम्नलिखित में से क्या कहा जाता था? 1
(अ) रयि (ब) राय (स) देव (द) राजाधिराज

(ix) वह भूमि जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता था, कहलाती थी— 1
(अ) परौती (ब) चचर (स) उत्तम (द) पोलज

(x) सतीप्रथा को अवैध घोषित करने वाला कानून बना था— 1
(अ) 1828 में (ब) 1829 में (स) 1835 में (द) 1827 में

(xi) कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर की स्थापना किसने की? 1
(अ) फ्रांसिस बुकानन (ब) लार्ड वेलेजली (स) विलियम बैंटिंक (द) विलियम होजेज

(xii) ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई? 1
(अ) 1845 (ब) 1857 (स) 1859 (द) 1862

YouTube channel RK study point 99

(xiii) गांधीजी ने नमक यात्रा (दांडी मार्च) की थी— 1
(अ) मार्च, 1930 में (ब) जून, 1931 में (स) मार्च, 1931 में (द) अप्रैल, 1930 में

(xiv) "हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं।" यह कथन किसका है? 1
(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) महात्मा गांधी
(स) वल्लभभाई पटेल (द) भीमराव अम्बेडकर

उत्तर—

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) प्राचीनतम अभिलेख ..... भाषा में लिखे जाते थे। 1
उत्तर—

(ii) ..... में चाण्डालों के कर्त्तव्यों की सूची मिलती है। 1
उत्तर—

(iii) पारिवारिक रिश्ते ..... और रक्त संबंध माने जाते हैं किन्तु इन संबंधों की परिभाषा अलग-अलग तरीके से की जाती है। 1
उत्तर—

(iv) ज्यादातर पुराने बौद्ध ग्रंथ ..... भाषा में हैं। 1
उत्तर—

(v) ..... भक्ति परम्परा में अमूर्त, निराकार ईश्वर की उपासना की जाती थी। 1
उत्तर—

(vi) ..... में हम्पी को राष्ट्रीय महत्त्व के स्थल के रूप में मान्यता मिली। 1
उत्तर—

(vii) मुद्रा की फेरबदल करने वालों को ..... कहा जाता था। 1
उत्तर—

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पाई मुहर किससे बनाई गई थी? 1
उत्तर—

(ii) अशोक के अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर उसका क्या नाम लिखा है? 1
उत्तर—

(iii) धर्मशास्त्रों के अनुसार क्षत्रियों के किन्हीं दो आदर्श कार्यों का वर्णन कीजिए। 1
उत्तर—

(iv) 'सूत' कौन थे? 1

उत्तर—

(v) किस अभिलेख में रेशम के बुनकरों की एक श्रेणी का उल्लेख मिलता है? 1
उत्तर—

(vi) इब्नबतूता के अनुसार दिल्ली शहर में सबसे विशाल दरवाजा कौन-सा था? 1
उत्तर—

(vii) चोल सम्राटों ने किन तमिल कवियों का संकलन करवाया? 1
उत्तर—

(viii) विजयनगर के शासक धार्मिक क्षेत्र में मन्दिर निर्माण को प्रोत्साहन क्यों देते थे? 1
उत्तर—

(ix) असहयोग आंदोलन का क्या प्रभाव हुआ? 1
उत्तर—

(x) संविधान के कोई दो केन्द्रीय अभिलक्षण लिखिए। 1
उत्तर—

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. नियतिवादियों के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 2
उत्तर—

5. संघ में रहने वाले भिक्षुओं का जीवन कैसा था? 2
उत्तर—

YouTube channel PK study point 99

6. गौतम बुद्ध की जीवनी का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

7. आपके विचार में बर्नियर जैसे विद्वानों ने भारत की यूरोप से तुलना क्यों की ? 2

उत्तर—

8. अल-बिरुनी के लेखन-कार्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 2

उत्तर—

9. विजयनगर साम्राज्य में पहले भी उदित शक्तिशाली राज्यों का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—

10. मुगल साम्राज्य के अधिकारी ग्रामीण समाज को नियन्त्रण में रखने का प्रयास क्यों करते थे? 2

उत्तर—

11. मुगलकालीन कृषि समाज में महिलाएँ कौन-कौनसी भूमिका अदा करती थीं? 2

उत्तर—

12. स्थायी बन्दोबस्त से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर—

13. जमींदारों पर नियन्त्रण रखने के लिए कम्पनी सरकार ने क्या नीति अपनाई थी? 2

उत्तर—

14. अवध के अनुसार गाँव वालों से निपटने में अंग्रेजों को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा? 2

उत्तर—

15. गाँधीजी ने खिलाफत आन्दोलन को असहयोग आन्दोलन का अंग क्यों बनाया? 2

YouTube channel RK study point 99

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. मौर्यकालीन इतिहास के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

गुप्त शासकों का इतिहास लिखने में सहायक स्रोतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—

17. कबीरदास आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं जो सत्य की खोज में रूढ़िवादी, धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं, विचारों और व्यवहारों को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखते हैं। विश्लेषण कीजिए। 3

अथवा

अलवार और नयनार परम्परा के स्त्री-भक्तों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—

18. किन अफवाहों के द्वारा लोगों को विद्रोह करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था? 3

अथवा

बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी आन्दोलन को 1857 के घटनाक्रम से क्या प्रेरणा मिल रही थी ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

19. कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन पर टिप्पणी लिखिए। 3

अथवा

आप कैसे कह सकते हैं कि गाँधीजी सर्वसाधारण के पक्षधर एवं हिमायती थे? 1916 से 1918 के मध्य की घटनाओं से इस कथन की पुष्टि कीजिये।

उत्तर—

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. पुरातत्वविद हड़प्पाई समाज में सामाजिक-आर्थिक भिन्नताओं का पता किस प्रकार लगाते हैं? वे कौन-सी भिन्नताओं पर ध्यान देते हैं? 4

अथवा

मोहनजोदड़ो सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

YouTube channel RK study point 99

21. जवाहरलाल नेहरू ने 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर अपने भाषण में कौनसे विचार पेश किए? उद्देश्य प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द का इस्तेमाल न करने के लिए जवाहर लाल नेहरू ने क्या कारण बताया था?

अथवा

संविधान सभा में पृथक् निर्वाचिकाओं की माँग के जवाब में सरदार पटेल, धुलेकर तथा गोविन्द वल्लभ पंत आदि प्रमुख कांग्रेसी सदस्यों ने अनेक दलीलें प्रस्तुत कीं। इन दलीलों के पीछे कौनसी चिन्ता काम कर रही थी? अन्त में क्या सहमति बनी?

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5
(अ) मेरठ (ब) बम्बई (स) दिल्ली (द) कलकत्ता (य) मद्रास

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—
(अ) कालीबंगन (ब) मथुरा (स) पाटलिपुत्र (द) हम्पी (य) अजमेर

उत्तर—

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक—80

मॉडल पेपर-7 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12

इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) अफगानिस्तान में नहरों के विशेष कहाँ मिले हैं? 1
(अ) कावुल हड़प्पा स्थल (ब) शोर्तुघई हड़प्पा स्थल
(स) बनावली हड़प्पा स्थल (द) कंधार हड़प्पा स्थल

(ii) मगध की राजधानी थी— 1
(अ) चंपा (ब) श्रावस्ती (स) कुशीनगर (द) पाटलिपुत्र

(iii) संस्कृत ग्रंथों में 'कुल' शब्द का प्रयोग होता है— 1
(अ) परिवार के लिए (ब) जाति के लिए
(स) बांधवों के बड़े समूह के लिए (द) कुल के पूर्वज के लिए

(iv) 'ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर' नामक ग्रन्थ का रचयिता था— 1
(अ) मनूची (ब) सर टॉमस रो (स) बर्नियर (द) विलियम हॉकिंस

(v) श्रीनगर की कौनसी मस्जिद सभी मस्जिदों में 'मुकुट का नगीना' समझी जाती है? 1
(अ) जामा मस्जिद (ब) सुनहरी मस्जिद
(स) शाह हमदान मस्जिद (द) मोती मस्जिद

(vi) धर्म के इतिहासकारों ने भक्ति परंपरा को कितने वर्गों में बाँटा है? 1
(अ) चार वर्गों में (ब) दो वर्गों में (स) तीन वर्गों में (द) पाँच वर्गों में

(vii) विजयनगर साम्राज्य का प्रथम राजवंश था— 1
(अ) संगम वंश (ब) सुलुव वंश (स) तुलुव वंश (द) अराविडु वंश

(viii) समकालीन लोगों द्वारा विजयनगर साम्राज्य को क्या संज्ञा दी गई? 1
(अ) पेनुकोण्डा राज्य (ब) कर्नाटक साम्राज्य (स) यवन राज्य (द) कालीकट साम्राज्य

(ix) इटली का यात्री जोवान्नी कारेरी कब भारत आया? 1
(अ) 1560 ई. (ब) 1690 ई. (स) 1590 ई. (द) 1670 ई.

(x) सतीप्रथा को अवैध घोषित करने वाला कानून बना था— 1
(अ) 1828 में (ब) 1829 में (स) 1835 में (द) 1827 में

(xi) उत्तरी बंगाल में शक्तिशाली जोतदारों को कहा जाता था— 1
(अ) हवलदार अथवा गाँटीदार अथवा मंडल (ब) लठियाल
(स) अमला (द) रैयत

(xii) अमेरिका में गृह युद्ध कब आरम्भ हुआ? 1
(अ) 1760 में (ब) 1761 में (स) 1840 में (द) 1861 में

(xiii) कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य की घोषणा अपने किस अधिवेशन में की थी? 1
(अ) सूरत अधिवेशन (ब) लाहौर अधिवेशन (स) बम्बई अधिवेशन (द) नागपुर अधिवेशन

(xiv) संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कब प्रारंभ हुआ था? 1
(अ) 26 जुलाई, 1946 (ब) 9 दिसम्बर, 1946
(स) 13 अक्टूबर, 1946 (द) 11 दिसम्बर, 1946

उत्तर—

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

YouTube channel RK study Point 99

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) ..... का अर्थ ऐसा भूखण्ड है जहाँ कोई जन अपना पांव रखता है अथवा बस जाता है। 1

उत्तर—.....

(ii) गोत्र से बाहर विवाह करने को ..... कहते हैं। 1

उत्तर—.....

(iii) कालांतर में विद्वानों ने ..... प्राकृत और तमिल ग्रंथों के माध्यम से अन्य परम्पराओं का अध्ययन किया। 1

उत्तर—.....

(iv) बौद्ध धर्म के ..... में फैलने के पश्चात् फा-शिएन और ह्वेन त्सांग जैसे तीर्थ यात्री बौद्ध ग्रंथों की खोज में भारत आए। 1

उत्तर—.....

(v) शेख निज़ामुद्दीन औलिया के अनुयायी उन्हें ..... कहकर संबोधित करते थे। 1

उत्तर—.....

(vi) हम्पी के भग्नावशेष 1300 ई. में एक अभियन्ता तथा पुराविद् कर्नल ..... द्वारा प्रकाश में लाए गए थे। 1

उत्तर—.....

(vii) सोलहवीं-सत्रहवीं सदी के दौरान हिन्दुस्तान में करीब-करीब ..... लोग गाँवों में रहते थे। 1

उत्तर—.....

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) अवतल चक्कियाँ हड़प्पाई सभ्यता के किस स्थल से प्राप्त हुई हैं? 1

उत्तर—.....

(ii) मौर्य साम्राज्य के अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले दो कार्यों का उल्लेख कीजिए। 1

उत्तर—.....

(iii) कुल और जाति में क्या अंतर है? 1

उत्तर—.....

(iv) गौतमी पुत्र सातकर्णि किस वंश से संबंधित थे? 1

उत्तर—.....

(v) सातवाहन शासकों का देश के किन भागों पर शासन था? 1

उत्तर—.....

(vi) अरबी में रचित अल-बिरूनी की प्रसिद्ध कृति का नाम लिखिए। 1

उत्तर—.....

(vii) लिंगायत संप्रदाय की किसी एक शिक्षा का उल्लेख कीजिए। 1

उत्तर—.....

(viii) विजयनगर के शासक 'हिन्दू सुरत्राणा' का विरुद क्यों धारण करते थे? 1

उत्तर—.....

(ix) पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव कांग्रेस के किस अधिवेशन में जारी किया गया? 1

उत्तर—.....

(x) धर्मनिरपेक्षता का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर—.....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. चैत्य से क्या अभिप्राय है? 2

उत्तर—.....

5. स्तूपों का निर्माण क्यों किया जाता था? 2

उत्तर—.....

6. 'बौद्ध संघ' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2

उत्तर—.....

Youtube channel RK study point 99

7. बर्नियर के अनुसार 'मुगलकालीन शहर' 'शिविर नगर' थे। स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—

8. फ्रांस्वा बर्नियर का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

उत्तर—

9. अमर नायक प्रणाली से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर—

10. सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी के कृषि-इतिहास की जानकारी के लिए 'आइन' के अतिरिक्त अ
स्रोतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—

YouTube Channel RK study point 99

11. सोलहवीं तथा सत्रहवीं शताब्दियों में भारत में खेती के विकास के लिए किसानों द्वारा अपनायी गई तकनीकों का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

12. फ्रांसिस बुकानन के बारे में आप क्या जानते हैं? 2

उत्तर—

13. कार्नवालिस की इस्तमरारी व्यवस्था के नकारात्मक परिणाम बताइए। 2

उत्तर—

14. अवध के गाँव वालों से निपटने में अंग्रेजों को किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा? 2

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

15. दलितों के लिए पृथक् निर्वाचन क्षेत्र का विरोध गाँधीजी द्वारा क्यों किया गया था? स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. मौर्य साम्राज्य के महत्त्व की विवेचना कीजिए। 3

अथवा

'हर्षचरित' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर—

17. भारत में विभिन्न प्रवासी समुदायों का नामकरण किस प्रकार किया जाता था? 3

अथवा

गुरुनानक देव तथा उनके पवित्र शब्दों के बारे में संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर—

18. अवध के नवाब वाजिद अली शाह के कलकत्ता निष्कासन से लोगों को दुःख और अपमान का एहसास क्यों हुआ? 3

अथवा

1857 के जन-विद्रोह से पहले अवध के सैनिकों में असन्तोष के क्या कारण थे?

उत्तर—

19. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया? 3

अथवा

दाण्डी में गांधीजी द्वारा दिए गए भाषण के आधार पर बताइये कि वे औपनिवेशिक राज्य को कैसे देखते थे?

उत्तर—

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. हड़प्पा सभ्यता की कृषि-प्रौद्योगिकी की विवेचना कीजिए। 4

अथवा

हड़प्पा सभ्यता में शिल्प उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल की सूची बनाइए तथा चर्चा कीजिए कि ये किस प्रकार प्राप्त किये जाते होंगे?

YouTube Channel RK study point 99

21. 'उद्देश्य प्रस्ताव' में किन आदर्शों पर जोर दिया गया था? एक शक्तिशाली केन्द्र सरकार की हिमायत में क्या दलीलें दी जा रही थीं? 4

अथवा

संविधान सभा के क्रियाकलापों में किन-किन सदस्यों की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण थी? उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

(xii) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी को बंगाल की दीवानी किस वर्ष प्राप्त हुई? 1

(अ) 1765 में (ब) 1773 में (स) 1793 में (द) 1880 में

(xiii) निम्न में से किस गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गाँधी ने निम्न जातियों के लिए पृथक् निर्वाचिका की माँग का विरोध किया? 1

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय (द) चतुर्थ

(xiv) किस अनुच्छेद के अनुसार गवर्नर की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार प्राप्त हो जाते हैं? 1

(अ) 350 (ब) 352 (स) 354 (द) 356

उत्तर—

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के एक अधिकारी .... ने ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों का अर्थ निकाला। 1

उत्तर—..............................

(ii) मनुस्मृति के अनुसार पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के .... तरीके हैं। 1

उत्तर—..............................

(iii) महाभारत के एक प्रसंग का रूपांतरण समसामयिक बांग्ला लेखिका .... ने किया है, जो शोषण के विरुद्ध अपनी आवाज उठाने के लिए प्रसिद्ध है। 1

उत्तर—..............................

(iv) वे महापुरुष जो पुरुषों और महिलाओं को जीवन की नदी के पार पहुँचाते हैं, उन्हें .... कहते हैं। 1

उत्तर—..............................

(v) कबीर ग्रंथावली का संबंध राजस्थान के .... पंथियों से है। 1

उत्तर—..............................

(vi) इतिहासकार जहाँ विजयनगर साम्राज्य शब्द का प्रयोग करते हैं वहीं समकालीन लोगों ने उसे .... की संज्ञा दी। 1

उत्तर—..............................

(vii) .... वह जमीन है जो तीन या चार वर्षों तक खाली रहती है। 1

उत्तर—..............................

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पा सभ्यता की नालियों के निर्माण की क्या विशेषताएँ थीं? दो का उल्लेख कीजिए। 1

उत्तर—..............................

....

(ii) सामान्यतः अशोक को अभिलेखों में किस नाम से संबोधित किया गया है? 1

उत्तर—..............................

....

(iii) पितृवंशिकता का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर—..............................

(iv) इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषय-वस्तु को किन दो शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं? 1

उत्तर—..............................

(v) मज्झिमनिकाय किस भाषा में लिखा गया है? 1

उत्तर—..............................

(vi) मुगलकालीन भारत में कौन-कौन से प्रकार के नगर अस्तित्व में थे? 1

उत्तर—..............................

....

(vii) उलमा कौन थे? 1

उत्तर—..............................

....

(viii) अमर-नायक प्रणाली के प्रमुख तत्व किस प्रणाली से लिए गए थे? 1

उत्तर—..............................

(ix) हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए गांधीजी द्वारा किस आंदोलन का समर्थन किया गया? 1

उत्तर—..............................

(x) भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द कब जोड़ा गया? 1

उत्तर—..............................

....

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. कृत्रिम गुफाएँ बनाने की परम्परा का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—..............................

....

....

....

....

....

YouTube channel RK study point 99

5. पौराणिक हिन्दू धर्म के उदय का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

6. बौद्धमत में महायान के विकास का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

7. इब्नबतूता ने भारत की डाक-व्यवस्था को संचार की एक अनूठी प्रणाली क्यों बताया है? 2

उत्तर—

8. बर्नियर ने मुगल-साम्राज्य को भूमि का एकमात्र स्वामी बताया है। क्या इसकी पुष्टि मुगल साक्ष्यों से होती है? 2

उत्तर—

9. 'महानवमी डिब्बा' से जुड़े अनुष्ठानों का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

10. मुगल-काल में गाँव के 'आम खजाने' से पंचायत के कौनसे खर्चे चलते थे? 2

उत्तर—

11. मुगल काल में बाहरी शक्तियाँ जंगलों में किसलिए प्रवेश करती थीं? 2

उत्तर—

12. 1813 ई. में ब्रिटिश संसद में पेश 'पाँचवीं रिपोर्ट' क्या थी? 2

उत्तर—

13. 1865 में अमेरिकी गृह-युद्ध की समाप्ति का महाराष्ट्र के निर्यात व्यापारियों तथा साहूकारों पर क्या प्रभाव पड़ा? 2

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

14. मुगल-सम्राट बहादुर शाह जफर ने विद्रोहियों का नेतृत्व करना क्यों स्वीकार कर लिया था? 2

उत्तर—

15. 'खिलाफत आन्दोलन' से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. छठी शताब्दी ई. से सोने के सिक्के कम संख्या में मिलने से किन तथ्यों के बारे में जानकारी मिलती है? 3

अथवा

'प्रयाग प्रशस्ति' के बारे में आप क्या जानते हैं? वर्णन कीजिए।

उत्तर—

17. मक्तुबात क्या है? संक्षेप में लिखिए। 3

अथवा

तजकिरा क्या है? संक्षेप में टिप्पणी लिखिए।

उत्तर—

18. 1857 के विद्रोह के पूर्व अंग्रेज अफसरों और सैनिकों के सम्बन्धों की विवेचना कीजिये। 3

अथवा

विद्रोहियों द्वारा परस्पर सम्पर्क करने के लिए संचार के कौन-से माध्यम थे?

उत्तर—

19. नमक सत्याग्रह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए तथा नमक सत्याग्रह का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। 3

अथवा

गांधी-इर्विन समझौता कब हुआ? इसकी शर्तें बताइए। रैडिकल राष्ट्रवादियों ने गांधी-इर्विन समझौते की आलोचना क्यों की?

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. "हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशिष्टताओं में से एक ध्यानपूर्वक नियोजित जल निकासी प्रणाली थी।" विवेचना कीजिए। 4

अथवा

चर्चा कीजिए कि पुरातत्वविद किस प्रकार अतीत का निर्माण करते हैं?

उत्तर—

21. संविधान सभा ने भाषा विवाद को किस प्रकार सुलझाने का प्रयास किया? 4

अथवा

केन्द्र को अधिक शक्तिशाली बनाने वाले प्रावधानों का उल्लेख कीजिए। संविधान में राजकोषीय संघवाद की क्या व्यवस्था की गई है?

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5

(अ) काशी (ब) कलकत्ता (स) राखीगढ़ी (द) कटक (य) दाण्डी

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—

(अ) बनावली (ब) इन्द्रप्रस्थ (स) बम्बई (द) अंबाला (य) साबरमती

उत्तर—

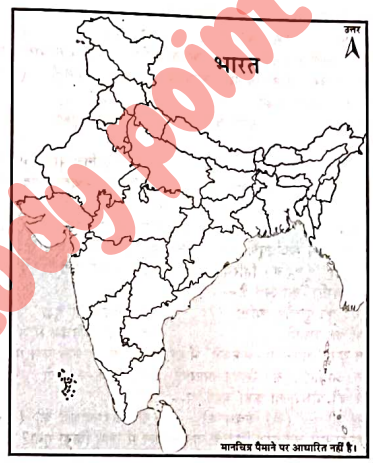

दिनांक ..... प्राप्तांक ..... ह. अध्यापक .....

पूर्णांक—80

मॉडल पेपर-9 (अभ्यासार्थ)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, कक्षा 12

इतिहास

समय : 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक-साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

1. बहुविकल्पी प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(i) हड़प्पा सभ्यता का स्थल लोथल किस राज्य में स्थित है? 1

(अ) गुजरात (ब) राजस्थान (स) हरियाणा (द) पंजाब

YouTube channel RK study point 99

(ii) किस शासक के लिए देवानांपिय उपाधि का प्रयोग हुआ है? 1
(अ) समुद्रगुप्त (ब) चन्द्रगुप्त (स) अकबर (द) अशोक

(iii) महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण का कार्य किसके नेतृत्व में प्रारम्भ किया गया था? 1
(अ) रोमिला थापर (ब) वी.एस. सुकथांकर (स) उमा चक्रवर्ती (द) आर.एस. शर्मा

(iv) दुआर्ते बारबोसा प्रसिद्ध लेखक था— 1
(अ) एशिया का (ब) यूरोप का (स) अफ्रीका का (द) अमेरिका का

(v) अमीर खुसरो किसके शिष्य थे? 1
(अ) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती (ब) शेख निजामुद्दीन औलिया
(स) ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी (द) शेख अब्दुल कादिर जिलानी

(vi) चिदम्बरम और तंजावुर के शिव मंदिर किन सम्राटों की सहायता से निर्मित हुए? 1
(अ) पल्लव सम्राट (ब) चालुक्य सम्राट (स) चोल सम्राट (द) पाण्ड्य सम्राट

(vii) विजयनगर की सबसे महत्त्वपूर्ण जल सम्बन्धी संरचनाओं में से एक थी— 1
(अ) कृष्णा नदी (ब) हिरिया नहर (स) कावेरी नदी (द) तुंगभद्रा नदी

(viii) फारसी शब्द 'अमीर' का अर्थ है— 1
(अ) ऊँचे पद का कुलीन व्यक्ति (ब) लड़ाई या युद्ध
(स) हाथियों का स्वामी (द) उत्तर-पश्चिम से उपमहाद्वीप में आने वाले

(ix) अबुल फ़ज़्ल कृत 'आइन-ए-अकबरी' में आइन का तीसरा भाग क्या कहलाता है? 1
(अ) मंजिल-आबादी (ब) सिपह-आबादी (स) मुल्क-आबादी (द) इनमें से कोई नहीं।

(x) बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था— 1
(अ) कानपुर को (ब) अवध को (स) अहमदाबाद को (द) अजमेर को

(xi) बर्दवान में इस्तमरारी बंदोबस्त किसके शासनकाल में लागू किया गया? 1
(अ) मेहताब चंद (ब) बहादुर शाह (स) मीर जाफर (द) शुजाउद्दौला

(xii) फ्रांसिस बुकानन पेशे से क्या था? 1
(अ) वकील (ब) अभियंता (स) चिकित्सक (द) लेखक

(xiii) पहला गोलमेज सम्मेलन कब आयोजित किया गया था? 1
(अ) नवम्बर, 1930 (ब) जनवरी, 1930 (स) नवम्बर, 1931 (द) जनवरी, 1931

(xiv) संविधान सभा के किस सदस्य ने संविधान निर्माण की भाषा के रूप में हिन्दी भाषा की वकालत की थी? 1
(अ) के. संतनम (ब) हंसा मेहता (स) आर.वी. धुलेकर (द) रामास्वामी मुदलियार

उत्तर—	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(i) चाणक्य मौर्य शासक ..... के मंत्री थे। 1
उत्तर—.....

(ii) 'जहाँ वंश परम्परा माँ से जुड़ी होती है वहाँ ..... शब्द का इस्तेमाल होता है। 1
उत्तर—.....

(iii) ..... राजाओं को उनके मातृनाम से चिह्नित किया जाता है। 1
उत्तर—.....

(iv) ..... अग्नि, इन्द्र, सोम आदि कई देवताओं की स्तुति का संग्रह है। 1
उत्तर—.....

(v) जिम्मी शब्द की उत्पत्ति अरबी शब्द ..... से हुई है। 1
उत्तर—.....

(vi) कई महत्त्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय ..... को ही जाता है। 1
उत्तर—.....

(vii) जोवान्नी कारेरी ..... का मुसाफिर था जो लगभग 1690 ई. में भारत से होकर गुजरा था। 1
उत्तर—.....

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न—निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(i) हड़प्पा की लिपि की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। 1
उत्तर—.....

(ii) अर्थशास्त्र का ऐतिहासिक महत्त्व क्या है? 1
उत्तर—.....

(iii) वर्ण व्यवस्था की उत्पत्ति एक दैवीय व्यवस्था है; को सिद्ध करने के लिए ब्राह्मण किस मंत्र को उद्धृत करते थे? 1
उत्तर—.....

(iv) महाभारतकालीन स्त्रियों की किसी एक समस्या के बारे में लिखिए। 1
उत्तर—.....

(v) मनुस्मृति का संकलन कब किया गया? 1
उत्तर—.....

(vi) बर्नियर के अनुसार कौन-से शिल्प भारत में प्रचलित थे? 1
उत्तर—.....

(vii) कबीर की उलटबाँसी से आप क्या समझते हैं? 1
उत्तर—.....

(viii) राक्षसी-तांगड़ी का युद्ध किस-किस के बीच हुआ? 1
उत्तर—.....

YouTube channel RK study point 99

(ix) अखिल बंगाल सविनय अवज्ञा परिषद् का गठन किसने किया? 1

उत्तर—

(x) संविधान सभा की भाषा समिति ने राष्ट्रभाषा के सवाल पर क्या सुझाव दिया? 1

उत्तर—

खण्ड-ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

4. बौद्ध धर्म के तेजी से प्रसार होने के क्या कारण थे? 2

उत्तर—

5. भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए निर्धारित किन्हीं दो नियमों का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

6. हीनयान तथा महायान में कोई दो मुख्य अन्तरों को समझाइए। 2

उत्तर—

7. किताब-उल-हिन्द की कोई दो विशेषताएँ बताइये। 2

उत्तर—

8. अल-बिरुनी द्वारा उल्लिखित भारत की वर्ण-व्यवस्था का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर—

9. राजधानी के रूप में विजयनगर का चयन किस आधार पर किया गया था? 2

उत्तर—

10. मुगलकालीन भारत में जमींदारों की शक्ति के स्रोतों का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—

11. बटाई प्रणाली तथा लाँग बटाई पद्धतियों का वर्णन कीजिये। 2

उत्तर—

12. इस्तमरारी बंदोबस्त के संबंध में 'सूर्यास्त कानून' क्या था? 2

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

13. संथालों को 'अगुआ बाशिंदे' किसलिए कहा गया? 2

उत्तर—

14. "अनेक स्थानों पर विद्रोह का सन्देश आम पुरुषों और महिलाओं के द्वारा तथा धार्मिक लोगों के द्वारा फैल रहा था।" व्याख्या कीजिये। 2

उत्तर—

15. असहयोग क्या था? विभिन्न सामाजिक वर्गों ने आन्दोलन में किन विभिन्न तरीकों से भाग लिया? 2

उत्तर—

खण्ड-स

दीर्घउत्तरीय प्रश्न— (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

16. अशोक के धम्म के मुख्य सिद्धान्तों का वर्णन कीजिये। 3

अथवा

मौर्य साम्राज्य केवल 150 वर्षों तक ही चल सका, क्यों?

उत्तर—

17. भक्ति आन्दोलन की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

गुरु नानक के उपदेशों का वर्णन कीजिये।

उत्तर—

18. अंग्रेज अवध पर अधिकार करने के लिए क्यों लालायित थे? 3

अथवा

इतिहास लेखन की तरह कला और साहित्य ने भी 1857 की स्मृति को जीवित रखने में योगदान दिया? रानी लक्ष्मीबाई का उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

19. सरकारी ब्यौरों और निजी पत्रों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

औपनिवेशिक सरकार की नीति अन्यायपूर्ण थी। नमक-कर के उदाहरण द्वारा समझाइए।

उत्तर—

खण्ड-द

निबन्धात्मक प्रश्न—(उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

20. मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के नगर-नियोजन की वर्तमान संदर्भ में उपादेयता बताइए। 4

अथवा

हड़प्पाई समाज में शासकों द्वारा किए जाने वाले संभावित कार्यों की चर्चा कीजिए।

उत्तर—

21. भारतीय संविधान के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले त्रिगुट का वर्णन कीजिए। प्रांतों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में के. संतनम द्वारा क्या तर्क दिए गए? 4

अथवा

भारतीय संविधान में विषयों की तीन सूचियों और अनुच्छेद 356 का उल्लेख करें। नई संविधान सभा में काँग्रेस प्रभावशाली क्यों थी?

उत्तर—

YouTube channel RK study point 99

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

22. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए— 5

(अ) झाँसी (ब) रंगपुर (स) बैराठ (द) अमृतसर (य) आगरा

अथवा

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए—

(अ) भाबू (ब) अजमेर (स) मद्रास (द) शोलापुर (य) भड़ौच

उत्तर—

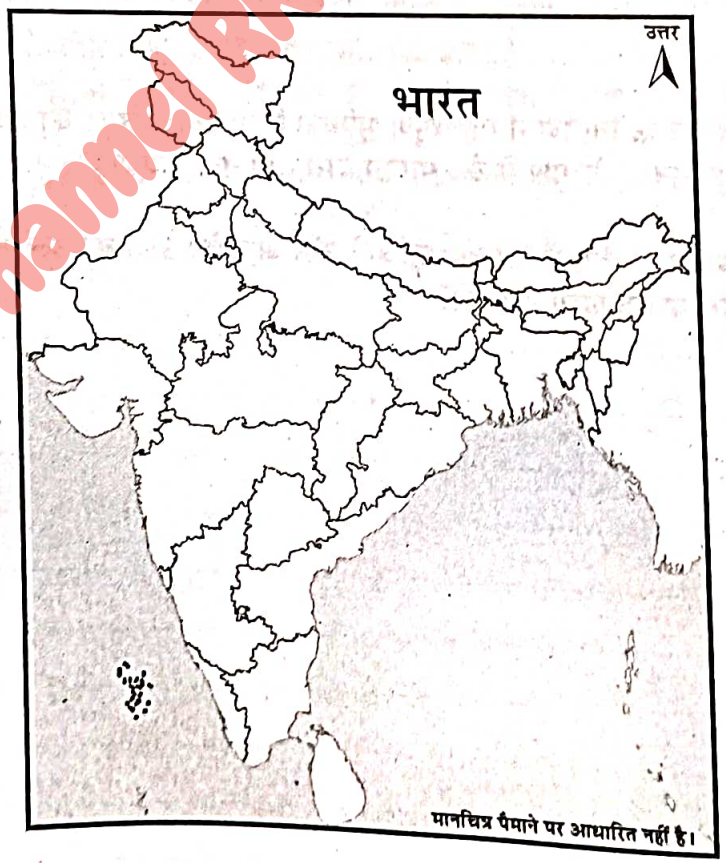

दिनांक .....

प्राप्तांक .....

पूर्णांक—80

ह. अध्यापक .....

YouTube channel RK study point 99

संजीव डेस्क वर्क इतिहास-कक्षा 12 के साथ निःशुल्क

इतिहास–कक्षा 12
संजीव डेस्क वर्क का सम्पूर्ण हल

मॉडल पेपर-2

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(द)	(स)	(द)	(ब)	(द)	(अ)	(ब)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(द)	(अ)	(स)	(अ)	(स)	(द)	(अ)

उत्तर 2. (i) तमिल (ii) बहुपत्नी (iii) महाश्वेता देवी
(iv) ताज-उल-इकबाल (v) लिंगायत (vi) चौदहवीं
(vii) इब्राहिम लोदी

उत्तर 3. (i) ये हमें हड़प्पा सभ्यता के मोहनजोदड़ो नगर की बड़ी स्थापत्यों में शामिल 'विशाल स्नानागार' की याद दिलाते हैं।
(ii) 'तमिलकम' में चोल, चेर तथा पाण्ड्य सरदारियों का उदय हुआ।
(iii) पाणिनी ने।
(iv) गौतमी पुत्र शातकर्णी ने।
(v) वर्तमान महाभारत में लगभग एक लाख श्लोक हैं।
(vi) मुहम्मद बिन तुगलक ने।
(vii) ग्रंथ 'नलयिरादिव्यप्रबंधम' को तमिल वेद के रूप में भी जाना जाता है।
(viii) (1) मूर्ति की पूजा (2) राज्य के अश्व की पूजा, भैसों की बलि।
(ix) 16 अगस्त, 1946 को मुस्लिम लीग ने 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' मनाने का ऐलान किया।
(x) संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर केन्द्र व राज्य में से केन्द्र को शक्तिशाली बनाना चाहते थे।

खण्ड-ब

उत्तर 4. (1) बुरे कर्मों का परित्याग।
(2) जन्म पर आधारित वर्ण-व्यवस्था का विरोध।
(3) कर्मों के फल और पुनर्जन्म के सिद्धान्त पर बल देना।
(4) सत्कर्म करने पर बल देना।
(5) आडम्बरों और कर्मकाण्डों का विरोध।

YouTube channel RK study point 99

उत्तर 5. स्त्री और पुरुष निम्नलिखित कारणों से संघ में जाते थे–
(1) वे संघ में रहते हुए बौद्ध ग्रन्थों का अध्ययन कर सकते थे।
(2) वे बौद्ध भिक्षुओं एवं भिक्षुणियों से बौद्ध धर्म की शिक्षाओं और दार्शनिक सिद्धान्तों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते थे।
(3) वे संघ में जाकर धम्म के शिक्षक बन सकते थे।
(4) वे धम्म से सम्बन्धित अपनी शंकाओं का समाधान करना चाहते थे।

उत्तर 6. (1) दोनों धर्म कर्मवाद और पुनर्जन्मवाद में विश्वास करते हैं।
(2) दोनों धर्म अहिंसा के सिद्धान्त में विश्वास करते हैं।
(3) दोनों धर्म अनीश्वरवादी हैं।
(4) दोनों धर्म यज्ञों, बहुदेववाद और कर्मकाण्डों का विरोध करते हैं।
(5) दोनों धर्म निर्वाण प्राप्त करने पर बल देते हैं।
(6) दोनों धर्म निवृत्तिमार्गी हैं और संसार त्याग पर बल देते हैं।

उत्तर 7. (1) अल-बिरूनी संस्कृत भाषा का अच्छा ज्ञाता था। उसने अनेक संस्कृत ग्रन्थों का अरबी में अनुवाद किया था। परन्तु इब्नबतूता संस्कृत से अनभिज्ञ था।
(2) अल-बिरूनी ने ब्राह्मणों, पुरोहितों तथा विद्वानों के साथ कई वर्ष बिताए और संस्कृत धर्म तथा दर्शन का ज्ञान प्राप्त किया। परन्तु इब्नबतूता को इस प्रकार का अवसर प्राप्त नहीं हुआ।

उत्तर 8. इब्नबतूता के अनुसार नारियल के वृक्ष स्वरूप में सबसे अनोखे और प्रकृति में सबसे आश्चर्यजनक वृक्षों में से हैं। ये खजूर के वृक्ष जैसे दिखते हैं। इनमें केवल एक अन्तर है कि नारियल से काष्ठफल प्राप्त होता है तथा दूसरे से खजूर। नारियल मानव सिर से मेल खाता है क्योंकि इसमें भी दो आँखें तथा एक मुख है और अन्दर का भाग हरा होने पर मस्तिष्क जैसा दिखता है। इससे जुड़ा रेशा बालों जैसा दिखाई देता है।

उत्तर 9. विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय निम्नलिखित कारणों से व्यापार को प्रोत्साहित करना चाहते थे–
(1) व्यापार से प्राप्त राजस्व राज्य की समृद्धि में महत्त्वपूर्ण योगदान देता था।
(2) राजा अपनी सेना के लिए अच्छी नस्ल के शक्तिशाली घोड़े प्राप्त करना चाहता था।
(3) राजा अपने राज्य में घोड़ों, हाथियों, रत्नों, चन्दन, मोती तथा अन्य वस्तुओं का आयात बढ़ाना चाहता था।

उत्तर 10. (1) किसानों से भूमिकर नकद अथवा अनाज के रूप में वसूल किया जाता था।
(2) साम्राज्य की भूमि की पैमाइश करवाई गई और भूमि के आंकड़ों को संकलित किया गया।
(3) राजस्व अधिकारियों को आदेश दिया गया कि वे राजस्व वसूली में बल प्रयोग करें।
(4) अतिवृष्टि, अकाल, अनावृष्टि आदि की दशा में भूराजस्व माफ कर दिया जाता था। राज्य द्वारा पीड़ित किसानों को आर्थिक सहायता दी जाती थी।

उत्तर 11. मुगल काल में दो तरह के किसान होते थे—खुद-काश्त व पाहि-काश्त।

खुद-काश्त वे किसान थे, जिनके पास अपनी जमीन होती थी और वे अपने गाँव में ही रहकर खेती करते थे।

पाहि-काश्त वे किसान थे जो दूसरे गाँवों से ठेके पर खेती करने आते थे। किसान अकाल व भुखमरी जैसी आर्थिक परेशानी के कारण पाहि-काश्त बनते थे।

उत्तर 12. कुदाल और हल–राजमहल की पहाड़ियों के मूल निवासी पहाड़िया लोग खेती के लिए कुदाल का प्रयोग करते थे इसलिए कुदाल को पहाड़िया जीवन का प्रतीक माना जाता है। आगे चलकर, राजमहल की पहाड़ियों में संथालों का आगमन हुआ, जिन्होंने हल जोतकर स्थायी खेती करना प्रारम्भ किया। अतः हल को संथालों की शक्ति का प्रतीक माना गया।

उत्तर 13. 16 मई, 1875 को पूना के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त को लिखा कि, "शनिवार 15 मई को सूपा आने पर मुझे इस उपद्रव का पता चला। एक साहूकार का घर पूरी तरह जला दिया गया; लगभग एक दर्जन मकानों को तोड़ दिया गया और उनमें घुसकर वहाँ के सारे सामान को आग लगा दी गई। खाते पत्र, बॉण्ड, अनाज, देहाती कपड़ा सड़कों पर लाकर जला दिया गया, जहाँ राख के ढेर अब भी देखे जा सकते हैं।"

उत्तर 14. (1) 1857 के विद्रोह में विद्रोहियों द्वारा जारी की गई घोषणाओं में जाति और धर्म का भेद किए बिना, समाज के सभी वर्गों का आह्वान किया जाता था।
(2) 1857 के विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था, जिसमें हिन्दुओं और मुसलमानों दोनों का नफा-नुकसान बराबर था।

उत्तर 15. गाँधीजी प्रतिदिन कुछ समय चरखा चलाते थे और खादी से बने वस्त्र ही पहनते थे। अन्य राष्ट्रवादियों को भी उन्होंने ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। चरखा चलाने ने गाँधीजी को पारंपरिक जाति व्यवस्था में प्रचलित मानसिक और शारीरिक श्रम की दीवार को तोड़ने में मदद की। इस प्रकार चरखे के साथ वे राष्ट्रवाद की स्थाई पहचान बन गये।

खण्ड-स

उत्तर 16. आधुनिक इतिहासकारों के अनुसार मगध महाजनपद के शक्तिशाली बनने के कारण

(1) मगध क्षेत्र में खेती की उपज बहुत अच्छी होती थी।
(2) मगध क्षेत्र में लोहे की खदानें भी सरलता से उपलब्ध थीं। अतः लोहे से उपकरण और हथियार बनाना आसान होता था।
(3) मगध के जंगलों में बड़ी संख्या में हाथी उपलब्ध थे। ये हाथी मगध राज्य की सेना के एक महत्त्वपूर्ण अंग थे।
(4) गंगा और इसकी उपनदियों से आवागमन सस्ता व सुलभ होता था।
(5) बिम्बिसार, अजातशत्रु की नीतियाँ मगध के विकास के लिए उत्तरदायी थीं।

अथवा का उत्तर

मेगस्थनीज ने लिखा है कि मौर्यकालीन सैन्य प्रशासन में सेना सुरक्षा का एक प्रमुख माध्यम थी। सैनिक विभाग का प्रबन्ध करने के लिए एक समिति तथा छः

YouTube channel RK Study Point 99

उपसमितियाँ बनी हुई थीं। पहली उपसमिति का काम नौसेना का संचालन करना था। दूसरी उपसमिति यातायात तथा खानपान का संचालन करती थी। तीसरी उपसमिति का काम पैदल सैनिकों का संचालन करना था। चौथी उपसमिति अश्वारोही सेना का संचालन करती थी तथा पाँचवीं उपसमिति का काम रथारोहियों का संचालन करना था। छठी उपसमिति हाथियों का संचालन करती थी।

दूसरी उपसमिति का दायित्व विभिन्न प्रकार का था : उपकरणों को ढोने के लिए बैलगाड़ियों की व्यवस्था, सैनिकों के लिए भोजन और जानवरों के लिए चारे की व्यवस्था करना तथा सैनिकों की देखभाल के लिए सेवकों और शिल्पकारों की नियुक्ति करना।

उत्तर 17. वेल्लाल कृषक नयनार और अलवार सन्तों को सम्मानित करते थे। इसलिए शासक भी इन सन्तों का समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करते थे। उदाहरण के लिए चोल सम्राटों ने दैवीय समर्थन पाने का दावा किया और अपनी सत्ता के प्रदर्शन के लिए सुन्दर और विशाल मन्दिरों का निर्माण करवाया जिनमें पत्थर और धातु से बनी मूर्तियाँ सुसज्जित थीं। इन सम्राटों ने तमिल भाषा के शैव भजनों का गायन इन मन्दिरों में प्रचलित किया। 945 ई. के एक अभिलेख से ज्ञात होता है कि चोल सम्राट परांतक प्रथम ने सन्त कवि अप्पार संबंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएँ एक शिवमन्दिर में स्थापित करवाईं।

अथवा का उत्तर

वे चेष्टाएँ जो जहाँआरा, शेख मुइनुद्दीन चिश्ती के प्रति श्रद्धा दर्शाती हैं, इस प्रकार हैं—मार्ग में कम-से-कम दो बार नमाज पढ़ना (प्रत्येक पड़ाव पर), रात को बाघ के चमड़े पर न सोना, दरगाह की दिशा की ओर पैर न करना, दरगाह की तरफ अपनी पीठ न करना आदि।

जहाँआरा दरगाह की विशिष्टताओं का इस प्रकार वर्णन करती है—दरगाह का वातावरण चिराग तथा इत्र से खुशनुमा है, दरगाह पाक और मुकद्दस थी, दरगाह के अन्दर पवित्र आत्मिक आनन्द की अनुभूति हुई और जहाँआरा ने दरगाह की चौखट पर अपना सिर रखा।

उत्तर 18. 1857 के विद्रोह में मौलवी अहमदुल्लाह का योगदान निम्न बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है–

- मौलवी अहमदुल्लाह शाह 1857 के विद्रोह में अहम भूमिका निभाने वाले मौलवियों में से एक थे।
- उन्होंने 1856 में अंग्रेजों के खिलाफ जिहाद का प्रचार कर लोगों को विद्रोह के लिए तैयार किया। इन्हें डंका शाह के नाम से भी जाना जाता था।
- 22वीं नेटिव इन्फेन्ट्री के विद्रोहियों ने इन्हें अपना नेता चुन लिया।
- इन्होंने चिनहट के युद्ध में हेनरी लारेन्स के नेतृत्व वाली अंग्रेज सेना को पराजित किया।
- मुस्लिम इन्हें इस्लाम के आदर्शों से ओत-प्रोत पैगम्बर मानते थे। इनके बारे में लोगों की मान्यता थी कि इनके पास जादुई शक्तियाँ हैं, इन्हें कोई पराजित नहीं कर सकता है।

अथवा का उत्तर

(1) विद्रोह का दमन करने के लिए कई नए कानून पारित किए गए।

(2) पूरे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया। फौजी अफसरों के अतिरिक्त आम अंग्रेजों को भी विद्रोहियों को सजा देने का अधिकार दे दिया गया। विद्रोह की एक ही सजा थी–सजा-ए-मौत।

(3) जनता में दहशत फैलाने के लिए विद्रोहियों को सरेआम फाँसी पर लटकाया गया और तोपों के मुँह से बाँधकर उड़ा दिया गया।

(4) ब्रिटेन से नई सैनिक टुकड़ियाँ भी मंगाई गईं।

(5) स्वामिभक्त जमींदारों को पुरस्कृत किया तथा विद्रोही जमींदारों को जमीनों से बेदखल किया गया।

उत्तर 19. (1) **चम्पारन सत्याग्रह**—गाँधीजी ने अपना प्रथम सत्याग्रह 1917 में बिहार के चंपारन नामक स्थान पर किया। वहाँ पर जो किसान नील की खेती करते थे उन पर यूरोपीय निलहे बहुत अत्याचार करते थे। उन किसानों ने गाँधीजी को अपनी समस्या बताई। इस पर गाँधीजी चंपारन पहुँचे। अन्त में सरकार ने किसानों की शिकायतों को दूर करने हेतु कदम उठाये।

(2) **खेड़ा सत्याग्रह**—1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में फसल खराब होने से किसानों की हालत खराब हो गई। किसानों ने लगान देने से मना कर दिया। गाँधीजी ने उनकी बात का समर्थन किया। यहाँ भी सरकार को झुकना पड़ा और यह निर्णय लिया गया कि जो किसान लगान देने में सक्षम हैं उन्हें ही जमा कराने का आदेश दें। अतः कुछ समय बाद यह आन्दोलन खत्म हो गया।

अथवा का उत्तर

(1) **जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड**–अप्रैल, 1919 में अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक सार्वजनिक सभा आयोजित की गई। जनरल डायर ने निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलाना शुरू कर दिया। इस बर्बरतापूर्ण कार्यवाही में 400 से अधिक लोग मारे गए तथा सैकड़ों लोग घायल हो गए।

(2) **गाँधी-इरविन समझौता**—मार्च, 1931 में गाँधीजी और वायसराय लार्ड इर्विन के बीच समझौता हो गया जो 'गाँधी-इर्विन समझौता' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके अनुसार सरकार ने राजनीतिक बन्दियों को रिहा करना तथा कांग्रेस ने आन्दोलन को स्थगित करना स्वीकार कर लिया।

खण्ड-द

उत्तर 20. हड़प्पा सभ्यता की अर्थव्यवस्था

(1) **कृषि**–हड़प्पा के निवासियों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। यहाँ गेहूँ, जौ, चावल, कपास, दाल, तिल आदि की खेती की जाती थी। सिंचाई के लिए नहरों, कुओं और जलाशयों का जल काम में लिया जाता था। पुरातत्वविदों ने फसलों की कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों को पहचानने का प्रयास भी किया है।

(2) **पशुपालन**–उत्खनन में अनेक मुहरें मिली हैं जिन पर अनेक पशु-पक्षियों के चित्र उत्कीर्ण हैं। इनसे ज्ञात होता है कि हड़प्पावासी गाय, बैल, भैंस, सूअर, भेड़, बकरी, कुत्ते आदि जानवर पालते थे।

YouTube channel RK Study Point 99

(3) उद्योग-धन्धे–हड़प्पा सभ्यता काल में अनेक प्रकार के उद्योग-धन्धे विकसित थे। यहाँ सूती तथा ऊनी दोनों प्रकार के वस्त्र तैयार किए जाते थे। यहाँ के कुम्भकार मिट्टी के बर्तन बनाने में निपुण थे।

हड़प्पा के स्वर्णकार सोने, चाँदी, बहुमूल्य पत्थरों, पीतल, ताँबे आदि धातुओं का प्रयोग करते थे। यहाँ मनके बनाने, शंख की कुटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा वाट बनाने के उद्योग भी उन्नत थे। सीप, घोंघा, हाथीदांत आदि के काम में भी निपुण थे।

(4) व्यापार–हड़प्पा निवासियों का व्यापार भी उन्नत था। व्यापार जल तथा थल दोनों मार्गों से होता था। जल यातायात के लिए नावों तथा छोटे जहाजों का एवं थल यातायात के लिए पशु-गाड़ियों का प्रयोग किया जाता था। आन्तरिक व्यापार उन्नत अवस्था में था।

हड़प्पा के लोगों का विदेशी व्यापार भी उन्नत अवस्था में था। उनका ओमान, मेसोपोटामिया, ईरान, अफगानिस्तान आदि देशों के साथ व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित था। मेसोपोटामिया में हड़प्पा सभ्यता की लगभग दो दर्जन मुहरें मिली हैं। मोहनजोदड़ो में भी मेसोपोटामिया की मुहरें मिली हैं।

(5) तोल तथा माप के साधन–हड़प्पा निवासी वाटों का प्रयोग करना भी जानते थे। मोहनजोदड़ो की खुदाई में छोटे-बड़े सभी प्रकार के वाट मिले हैं। ये वाट सामान्यत: चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे और प्राय: ये किसी भी प्रकार के चिह्न से रहित घनाकार होते थे।

(6) यातायात के साधन–स्थल मार्ग से जाने के लिए बैलगाड़ियों, इक्कों आदि का प्रयोग होता था। जलमार्ग से जाने के लिए नावों तथा छोटे जहाजों का प्रयोग किया जाता था।

अथवा का उत्तर

हड़प्पा सभ्यता की मुहरें एवं मुद्रांकन–हड़प्पा सभ्यता में मुहरों और मुद्रांकनों का प्रयोग लम्बी दूरी के सम्पर्कों को सुविधाजनक बनाने हेतु किया जाता था। उदाहरणार्थ, जब सामान से भरा हुआ एक थैला एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजा जाता था तो उसका मुँह रस्सी से बाँध दिया जाता था तथा गाँठ पर थोड़ी गीली मिट्टी जमाकर एक या अधिक मुहरों से दबा दिया जाता था। इससे मिट्टी पर मुहरों की छाप पड़ जाती थी। मुद्रांकन से प्रेषक की पहचान का भी पता चलता था।

हड़प्पा सभ्यता की लिपि–

(1) हड़प्पाई मुहरों पर एक पंक्ति में कुछ लिखा है, जो सम्भवत: मालिक के नाम व पदवी को दर्शाते हैं। अधिकांश अभिलेख संक्षिप्त हैं, सबसे लम्बे अभिलेख में लगभग 26 चिह्न हैं।

(2) हड़प्पा सभ्यता की लिपि अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है, इसलिए इसे रहस्यमयी लिपि कहा जाता है।

(3) यह लिपि निश्चित रूप से वर्णमालीय नहीं थी क्योंकि इसमें चिह्नों की संख्या कहीं अधिक है। इसमें लगभग 375 से 400 के बीच चिह्न हैं।

(4) यह लिपि दायीं ओर से बायीं ओर लिखी जाती थी।

हड़प्पा सभ्यता की वाट-प्रणाली–

(1) विनिमय वाटों की एक सूक्ष्म या परिशुद्ध प्रणाली द्वारा नियन्त्रित थे।

(2) ये वाट प्राय: चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे।

(3) सामान्यत: ये किसी भी प्रकार के निशान से रहित और घनाकार होते थे।

(4) इन वाटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1, 2, 4, 8, 16, 32 इत्यादि 12,800 तक) थे, जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली के अनुसार थे।

(5) छोटे वाटों का प्रयोग सम्भवत: आभूषणों और मनकों को तौलने के लिए किया जाता था।

उत्तर 21. संविधान का रूप तय करने वाली प्रमुख ऐतिहासिक ताकतें निम्नलिखित थीं—

(1) काँग्रेस पार्टी—काँग्रेस पार्टी देश की एक प्रमुख राजनीतिक ताकत थी जिसने देश के संविधान को लोकतांत्रिक गणराज्य, धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाने में भूमिका अदा की थी। पं. जवाहरलाल नेहरू ने संविधान के 'उद्देश्य प्रस्ताव' को पेश किया तथा भारत के राष्ट्रीय ध्वज की रूप-रेखा भी निर्धारित की थी। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कई रिपोर्टों के प्रारूप लिखने में विशेष सहायता की और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

(2) दलित वर्ग—जो नेता दलितों या हरिजनों के पक्षधर थे उन्होंने संविधान को कमजोर वर्गों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक समानता व न्याय दिलाने वाला, आरक्षण की व्यवस्था करने वाला, छुआछूत को मिटाने वाला स्वरूप प्रदान करने में योगदान दिया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में काम किया।

(3) वामपंथी विचारधारा—जिन समुदायों या राजनैतिक दलों पर वामपंथी अथवा समाजवादी विचारों का प्रभाव था, उन्होंने संविधान में समाजवादी ढाँचे के अनुसार सरकार बनाने, भारत को कल्याणकारी राज्य बनाने और धीरे-धीरे समान काम के लिए समान वेतन, बंधुआ मजदूरी समाप्त करने, जमींदारी उन्मूलन आदि की व्यवस्थाएँ करने के लिए वातावरण या संवैधानिक व्यवस्थाएँ तय करने में योगदान दिया।

(4) आदिवासियों के प्रतिनिधि—आदिवासियों से सम्बन्धित नेताओं ने संविधान सभा में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि आदिवासियों के साथ अनेक वर्षों से ब्रिटिश सरकार, जमींदारों, सूदखोरों और साहूकारों ने सही व्यवहार नहीं किया। आदिवासी नेता आदिवासियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए सीटों के आरक्षण की व्यवस्था को आवश्यक समझते थे।

(5) लोगों की आकांक्षा की अभिव्यक्ति—पं. नेहरू ने कहा था कि सरकार जनता की इच्छा की अभिव्यक्ति होती है। संविधान सभा उन लोगों की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का साधन मानी जा रही थी जिन्होंने स्वतन्त्रता के आन्दोलनों में भाग लिया। लोकतन्त्र, समानता तथा न्याय जैसे आदर्श 19वीं शताब्दी से भारत में सामाजिक संघर्षों के साथ गहरे तौर पर जुड़ चुके थे।

(6) जनमत—संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से भी प्रभावित होती थीं। जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों की दलीलें अखबारों में भी छपती

Youtube channel RK Study point99

थीं और तमाम प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी। सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए जनता के सुझाव भी आमंत्रित किए जाते थे।

अथवा का उत्तर

गांधीजी के अनुसार, भाषा विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है। इसलिए किसी भी देश में राष्ट्रीयता की भावना को विकसित करने हेतु एक भाषा का होना आवश्यक है। भारत बहुभाषी देश है। यहाँ विभिन्न संस्कृतियों को आश्रय प्राप्त है, इसलिए यहाँ अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। भाषा के सन्दर्भ में गाँधीजी का मानना था—

(1) महात्मा गाँधी का मानना था कि हिन्दुस्तानी भाषा हिन्दी और उर्दू के मेल से बनी है और यह भारतीय जनता के बहुत बड़े हिस्से की भाषा थी। यह भाषा विविध संस्कृतियों के आदान-प्रदान से समृद्ध हुई एक साझी भाषा थी।

(2) समय बीतने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के स्रोतों से नये-नये शब्द और अर्थ हिन्दुस्तानी भाषा में समाविष्ट होते गए और उसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत सारे लोग समझने लगे।

(3) महात्मा गाँधी ने महसूस किया कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की आदर्श भाषा बन सकती है। यह हिन्दुओं और मुसलमानों को, उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है। इन सभी कारणों से गाँधीजी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा बनाना चाहते थे।

उत्तर 22.

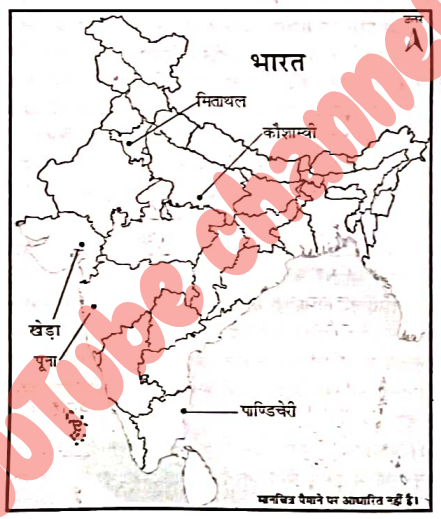

अथवा का उत्तर

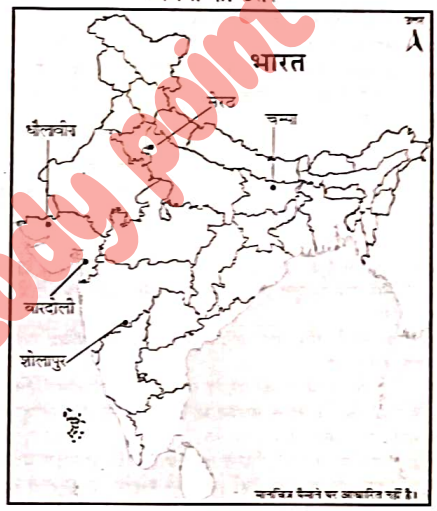

मॉडल पेपर-3

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(स)	(ब)	(ब)	(द)	(द)	(ब)	(द)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(ब)	(द)	(अ)	(ब)	(स)	(ब)	(अ)

उत्तर 2. (i) धम्म महामात्त (ii) भगवद्गीता (iii) सुत्तपिटक
(iv) सुल्तानजहाँ बेगम (v) रावी (vi) गजपति
(vii) मुजरियान

उत्तर 3. (i) लगभग 26 चिह्न।
(ii) (1) अंग (चम्पा) (2) मगध (राजगीर)।
(iii) गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।
(iv) वी.वी. लाल के नेतृत्व में।
(v) विवाह के समय मिले उपहारों पर स्त्रियों का स्वामित्व माना जाता था और इसे 'स्त्री धन' कहा जाता था।

YouTube channel UK study point 99

(vi) डाक-प्रणाली का।
(vii) ब्राह्मणीय तथा भक्ति परंपरा।
(viii) कमलपुरम् जलाशय।
(ix) महात्मा गांधी ने नमक को मुद्दा बनाया क्योंकि औपनिवेशिक सरकार ने लोगों को ऊँचे दामों पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया।
(x) 8 प्रांतों में।

खण्ड-ब

उत्तर 4. ऐसी जगह जिन्हें पवित्र माना जाता था, उन जगहों पर बुद्ध से जुड़े कुछ अवशेष जैसे उनकी अस्थियाँ या सामान गाड़ दिए जाते थे। इन टीलों को स्तूप कहते थे।

(1) स्तूप का जन्म एक गोलाई लिए हुए मिट्टी के टीले से हुआ जिसे बाद में अंड कहा गया।

(2) अंड के ऊपर एक 'हर्मिका' होती थी। वह छज्जे जैसा ढांचा होता था।

(3) हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था, जिसे 'यष्टि' कहते थे, जिस पर एक छत्री लगी होती थी।

(4) टीले के चारों ओर एक वेदिका होती थी जो पवित्र स्थल को सामान्य दुनिया से अलग करती थी।

उत्तर 5. (1) संसार में दु:ख मनुष्य के जीवन का अन्तर्निहित तत्त्व है। घोर तपस्या और विषयासक्ति के बीच मध्यम मार्ग का अनुसरण करते हुए मनुष्य दुनिया के दु:खों से मुक्ति पा सकता है।

(2) बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है, यह आत्माविहीन (आत्मा) है क्योंकि यहाँ कुछ भी स्थायी या शाश्वत नहीं है।

उत्तर 6. जैन दर्शन के अनुसार कर्म के चक्र से मुक्ति के लिए त्याग और तपस्या की जरूरत होती है। यह संसार के त्याग से ही संभव हो पाता है। इसीलिए मुक्ति के लिए विहारों में निवास करना एक अनिवार्य नियम बन गया। विहारों में रहने वाले जैन साधु और साध्वी पाँच व्रत करते थे : हत्या न करना, चोरी नहीं करना, झूठ न बोलना, ब्रह्मचर्य (अमृषा) और धन संग्रह न करना। इन्हें पंच महाव्रत भी कहा जाता है।

उत्तर 7. इब्नबतूता ने स्थापत्य कला के विभिन्न अभिलक्षणों पर ध्यान दिया है; जैसेकि किले की प्राचीर, प्राचीर में खिड़की, प्राचीरों में उपलब्ध विभिन्न सामग्री, प्राचीरों तथा इनके निर्माण की वास्तुकला, किले के विभिन्न प्रवेश द्वार, मेहराब, मीनारें, गुम्बद आदि।

उत्तर 8. अल-बिरुनी के यात्रा-वृत्तान्त लिखने के निम्नलिखित उद्देश्य थे—

(1) उन लोगों की सहायता करना जो हिन्दुओं से धार्मिक विषयों पर चर्चा करना चाहते थे।

(2) ऐसे लोगों के लिए सूचना का संग्रह करना जो हिन्दुओं के साथ सम्बद्ध होना चाहते थे।

उत्तर 9. विजयनगर की एक विशाल किलेबंदी थी। इसमें न केवल शहर को बल्कि कृषि में प्रयुक्त आस-पास के क्षेत्र तथा जंगलों को भी घेरा गया था।

इस किलेबंदी का तीन घेरा बनाया गया था; पहली किलेबंदी से जुते हुए खेतों को, दूसरी किलेबंदी से नगरीय केन्द्र के आन्तरिक भाग को, जबकि तीसरी किलेबंदी से शासकीय केन्द्र को घेरा गया था।

उत्तर 10. (i) मंजिल-आबादी–'मंजिल-आबादी' के नाम से पहला ग्रन्थ शाही घर-परिवार और उसके रख-रखाव से सम्बन्ध रखता है।

(ii) सिपह-आबादी–दूसरा भाग 'सिपह-आबादी' सैनिक व नागरिक प्रशासन और नौकरों की व्यवस्था के बारे में है। इस भाग में शाही अधिकारियों (मनसबदारों), विद्वानों, कवियों और कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियाँ सम्मिलित हैं।

उत्तर 11. अकबर के शासनकाल में भूमि का वर्गीकरण चार भागों में किया गया है–

(1) पोलज (2) परौती (3) चचर (4) बंजर

(1) पोलज–पोलज भूमि में एक के बाद एक हर फसल की वार्षिक खेती होती थी जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता था।

(2) परौती–परौती जमीन पर कुछ दिनों के लिए खेती रोक दी जाती थी ताकि वह अपनी खोई हुई उर्वरा शक्ति वापस पा सके।

उत्तर 12. रैयतवाड़ी व्यवस्था इस्तमरारी बंदोबस्त से निम्न प्रकार भिन्न थी—

(i) इस प्रणाली के अन्तर्गत राजस्व की राशि को तय कर दिया गया, जिसे प्रत्येक जमींदार द्वारा जमा कराना आवश्यक था।

(ii) भिन्न-भिन्न प्रकार की भूमि से होने वाली औसत आय का अनुमान लगा लिया जाता था और सरकार के हिस्से के रूप में उसका एक अनुपात निर्धारित कर दिया जाता था।

उत्तर 13. जब किसान ऋणदाता का कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाता था तो उसके पास अपना सर्वस्व—जमीन, गाड़ियाँ, पशुधन देने के अतिरिक्त कोई उपाय नहीं था; लेकिन जीवनयापन हेतु खेती करना जरूरी था। इसलिए उसने ऋणदाता से जमीन, पशु या गाड़ी फिर किराये पर ले ली; इसके लिए उसे एक भाड़ा-पत्र लिखना पड़ता था, जिसमें यह लिखा होता था कि ये पशु और गाड़ियाँ उसकी अपनी नहीं हैं।

उत्तर 14. (i) सैनिकों को कम वेतन मिलता था तथा समय पर छुट्टियाँ भी नहीं मिलती थीं।

(ii) 1856 ई. में सैनिकों को अंग्रेजी सरकार द्वारा 'एनफील्ड राइफल्ज' दी गईं। ऐसी अफवाह थी कि इसके कारतूसों पर गाय और सुअर की चर्बी के खोल लगे हैं और इन्हें मुँह से खींचना होगा। इससे हिन्दू तथा मुस्लिम दोनों धर्मों के सैनिकों को धर्मभ्रष्ट होने का भय था।

उत्तर 15. गाँधीजी ने दक्षिण अफ्रीका की सरकार के रंग भेदभाव के विरोध में सत्याग्रह का सहारा लिया। उन्होंने वहाँ विभिन्न धर्मों के बीच सौहार्द बढ़ाने का प्रयास किया। गाँधीजी ने उच्च-जातीय भारतीयों से दलितों एवं महिलाओं के प्रति भेदभाव का व्यवहार न करने के लिए चेतावनी दी। वास्तव में दक्षिण अफ्रीका ही उनके सत्याग्रह की प्रथम पाठशाला बना तथा उसने ही उन्हें 'महात्मा' बना दिया।

खण्ड-स

उत्तर 16. (1) उपज बढ़ाने के लिए शासकों ने सिंचाई के प्रबन्ध किये। इससे राज्य की आय में भी वृद्धि होती थी। भूमि कर राज्य की आय का प्रमुख साधन था।

YouTube Channel PK Study Point 99

(2) कृषि लोगों के जीवन-निर्वाह का प्रमुख साधन था। इसलिए कृषि की उन्नति के लिए सिंचाई के साधनों का प्रबन्ध करना आवश्यक था।

(3) कुछ राजा प्रजावत्सल होते थे। अतः उन्होंने किसानों की भलाई के लिए सिंचाई का उत्तम प्रबन्ध किया।

अथवा का उत्तर

अभिलेखशास्त्रियों की प्रमुख समस्याएँ निम्नलिखित हैं—

(1) कभी-कभी अक्षरों को हल्के ढंग से उत्कीर्ण किया जाता है, जिन्हें पढ़ पाना कठिन होता है।

(2) अभिलेख नष्ट भी हो सकते हैं, जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं।

(3) अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना भी हमेशा आसान नहीं होता क्योंकि कुछ अर्थ किसी विशेष स्थान या समय से सम्बन्धित होते हैं।

(4) यद्यपि अभिलेख हजारों की संख्या में प्राप्त हुए हैं, परन्तु सभी के न तो अर्थ निकाले जा सके हैं और न ही उनके अनुवाद किए गए हैं।

उत्तर 17. नवीं से तेरहवीं शताब्दी में शक्तिशाली चोल सम्राटों ने ब्राह्मणीय तथा भक्ति परम्परा को समर्थन दिया तथा विष्णु एवं शिव के मन्दिरों के निर्माण के लिए भूमि-अनुदान दिए। चिदम्बरम्, तंजावुर तथा गंगैकोंडचोलपुरम् के विशाल शिव मन्दिर चोल सम्राटों की सहायता से ही बनाए गए। इसी काल में कांस्य में ढाली गई शिव की प्रतिमाओं का भी निर्माण हुआ। चोल सम्राटों ने तमिल भाषा के शैव भजनों का गायन मन्दिरों में प्रचलित किया। उन्होंने इन भजनों का संकलन एक ग्रन्थ के रूप में करवाया।

अथवा का उत्तर

समुदायों का वर्गीकरण लोगों के जन्म स्थान के आधार पर किया जाता था। इसे निम्न बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है—

(1) लोगों का वर्गीकरण उनके जन्म स्थान के आधार पर किया जाता था। तुर्की मुसलमानों को तुरुष्क कहा जाता था।

(2) तजाकिस्तान से आए लोगों को ताजिक और फारस के लोगों को पारसीक कहा जाता था।

(3) कभी-कभी तुर्क और अफगानों को शक और यवन (ग्रीक लोगों के लिए प्रयुक्त) भी कहा गया।

(4) प्रवासी समुदायों के लिए 'म्लेच्छ' शब्द का प्रयोग किया जाता था। वे लोग वर्ण-नियमों का पालन नहीं करते थे।

उत्तर 18. 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों से मुकाबला करने के लिए विद्रोहियों के पास न कोई सर्वमान्य नेता था और न ही कोई संगठन था। इसलिए विद्रोहियों ने ऐसे लोगों का नेतृत्व प्राप्त किया, जो अंग्रेजों से पहले नेताओं की भूमिका निभाते थे और जनता में बहुत लोकप्रिय थे।

1. दिल्ली में विद्रोहियों ने मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर से अपना नेतृत्व करने की दरख्वास्त की, जिसे बहादुरशाह ने ना-नुकर के बाद मजबूरी में नाममात्र का नेता बनना स्वीकार किया।

2. कानपुर में विद्रोहियों के दबाव के कारण नाना साहिब को नेतृत्व का आग्रह स्वीकार करना पड़ा।

3. झाँसी में रानी लक्ष्मीबाई तथा बिहार में आरा के स्थानीय जमींदार कुँवरसिंह को आम जनता के दबाव के कारण विद्रोह की बागडोर सम्भालनी पड़ी।

अथवा का उत्तर

विद्रोही योजनाबद्ध ढंग से काम कर रहे थे। हिन्दुओं और मुसलमानों को एकजुट होने के लिए हिन्दी, उर्दू तथा फारसी में अपीलें जारी की गईं। विभिन्न छावनियों के सिपाहियों के बीच अच्छा संचार बना हुआ था।

विद्रोह के दौरान अवध मिलिट्री पुलिस के कैप्टन हियर्से की सुरक्षा का दायित्व भारतीय सैनिकों पर था। जहाँ कैप्टन हियर्से तैनात था, वहीं 41वीं नेटिव इन्फेन्ट्री भी तैनात थी। इन्फेन्ट्री ने अवध मिलिट्री से आग्रह किया कि या तो हियर्से का वध करें या उसे बन्दी बनाकर 41वीं नेटिव इन्फेन्ट्री को सौंप दें। जब मिलिट्री पुलिस ने इन दोनों बातों को अस्वीकार कर दिया, तो इस मामले के समाधान के लिए हर रेजीमेन्ट के देशी अफसरों की एक पंचायत बुलाए जाने का निश्चय किया गया। ये पंचायतें रात को कानपुर सिपाही लाइन में जुटती थीं। इसका अर्थ यह है कि सामूहिक रूप से निर्णय होते थे।

उत्तर 19. **(1) गाँधीजी किसानों के उद्धारक के रूप में**—गाँधीजी किसानों में बहुत लोकप्रिय थे। वे गाँधीजी को 'गाँधी बाबा', 'गाँधी महाराज', 'सामान्य महात्मा' आदि नामों से पुकारते थे। गाँधीजी किसानों के लिए एक उद्धारक के समान थे जो उनको भू-राजस्व की ऊँची दरों और दमनकारी अधिकारियों से सुरक्षा करने वाले तथा उनके जीवन में मान-मर्यादा तथा स्वायत्तता वापस लाने वाले थे। गाँधीजी की सात्विक शैली तथा साधारण वेशभूषा किसानों को प्रभावित करती थी।

(2) प्रथम गोलमेज सम्मेलन—भारतीय संविधान पर विचार करने के लिये लन्दन में नवम्बर, 1930 में प्रथम गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। यह वह समय था जब भारत के प्रायः सभी प्रमुख नेता सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारण जेल में बन्द थे। इस सम्मेलन में प्रायः कुछ साम्प्रदायिक समस्याओं पर ही चर्चा हुई। इस सम्मेलन में दुर्भाग्य से कोई निर्णय नहीं लिया जा सका।

अथवा का उत्तर

(1) समाज सुधारक के रूप में गाँधीजी—गाँधीजी महान समाज सुधारक भी थे। उनका विश्वास था कि स्वतंत्रता के योग्य बनने के लिए भारतीयों को बाल-विवाह और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों से मुक्त होना पड़ेगा। उन्होंने हिन्दू-मुसलमानों के बीच सौहार्द पर बल दिया। उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और स्वदेशी के अपनाने तथा खादी पहनने पर बल दिया।

(2) तृतीय गोलमेज सम्मेलन—भारत में जिन दिनों सविनय अवज्ञा आन्दोलन चल रहा था, ब्रिटिश सरकार ने लंदन में तीसरा गोलमेज सम्मेलन बुलाया। परन्तु काँग्रेस पार्टी ने इसमें भाग नहीं लिया। सम्मेलन में लिए गए निर्णयों पर एक श्वेत पत्र प्रकाशित किया गया, फिर इसके आधार पर 1935 का गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट पास किया गया।

Youtube channel RK study point 99

खण्ड-द

उत्तर 20. मोहनजोदड़ो—एक नियोजित शहरी केन्द्र

मोहनजोदड़ो का निर्माण एक निश्चित योजना के अनुसार किया गया था। इसकी स्थापत्य विशेषताएँ निम्नलिखित थीं—

(1) नगर का दो भागों में विभाजित होना—मोहनजोदड़ो नगर एक नियोजित शहरी केन्द्र था। यह दो भागों में विभाजित था। इनमें से एक भाग छोटा था, जो ऊँचाई पर बनाया गया था तथा दूसरा भाग बड़ा था, जो निचले स्थल में बनाया गया था। छोटा भाग 'दुर्ग' कहलाता था तथा बड़ा भाग 'निचला शहर' कहलाता था। दुर्ग की संरचनाएँ कच्ची ईंटों के चबूतरों पर बनी थीं। दुर्ग दीवार से घिरा हुआ था।

(2) निचला शहर—निचला शहर भी दीवार से घेरा गया था। निचले शहर के अनेक भवनों को ऊँचे चबूतरों पर बनाया गया था, जो नींव का कार्य करते थे। इन भवनों के निर्माण में बहुत बड़े पैमाने पर मजदूरों की आवश्यकता पड़ी होगी। एक अनुमान लगाया गया है कि यदि एक श्रमिक प्रतिदिन एक घनीय मीटर मिट्टी ढोता होगा, तो केवल आधारों को बनाने के लिए ही चालीस लाख श्रम-दिवसों की आवश्यकता पड़ी होगी।

(3) नगर का नियोजन किया जाना—शहर का समस्त भवन-निर्माण कार्य चबूतरों पर एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित था। इससे ज्ञात होता है कि पहले मोहनजोदड़ो शहर का नियोजन किया गया था और फिर उसके अनुसार निर्माण कार्य किया गया था। नियोजन के अन्य लक्षणों में ईंटों का भी महत्त्व है। इन ईंटों को धूप में सुखाकर या भट्टी में पकाकर बनाया गया था। ये ईंटें निश्चित अनुपात की होती थीं।

अथवा का उत्तर

हड़प्पा सभ्यता के लोगों का सामाजिक जीवन

(1) समाज का वर्गीकरण—समाज में कई वर्ग थे—कुम्भकार, बढ़ई, सुनार, दस्तकार, जुलाहे, राजगीर आदि पेशेवर लोग रहे होंगे। सम्भवतः पुरोहितों का एक पृथक् वर्ग रहा होगा। राजकर्मचारियों एवं सेनाधिकारियों का भी एक विशिष्ट वर्ग रहा होगा।

(2) परिवार—हड़प्पा सभ्यता में पृथक्-पृथक् परिवार रहते थे। हड़प्पा समाज मातृसत्तात्मक था।

(3) भोजन—हड़प्पा निवासी कई प्रकार के पेड़-पौधों तथा जानवरों से भोजन प्राप्त करते थे। वे गेहूँ, जौ, चना, दाल, तिल, बाजरा, चावल आदि का सेवन करते थे। वे मांस, मछली तथा अण्डों का भी सेवन करते थे।

(4) वेशभूषा—हड़प्पावासी सूती तथा ऊनी वस्त्रों का प्रयोग करते थे। पुरुष प्रायः धोती तथा शाल का प्रयोग करते थे। स्त्रियाँ प्रायः घाघरे की तरह एक घेरदार वस्त्र का प्रयोग करती थीं।

(5) आभूषण—हड़प्पा के स्त्री और पुरुष दोनों ही आभूषण पहनने के शौकीन थे। स्त्री और पुरुष दोनों ही अँगूठी, कंगन, हार, भुजबन्द, कड़े आदि आभूषण

पहनते थे। आभूषण सोने, चाँदी, ताँबे, काँसे, हाथीदाँत, मनकों तथा विविध बहुमूल्य पत्थरों के बने होते थे।

(6) सौन्दर्य प्रसाधन—स्त्रियाँ बड़ी शृंगारप्रिय थीं तथा वे दर्पण, कंघी, काजल, सुरमा, सिन्दूर, इत्र, पाउडर, लिपस्टिक आदि का प्रयोग करती थीं।

(7) आमोद-प्रमोद के साधन—शिकार करना, शतरंज खेलना, संगीत-नृत्य में भाग लेना, जुआ खेलना, पशु-पक्षियों की लड़ाइयाँ आदि हड़प्पावासियों के मनोरंजन के साधन थे।

(8) मृतक संस्कार—हड़प्पा निवासी अपने मृतकों का अन्तिम संस्कार तीन प्रकार से करते थे— (i) पूर्ण समाधि, (ii) दाह-कर्म, (iii) आंशिक समाधि।

उत्तर 21. (1) संविधान सभा में हुई चर्चाओं का जनमत से प्रभावित होना—

(i) जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों के तर्क समाचार-पत्रों में छपते थे तथा समस्त प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी।

(ii) सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए देश की जनता के सुझाव भी आमन्त्रित किये जाते थे।

(iii) कई भाषायी अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की माँग करते थे।

(iv) धार्मिक अल्पसंख्यक अपने विशेष हित सुरक्षित करवाना चाहते थे और दलित जाति के लोग शोषण के अन्त की माँग करते हुए राजकीय संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।

(2) भारतीय संविधान की रूपरेखा—भारत के संविधान हेतु संविधान सभा का गठन 1946 ई. के कैबिनेट मिशन योजना के अन्तर्गत हुआ। इस संविधान सभा में 300 सदस्य थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को इस संविधान सभा का अध्यक्ष बनाया गया था। भारतीय संविधान को 9 दिसम्बर, 1946 से नवम्बर, 1949 के मध्य सूत्रबद्ध किया गया। संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए जिनमें 165 दिन बैठकों में गए। मूल संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद एवं 8 अनुसूचियाँ थीं जिनके बाद में कई संशोधन हो चुके हैं। यह विश्व का सबसे लम्बा संविधान है जो 26 जनवरी, 1950 को अस्तित्व में आया।

अथवा का उत्तर

इसमें कोई सन्देह नहीं है कि संविधान निर्माण से पूर्व के वर्ष भारत के लिए बहुत उथल-पुथल वाले थे। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित तर्क दिए जा सकते हैं—

(1) 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतन्त्र तो हो गया, परन्तु इसके साथ ही इसे दो भागों भारत व पाकिस्तान के रूप में विभाजित भी कर दिया गया।

(2) लोगों की याद में 1942 भारत छोड़ो आन्दोलन अभी भी जीवित था जो ब्रिटिश औपनिवेशिक राज्य के विरुद्ध सम्भवतः सबसे व्यापक जनान्दोलन था।

(3) विदेशी सहायता से सशस्त्र संघर्ष द्वारा स्वतन्त्रता पाने के लिए सुभाष चन्द्र बोस द्वारा किए गए प्रयत्न भी लोगों को याद थे।

(4) सन् 1946 में बम्बई व देश के अन्य शहरों में रॉयल्स इण्डिया नेवी (शाही भारतीय नौसेना) के सिपाहियों का विद्रोह भी लोगों को बार-बार आन्दोलित कर रहा था। लोगों की सहानुभूति इन सिपाहियों के साथ थी।

(5) 1940 के दशक के अन्तिम वर्षों में देश के विभिन्न भागों में किसानों व मजदूरों के आन्दोलन भी हो रहे थे।

(6) हिन्दू-मुस्लिम एकता विभिन्न जनान्दोलनों का एक महत्त्वपूर्ण पहलू था। इसके विपरीत कांग्रेस व मुस्लिम लीग दोनों ही मुख्य राजनीतिक दल धार्मिक सद्भावना और सामाजिक तालमेल स्थापित करने में सफल नहीं हो पा रहे थे।

(7) 16 अगस्त, 1946 को मुस्लिम लीग द्वारा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाने की घोषणा से कलकत्ता में हिंसा भड़क उठी।

(8) देश के भारत व पाकिस्तान के रूप में विभाजन की घोषणा के पश्चात् असंख्य लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने लगे। जिससे शरणार्थियों की समस्या खड़ी हो गई थी।

(9) 15 अगस्त, 1947 को स्वतन्त्रता दिवस पर आनन्द और उम्मीद का वातावरण था। लेकिन भारत के मुसलमानों व पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दुओं व सिखों के लिए यह एक निर्मम क्षण था। मुसलमान पूर्वी व पश्चिमी पाकिस्तान की ओर तो हिन्दू और सिख पश्चिमी बंगाल तथा पूर्वी पंजाब की ओर बढ़ रहे थे।

(10) नवजात राष्ट्र के समक्ष एक और समस्या देशी रियासतों को लेकर थी। ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के शासन काल के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप का लगभग एक-तिहाई भू-भाग ऐसे नवाबों और रजवाड़ों के नियन्त्रण में था जो ब्रिटिश ताज की अधीनता स्वीकार कर चुके थे।

उत्तर 22.

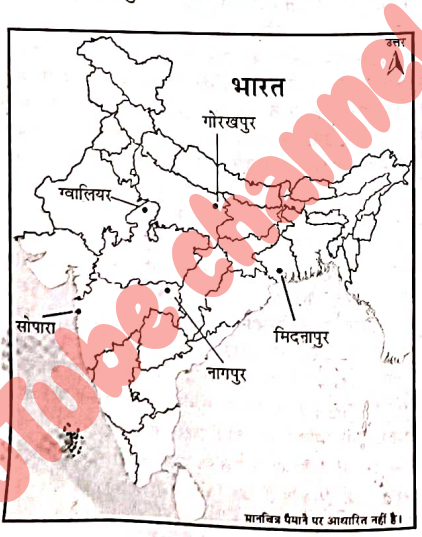

अथवा का उत्तर

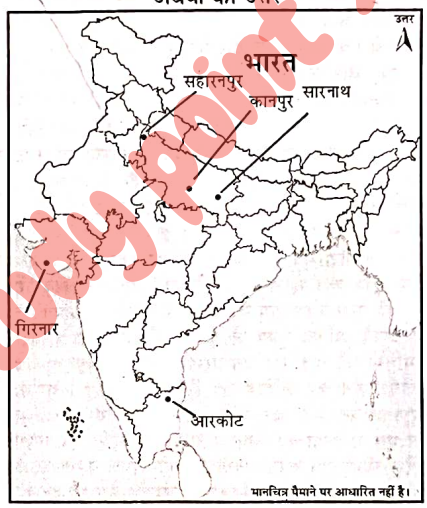

मॉडल पेपर-4

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(स)	(स)	(अ)	(द)	(स)	(अ)	(ब)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(स)	(ब)	(ब)	(स)	(स)	(स)	(द)

उत्तर 2. (i) राजगाह (ii) जाति (iii) वणिक (iv) अश्वमेध
(v) शिव (vi) तेलुगु (vii) खेतिहर किसान

उत्तर 3. (i) हड़प्पावासी ताँबा खेतड़ी (राजस्थान) और ओमान से तथा सोना दक्षिण भारत से मँगवाते थे।
(ii) यौधेय गणराज्यों ने।
(iii) मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियाँ पैतृक संपत्ति में हिस्सेदारी की माँग नहीं कर सकतीं।
(iv) गौतम तथा वशिष्ठ गोत्रों से।
(v) इसमें ऊँची प्रतिष्ठा वाले परिवारों की कम आयु की कन्याओं और स्त्रियों का जीवन सावधानी से नियंत्रित किया जाता था।

YouTube Channel RR study point 99

(vi) (1) पतंजलि का व्याकरण (2) गृहिलक्ष के कार्य।

(vii) विष्णु को।

(viii) ऊँचे एवं भव्य प्रवेश द्वार गोपुरम् कहलाते हैं।

(ix) गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर ने।

(x) जयपाल सिंह ने।

खण्ड-ब

उत्तर 4. ईसा पूर्व प्रथम सहस्राब्दि में जीवन के रहस्यों को समझने का प्रयास करने वाले विश्व के चार प्रमुख चिन्तक थे—

(1) भारत में महावीर व (2) बुद्ध

(3) यूनान में सुकरात तथा (4) ईरान में जरथुस्त्र।

उत्तर 5. महायान बौद्ध मत के विकास के बाद महात्मा बुद्ध की कल्पना धीरे-धीरे एक मुक्तिदाता के रूप में उभरने लगी। बोधिसत्त की अवधारणा भी पनपने लगी। बोधिसत्तों को परम करुणामय जीव माना गया जो कि अपने सत्कार्यों से पुण्य कमाते थे और अपने अर्जित पुण्य से दूसरों की सहायता करते थे। बुद्ध और बोधिसत्तों की मूर्तियों की पूजा महायान परम्परा का एक महत्त्वपूर्ण अंग बन गई।

उत्तर 6. जैन दर्शन का अहिंसा का सिद्धान्त आज भी पूर्णतः प्रासंगिक है क्योंकि शान्तिपूर्ण जीवन जीने का सभी प्राणियों को समान अधिकार है। अतः आपसी विश्वास एवं समानता का व्यवहार समाज में शांति एवं सद्भाव ला सकता है। जैन दर्शन पेड़-पौधों एवं कीट-पतंगों का भी पोषण करता है, अतः यह पौधों एवं जानवरों के संरक्षण और पारिस्थितिकी के संरक्षण हेतु भी आज अति प्रासंगिक है।

उत्तर 7. इब्नबतूता ने अपने यात्रा-वृत्तान्त में निम्न सभी गतिविधियों को सम्मिलित किया—इब्नबतूता दौलताबाद में गायकों के लिए निर्धारित बाजार, यहाँ की दुकानों, अन्य वस्तुओं, गायिकाओं द्वारा प्रस्तुत संगीत व नृत्य के कार्यक्रमों को देखकर अत्यधिक प्रभावित हुआ। अतः उसने इन गतिविधियों से अपने देशवासियों को परिचित कराने के लिए इन गतिविधियों को उजागर किया।

उत्तर 8. इब्नबतूता अपनी धुन का पक्का था। उसे यात्राएँ करने का बहुत शौक था। वह लम्बी यात्राओं के दौरान होने वाली कठिनाइयों से हतोत्साहित नहीं होता था। उसने उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका में अपने निवास स्थान मोरक्को जाने से पूर्व कई वर्ष उत्तरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, मध्य एशिया के भागों, भारतीय उपमहाद्वीप तथा चीन की यात्रा की थी। उसके वापिस लौटने पर मोरक्को के शासक ने उसकी कहानियों को दर्ज करने के निर्देश दिए।

उत्तर 9. अमर नायक के दो अधिकार—(1) अमर नायक अपने राज्य-क्षेत्र में किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापारियों से भू-राजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे।

(2) अमर नायक राजस्व का कुछ भाग व्यक्तिगत उपयोग तथा घोड़ों एवं हाथियों के निर्धारित दल के रख-रखाव के लिए अपने पास रख लेते थे।

उत्तर 10. गाँव की पंचायत बुजुर्गों की सभा होती थी। प्रायः वे गाँव के महत्त्वपूर्ण लोग हुआ करते थे जिनके पास अपनी सम्पत्ति के पैतृक अधिकार होते थे। जिन गाँवों में कई जातियों के लोग रहते थे, वहाँ प्रायः पंचायत में भी विविधता पाई

जाती थी। यह एक ऐसा अल्पतंत्र था, जिसमें गाँव के अलग-अलग सम्प्रदायों एवं जातियों का प्रतिनिधित्व होता था। पंचायत का निर्णय गाँव में सबको मानना पड़ता था।

उत्तर 11. सत्रहवीं सदी में भारत की यात्रा करने वाले फ्रांसीसी यात्री ज्याँ बैप्टिस्ट तैवर्नियर ने गाँवों में मुद्रा के प्रचलन के बारे में लिखा है कि, "भारत में वे गाँव बहुत ही छोटे कहे जायेंगे, जिनमें मुद्रा की फेरबदल करने वाले न हों। ये लोग सराफ कहलाते थे। एक बैंकर की भाँति सराफ हवाला भुगतान करते थे और अपनी इच्छा के अनुसार पैसे के मुकाबले रुपयों की कीमत तथा कौड़ियों के मुकाबले पैसों की कीमत बढ़ा देते थे।"

उत्तर 12. (i) संथालों को यह ज्ञात हो गया कि उन्होंने जिस भूमि पर खेती करना शुरू किया था वह उनके हाथों से निकलती जा रही है।

(ii) संथालों ने जिस जमीन पर खेती शुरू की थी, उस पर सरकार ने भारी कर लगा दिया था।

(iii) साहूकारों ने बहुत ऊँची दर पर ब्याज लगा दिया था और कर्जा अदा न करने पर उनकी जमीन पर कब्जा कर लेते थे।

(iv) जमींदार लोग संथालों की भूमि पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

उत्तर 13. राजकीय प्रतिवेदन सरकार की दृष्टि से तैयार किये जाते हैं जो पूरी तरह विश्वसनीय नहीं होते हैं अतः इन्हें सावधानीपूर्वक पढ़ा जाना चाहिए। इनका प्रयोग करने से पहले समाचार-पत्रों, गैर-राजकीय वृत्तान्तों, वैधानिक अभिलेखों एवं मौखिक स्रोतों से संकलित साक्ष्य के साथ उनका मिलान करके उनकी विश्वसनीयता का सत्यापन करना आवश्यक है।

उत्तर 14. (1) क्रान्तिकारी नेताओं को ऐसे नायकों के रूप में चित्रित किया जाता था जो देश को युद्ध-स्थल की ओर ले जा रहे हैं। उन्हें लोगों को दमनकारी ब्रिटिश शासन के विरुद्ध उत्तेजित करते हुए चित्रित किया जाता था।

(2) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य का गौरवगान करने वाली कविताएँ लिखी गईं। सुभद्रा कुमारी चौहान की कविता "खूब लड़ी मर्दानी, वो तो झाँसी वाली रानी थी" अमर हो गई।

उत्तर 15. 1937 में सीमित मताधिकार के आधार पर हुए चुनावों में काँग्रेस को 11 में से 8 प्रांतों में सरकारें बनीं। सितम्बर, 1939 में दूसरा विश्व युद्ध शुरू हो गया। महात्मा गाँधी और जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि अगर अंग्रेज युद्ध की समाप्ति पर स्वतंत्रता देने को राजी हों तो काँग्रेस उनके युद्ध प्रयासों में सहायता दे सकती है। सरकार ने काँग्रेस का प्रस्ताव खारिज कर दिया। इसके विरोध में काँग्रेस मंत्रिमण्डलों ने अक्टूबर, 1939 में इस्तीफा दे दिया।

खण्ड-स

उत्तर 16. आरम्भिक ऐतिहासिक नगरों में शिल्पकला के उत्पादन के प्रमाण—(1) लगभग छठी शताब्दी ई. पूर्व में भारत में अनेक नगरों का उदय हुआ। इन नगरों में उत्कृष्ट श्रेणी के मिट्टी के कटोरे और थालियाँ मिली हैं जिन पर चमकदार कलई चढ़ी है। इन्हें 'उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र' कहा जाता है।

YouTube channel RK Study point 99

(2) यहाँ से सोने, चाँदी, काँस्य, ताँबे, हाथीदाँत, शीशे के बने गहनों, उपकरणों, हथियारों, बर्तनों, सीप और पक्की मिट्टी आदि के प्रमाण मिले हैं।

(3) दानात्मक अभिलेखों से ज्ञात होता है कि इन नगरों में बुनकर, लिपिक, बढ़ई, कुम्हार, स्वर्णकार, लौहकार आदि शिल्पकार रहते थे। लौहकार लोहे का सामान बनाते थे।

(4) नगरों में उत्पादकों एवं व्यापारियों के संघ बने हुए थे जिन्हें 'श्रेणी' कहा जाता था। ये श्रेणियाँ पहले कच्चा माल खरीदती थीं तथा फिर उनसे सामान तैयार कर बाजारों में बेच देती थीं।

अथवा का उत्तर

महाजनपदों के विशिष्ट अभिलक्षण निम्नलिखित थे—

(1) अधिकांश महाजनपदों पर राजा का शासन होता था। परन्तु गण और संघ के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में कई लोगों का समूह शासन करता था। इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था।

(2) प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी जिसे प्राय: किले से घेरा जाता था।

(3) लगभग छठी शताब्दी ई. पूर्व से संस्कृत में ब्राह्मणों द्वारा रचित धर्मशास्त्रों में शासकों तथा अन्य लोगों के लिए नियम निर्धारित किये गए और यह अपेक्षा की जाती थी कि शासक क्षत्रिय वर्ग से ही होंगे।

(4) किसानों, व्यापारियों और शिल्पकारों से कर तथा भेंट वसूलना शासक का कर्तव्य माना जाता था।

(5) पड़ोसी राज्यों पर आक्रमण करके धन इकट्ठा करना भी एक वैध उपाय माना जाता था।

(6) धीरे-धीरे कुछ राज्यों ने अपनी स्थायी सेनाएँ और नौकरशाही तन्त्र संगठित कर लिया।

उत्तर 17. प्रारम्भिक भक्ति परम्परा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(1) अनेक बार सन्त कवि ऐसे नेता के रूप में उभरे जिनके आस-पास भक्तजनों का एक पूरा समुदाय गठित हो गया था।

(2) यद्यपि अनेक भक्ति परम्पराओं में ब्राह्मण, देवताओं और भक्तजनों के बीच महत्त्वपूर्ण बिचौलिए बने रहे, फिर भी इन परम्पराओं ने स्त्रियों और निम्न वर्गों को भी स्वीकृति और स्थान प्रदान किया।

(3) भक्ति परम्परा की एक अन्य विशेषता इसकी विविधता है।

(4) इस काल में सगुण (विशेषण सहित) तथा निर्गुण (विशेषण रहित) परम्पराएँ प्रचलित थीं।

अथवा का उत्तर

मध्यकालीन भारत में धार्मिक क्षेत्र में निम्न प्रकार के नए परिवर्तन हो रहे थे–

(1) इस युग में नाथ, जोगी तथा सिद्ध आदि धार्मिक नेताओं का प्रभाव बढ़ रहा था। ये लोग रूढ़िवादी ब्राह्मणीय व्यवस्था के विरोधी थे। इनमें बहुत से लोग शिल्पी समुदाय के थे जिनमें जुलाहे सम्मिलित थे।

(2) अनेक नवीन धार्मिक नेताओं ने वेदों की सत्ता को चुनौती दी और अपने विचार आम लोगों की भाषा में प्रस्तुत किये।

(3) इस युग में दिल्ली सल्तनत की स्थापना हुई जिससे राजपूत राज्यों तथा ब्राह्मणों का पराभव हुआ।

(4) इन परिवर्तनों का प्रभाव संस्कृति और धर्म पर भी पड़ा। इस युग में सूफी मत का उदय हुआ।

उत्तर 18. कानपुर में सैनिकों और शहर के लोगों ने पेशवा बाजीराव द्वितीय के उत्तराधिकारी नाना साहिब को विद्रोह का नेतृत्व सम्भालने के लिए बाध्य किया। झांसी में भी रानी लक्ष्मी बाई को जनता के दबाव में विद्रोह की बागडोर सम्भालनी पड़ी। कुछ ऐसी ही स्थिति बिहार में आरा के स्थानीय जमींदार कुँवर सिंह की थी। लखनऊ में ब्रिटिश राज की समाप्ति की सूचना पर लोगों ने नवाब वाजिद अली शाह के युवा पुत्र बिरजिस कद्र को अपना नेता घोषित कर दिया था।

अथवा का उत्तर

सन् 1798 में लॉर्ड वेलेजली ने देशी शासकों पर कम्पनी का नियंत्रण स्थापित करने हेतु सहायक संधि लागू की। इसकी शर्तें निम्न प्रकार थीं—

(1) देशी शासक को अपने खर्चे पर एक अंग्रेजी सेना अपने राज्य में रखनी होगी।

(2) बिना अंग्रेजों की अनुमति के वह देशी शासक किसी अन्य राज्य से न तो संधि करेगा और न ही युद्ध करेगा।

(3) बदले में अंग्रेज उस शासक की आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियों से रक्षा करेंगे।

उत्तर 19. 1920 ई. के कलकत्ता अधिवेशन में महात्मा गाँधी के प्रस्ताव 'असहयोग आन्दोलन' से भारतवासियों को अत्यधिक आशाएँ थीं। इसे हम निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से समझ सकते हैं—

(1) विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से देशी वस्तुओं को बढ़ावा मिलेगा। (2) सरकारी उत्सवों का बहिष्कार कर देशी उत्सवों को प्रोत्साहन तथा पुन: प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। (3) साम्प्रदायिक रूप से हिन्दू तथा मुस्लिमों में एकता स्थापित होगी। (4) राष्ट्र को एकता के सूत्र में बाँधने तथा राष्ट्रवाद को बढ़ाने में सहायता प्राप्त होगी। (5) इस आन्दोलन से विभिन्न भारतीय नेताओं को एक मंच अवश्य प्राप्त होगा।

अथवा का उत्तर

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन को भली-भाँति समझने के लिए अखबार बहुत ही महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं, क्योंकि—

(1) अखबार जनसंचार का अच्छा माध्यम हैं और विशेषकर शिक्षित समुदाय पर अपना व्यापक प्रभाव डालते हैं। प्रबुद्ध जनता लेखकों, कवियों, पत्रकारों, विचारकों तथा साहित्यकारों से अधिक प्रभावित होती है।

(2) समाचार-पत्र जनमत का निर्माण करने के साथ जनता की अभिव्यक्ति को भी बताते हैं।

(3) यह सरकार और सरकारी अधिकारियों और आम लोगों में विचारों और समस्या के विषय में जानकारी देते हैं तथा कार्य में क्या प्रगति हो रही है तथा कौन-से कार्य या क्षेत्र उपेक्षित हैं, उनकी जानकारी प्रदान करते हैं।

(4) राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान अखबार जिन लोगों द्वारा पढ़े जाते थे वे देश में घटित घटनाओं, नेतागणों और अन्य लोगों की गतिविधियों तथा विचारों को जानते थे।

YouTube Channel RK tutor point 99

खण्ड-द

उत्तर 20. हड़प्पा सभ्यता की कलाओं की विशेषताएँ

(1) मूर्तिकला–हड़प्पावासी मूर्तिकला में बड़े निपुण थे। मूर्तियाँ मिट्टी, पत्थर, सोना, चाँदी, पीतल, ताँबा, कांस्य आदि की बनाई जाती थीं। मोहनजोदड़ो से प्राप्त काँसे की बनी हुई एक नर्तकी की मूर्ति अत्यन्त सुन्दर और सजीव है। इस मूर्ति में नारी अंगों का न्यास सुन्दर रूप से हुआ है।

(2) मुहर निर्माण कला–मुहर सम्भवतः हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है। सेलखड़ी नामक पत्थर से बनाई गई इन मुहरों पर सामान्य रूप से जानवरों के चित्र तथा हड़प्पा लिपि में लेख मिलते हैं। इन मुहरों का प्रयोग पत्र अथवा पार्सल पर छाप लगाने के लिए किया जाता था। हड़प्पा, मोहनजोदड़ो तथा लोथल से विशाल संख्या में मुहरें मिली हैं। अधिकांश मुहरें सेलखड़ी पत्थर से बनी हुई हैं। कुछ मुहरें फयॉन्स (काँचली मिट्टी), गोमेद, चर्ट और मिट्टी की भी हैं।

(3) चित्रकला–खुदाई में अनेक बर्तन तथा मुहरें मिली हैं जिन पर चित्र अंकित हैं। ये चित्र बड़े सुन्दर और सजीव हैं। इनमें सांड तथा बैल के चित्र विशेष रूप से बड़े आकर्षक हैं।

(4) मिट्टी के बर्तन बनाने की कला–मिट्टी के बर्तन कुम्हार के चाक पर बनाए जाते थे तथा उन्हें भट्टियों पर पकाया जाता था।

(5) धातुकला–हड़प्पावासी सोना, चाँदी आदि के सुन्दर आभूषण बनाते थे। ये लोग धातुओं की मूर्तियाँ भी बनाते थे। धातुओं के बर्तनों पर नक्काशी भी की जाती थी।

(6) लेखन कला–हड़प्पा सभ्यता लिपि रहस्यमय बनी हुई है क्योंकि यह आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है। विद्वानों के अनुसार निश्चित रूप से हड़प्पा लिपि वर्णमालीय नहीं थी क्योंकि इसमें चिह्नों की संख्या लगभग 375 से 400 के बीच है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह लिपि दायीं से बायीं ओर लिखी जाती थी।

अथवा का उत्तर

हड़प्पा सभ्यता का अंत

(1) विकसित हड़प्पा स्थलों का त्याग–उपलब्ध साक्ष्यों से ज्ञात होता है कि लगभग 1800 ई.पूर्व तक चोलिस्तान जैसे क्षेत्रों में अधिकांश विकसित हड़प्पा-स्थलों को त्याग दिया गया था। दूसरी ओर गुजरात, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नयी बस्तियों में आबादी में वृद्धि होने लगी थी।

(2) भौतिक संस्कृति में परिवर्तन–विद्वानों के अनुसार उत्तर हड़प्पा के क्षेत्र 1900 ई.पूर्व के पश्चात् भी अस्तित्व में रहे। कुछ चुने हुए हड़प्पा स्थलों की भौतिक संस्कृति में बदलाव आया था जैसे हड़प्पा सभ्यता की विशिष्ट पुरावस्तुओं-बाटों, मुहरों तथा विशिष्ट मनकों का समाप्त हो जाना। लेखन, लम्बी दूरी का व्यापार तथा शिल्प-विशेषज्ञता भी समाप्त हो गई। प्रायः थोड़े सामान के निर्माण के लिए थोड़ा ही माल प्रयुक्त किया जाता था। इसके अतिरिक्त भवन निर्माण की तकनीकों का अन्त हुआ और बड़ी सार्वजनिक संरचनाओं का निर्माण अब बन्द हो गया।

इस प्रकार पुरावस्तुएँ तथा बस्तियाँ इन संस्कृतियों में एक ग्रामीण जीवन शैली को उजागर करती हैं। इन संस्कृतियों को 'उत्तर हड़प्पा' अथवा 'अनुवर्ती संस्कृतियों' की संज्ञा दी गई।

(3) हड़प्पा संस्कृति के अन्त होने के कारण–विद्वानों के अनुसार हड़प्पा संस्कृति के अन्त होने के सम्भावित कारण निम्नलिखित थे-

(i) जलवायु परिवर्तन–सिन्धु नदी के मार्ग बदलने से अनेक बस्तियाँ उजड़ गईं तथा हड़प्पा-संस्कृति का अन्त हो गया।

(ii) वनों की कटाई–वनों की कटाई से हड़प्पा सभ्यता के क्षेत्र के जंगल तथा वन नष्ट हो गए और भूमि में नमी की कमी हो गई।

(iii) अत्यधिक बाढ़–सिन्धु नदी की अत्यधिक बाढ़ें भी हड़प्पा की सभ्यता के अन्त के लिए उत्तरदायी थीं।

(iv) नदियों का मार्ग परिवर्तन–कुछ विद्वानों के अनुसार घग्घर तथा उसकी सहायक नदियों का मार्ग परिवर्तन उस क्षेत्र में सभ्यता के विनाश का एक प्रमुख कारण था।

(v) सुदृढ़ एकीकरण के तत्त्वों का अभाव–कुछ विद्वानों का मत है कि सुदृढ़ एकीकरण के तत्त्वों के अभाव में हड़प्पा सभ्यता का अन्त हो गया था।

उत्तर 21. व्यापक सहमति वाले महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण—संविधान के कुछ ऐसे महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण हैं, जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी। यथा—

(1) वयस्क मताधिकार—संविधान का एक केन्द्रीय अभिलक्षण वयस्क मताधिकार है। इस पर संविधान सभा में प्रायः आम सहमति थी। यह सहमति प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देने पर थी। इसके पीछे एक खास किस्म का भरोसा था जिसके पूर्व उदाहरण अन्य देश के इतिहास में नहीं थे। दूसरे लोकतंत्रों में पूर्ण वयस्क मताधिकार धीरे-धीरे कई चरणों से गुजरते हुए, लोगों को मिला। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में शुरू-शुरू में मताधिकार केवल सम्पत्ति रखने वाले पुरुषों को ही दिया गया, फिर पढ़े-लिखे पुरुषों को इस विशेष वर्ग में शामिल किया गया। लम्बे व कटु संघर्षों के बाद श्रमिक व किसान वर्ग के पुरुषों को मताधिकार मिल पाया। ऐसा अधिकार पाने के लिए महिलाओं को और भी लम्बा संघर्ष करना पड़ा।

(2) धर्मनिरपेक्षता पर बल—हमारे संविधान का दूसरा महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण था—धर्मनिरपेक्षता पर बल। संविधान की **प्रस्तावना में** धर्मनिरपेक्षता के गुण तो नहीं गाए गए थे परन्तु संविधान व समाज को चलाने के लिए भारतीय सन्दर्भों में उसके मुख्य अभिलक्षणों का जिक्र आदर्श रूप में किया गया था। ऐसा **मूल अधिकारों की शृंखला** को रचने के जरिये किया गया, विशेषकर 'धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार' (अनुच्छेद 25-28), 'सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार' (अनुच्छेद 29-30) एवं 'समानता का अधिकार' (अनुच्छेद 14, 16, 17)। यथा—

(1) राज्य ने सभी धर्मों के प्रति समान व्यवहार की गारन्टी दी और उन्हें हितैषी संस्थाएँ बनाने का अधिकार भी दिया।

(2) राज्य ने अपने आपको विभिन्न धार्मिक समुदायों से दूर रखने की कोशिश की और सरकारी स्कूलों व कॉलेजों में अनिवार्य धार्मिक शिक्षा पर रोक लगा दी।

(3) सरकार ने रोजगार में धार्मिक भेदभाव को अवैध ठहराया।

(4) राज्य धार्मिक समुदायों से जुड़े सामाजिक सुधार कार्यक्रमों के लिए अवश्य कुछ कानूनी गुंजाइश अर्थात् राज्य ने उसमें दखल देने की गुंजाइश रखी। ऐसा करके

ही अस्पृश्यता पर कानूनी रोक लग पायी और इसी कारण व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कानूनों में परिवर्तन हो पाये।

(5) भारतीय राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता में राज्य व धर्म के बीच पूर्ण विच्छेद नहीं रहा। संविधान सभा ने इन दोनों के बीच एक विवेकपूर्ण फासला बनाने की कोशिश की है।

अथवा का उत्तर

दमित समूहों (जातियों) की सुरक्षा के लिए बहुत सारे दावे किये गए जो निम्नानुसार हैं—

(1) पृथक् निर्वाचिका की माँग—राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने दमित या दलित जातियों के लिए पृथक् निर्वाचिका की माँग की थी जिसका गाँधीजी ने यह कहते हुए विरोध किया था कि ऐसा करने से यह समुदाय स्थायी रूप से कट जाएगा।

(2) संरक्षण और बचाव—संविधान सभा में मौजूद दमित जातियों के सदस्यों का आग्रह था कि अस्पृश्यों (अछूतों) की समस्या को केवल संरक्षण और बचाव के द्वारा हल नहीं किया जा सकता। उनकी अपंगता के पीछे जाति विभाजित समाज के सामाजिक कायदे-कानूनों और नैतिक मूल्य-मान्यताओं का हाथ है। समाज ने उनकी सेवाओं और श्रम का इस्तेमाल किया है परन्तु उन्हें सामाजिक तौर पर स्वयं से दूर रखा है, अन्य जातियों के लोग उनके साथ घुलने-मिलने से कतराते हैं, उनके साथ भोजन नहीं करते और उन्हें मन्दिरों में प्रवेश से रोका जाता है।

(3) कष्ट उठाने को तैयार नहीं—मद्रास के सदस्य **जे. नागप्पा** ने कहा था, "हम सदा कष्ट उठाते रहे हैं पर अब और कष्ट उठाने को तैयार नहीं हैं। हमें अपनी जिम्मेदारियों का एहसास हो गया है, हमें मालूम है कि अपनी बात कैसे मनवानी है।" नागप्पा ने दूसरा तर्क दिया कि हरिजन अल्पसंख्यक नहीं हैं। आबादी में उनका हिस्सा 20-25 प्रतिशत है। उनकी पीड़ा का कारण यह है कि उन्हें बाकायदा समाज व राजनीति के हाशिए पर रखा गया है। उसका कारण उनकी संख्यात्मक महत्वहीनता नहीं है। उनके पास न तो शिक्षा तक पहुँच थी और न ही शासन में हिस्सेदारी।

(4) हजारों साल तक दमन—मध्य प्रान्त के सदस्य **के.जे. खांडेलकर** ने कहा था "हमें हजारों साल तक दबाया गया है। ... इस हद तक दबाया गया कि हमारे दिमाग, हमारी देह काम नहीं करती और अब हमारा हृदय भी भावशून्य हो चुका है। न ही हम आगे बढ़ने लायक रह गए हैं। यही हमारी स्थिति है।"

(5) अस्पृश्यता का उन्मूलन—भारत को स्वतंत्रता मिलने तथा देश के विभाजन के बाद डॉ. अम्बेडकर ने दमित वर्ग के लिए पृथक् निर्वाचिका की माँग छोड़ दी थी। उन्होंने संविधान के द्वारा अस्पृश्यता उन्मूलन किए जाने और मन्दिरों के द्वार सभी के लिए खोल दिए जाने व तथाकथित निम्न जाति कहे जाने वालों के लिए विधायिकाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिए जाने का समर्थन किया। बहुत सारे लोगों का मानना था कि इससे भी समस्त समस्याओं का समाधान नहीं हो सकेगा। सामाजिक भेदभाव को केवल संवैधानिक कानून पारित करके समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। परन्तु लोकतान्त्रिक जनता ने इन प्रावधानों का स्वागत किया।

उत्तर 22.

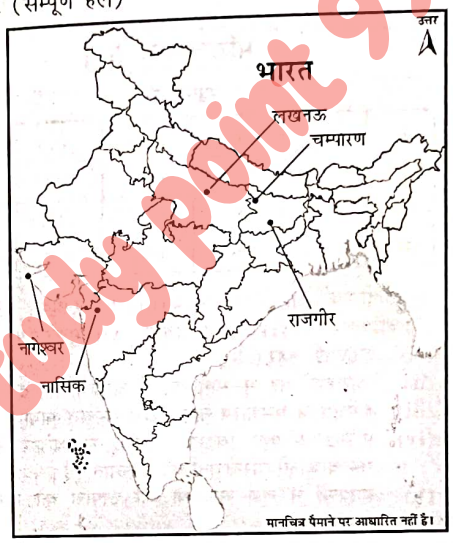

अथवा का उत्तर

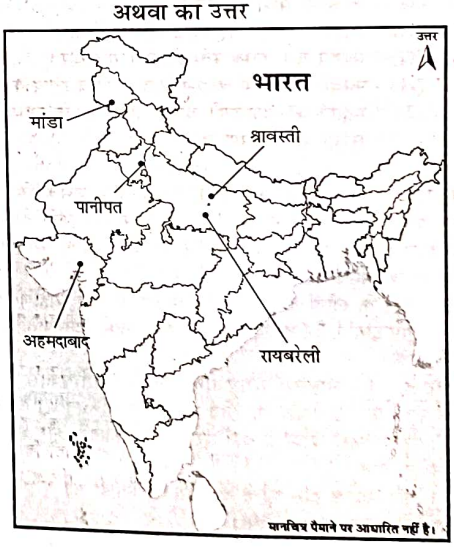

YouTube channel : RK study point 99

मॉडल पेपर-5

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(द)	(स)	(ब)	(ब)	(ब)	(ब)	(ब)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(स)	(अ)	(अ)	(ब)	(अ)	(ब)	(द)

उत्तर 2. (i) ओलीगार्की (ii) पितृवंशिकता (iii) वृहदारण्यक (iv) अभिधम्म (v) तांत्रिक (vi) देवराय द्वितीय (vii) मुकद्दम

उत्तर 3. (i) हड़प्पाई मुहर।
(ii) 'अग्रहार' वह भू-भाग था, जो ब्राह्मणों को दान किया जाता था।
(iii) धर्मसूत्र व धर्मशास्त्र नामक ग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखा गया है।
(iv) प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी.एस. सुकथांकर के नेतृत्व में इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत हुई।
(v) ब्राह्मणों ने वर्ण-व्यवस्था की उत्पत्ति को एक दैवीय व्यवस्था वतलाया।
(vi) फ्रांसीसी यात्री बर्नियर ने।
(vii) कांस्य में ढाली गई शिव प्रतिमाओं का।
(viii) मण्डप तथा लम्बे स्तम्भों वाले गलियारे।
(ix) फरवरी, 1916 में वनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में।
(x) मद्रास की दक्षायणी वेलायुधान देश के कमजोर वर्ग हेतु नैतिक सुरक्षा का आवरण चाहती थी।

खण्ड-ब

उत्तर 4. (1) मालिक को अपने नौकरों और कर्मचारियों की पाँच प्रकार से देखभाल करनी चाहिए-उनकी क्षमता के अनुसार उन्हें काम देकर, उन्हें भोजन और मजदूरी देकर, वीमार पड़ने पर उनकी परिचर्या करने, उनके साथ स्वादिष्ट भोजन वाँट कर और समय-समय पर उन्हें छुट्टी देकर।

(2) कुल के लोगों को पाँच तरह से श्रमणों और ब्राह्मणों की देखभाल करनी चाहिए-अनुराग द्वारा, सदैव घर खुले रखकर तथा उनकी दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताओं की पूर्ति करके।

उत्तर 5. (1) शाहजहाँ वेगम तथा उनकी उत्तराधिकारी सुल्तानजहाँ वेगम ने साँची के स्तूप के रख-रखाव के लिए प्रचुर धन का अनुदान किया।

(2) सुल्तानजहाँ वेगम ने वहाँ पर एक संग्रहालय और अतिथिशाला वनाने के लिए अनुदान दिया।

(3) जॉन मार्शल द्वारा साँची के स्तूप पर लिखी गई पुस्तक के प्रकाशन में भी सुल्तानजहाँ वेगम ने अनुदान दिया।

(4) साँची के स्तूप को भोपाल राज्य में बनाए रखने में शाहजहाँ बेगम ने योगदान दिया।

उत्तर 6. जब बौद्ध धर्म पूर्वी एशिया में फैल गया तब फा-शिएन और श्वेन-त्सांग जैसे चीनी यात्री बौद्ध ग्रन्थों की खोज में भारत आए। ये पुस्तकें वे अपने देश ले गए, जहाँ विद्वानों ने इनका अनुवाद किया। भारत के बौद्ध शिक्षक भी अनेक देशों में गए। बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करने हेतु वे कई ग्रन्थ अपने साथ ले गए। कई सदियों तक ये पाण्डुलिपियाँ एशिया के विभिन्न देशों में स्थित बौद्ध-विहारों में संरक्षित थीं।

उत्तर 7. वर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ता था—

(1) विशाल ग्रामीण अंचलों की भूमियाँ रेतीली या बंजर, पथरीली थीं।
(2) यहाँ की खेती अच्छी नहीं थी।
(3) कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा भाग भी श्रमिकों के अभाव में कृषि-विहीन रह जाता था।
(4) गवर्नरों द्वारा किए गए अत्याचारों के कारण अनेक श्रमिक मर जाते थे।

उत्तर 8. आठवीं शताब्दी से ही संस्कृत में रचित खगोल-विज्ञान, गणित और चिकित्सा सम्बन्धी कार्यों का अरबी भाषा में अनुवाद होने लगा था। पंजाब के गजनवी साम्राज्य का भाग बन जाने के पश्चात् स्थानीय लोगों से हुए सम्पर्कों से आपसी विश्वास और समझ का वातावरण बना। अल-बिरूनी ने ब्राह्मण पुरोहितों तथा विद्वानों के साथ कई वर्ष व्यतीत किए और संस्कृत, धर्म तथा दर्शन का ज्ञान प्राप्त किया जिससे अल-बिरूनी की भारत के प्रति रुचि विकसित हुई।

उत्तर 9. गोपुरम मन्दिर-स्थापत्य की एक उल्लेखनीय विशेषता थी। विजयनगर के शासकों ने मन्दिरों में विशाल गोपुरम अथवा प्रवेश द्वार बनवाये। 'राय गोपुरम' अथवा राजकीय प्रवेश द्वार के सामने प्रायः केन्द्रीय देवालयों की मीनारें बहुत छोटी प्रतीत होती थीं। इन्हें देखकर लम्बी दूरी से ही मन्दिर के होने का संकेत मिल जाता था।

उत्तर 10. 18वीं शताब्दी में बंगाल में जमींदार लोहारों, बढ़ई व सुनारों जैसे ग्रामीण दस्तकारों को उनकी सेवाओं के बदले दैनिक भत्ता तथा खाने के लिए नकदी देते थे। इस व्यवस्था को जजमानी व्यवस्था कहा जाता था। यद्यपि यह प्रथा सोलहवीं व सत्रहवीं शताब्दी में अधिक प्रचलित नहीं थी।

उत्तर 11. अकबर के समय कणकुत प्रणाली राजस्व निर्धारण की एक प्रणाली थी। हिन्दी में 'कण' का अर्थ है 'अनाज' और कुत का अर्थ है 'अनुमान'। इसके अनुसार फसल को तीन अलग-अलग पुलिन्दों में काटा जाता था-(1) अच्छा (2) मध्यम (3) खराव। इस प्रकार सन्देह दूर किया जाना चाहिए। प्रायः अनुमान से किया गया जमीन का आकलन भी पर्याप्त रूप से सही परिणाम देता था।

उत्तर 12. पहाड़िया लोग झूम खेती करते थे और अपनी कुदाल से जमीन खुरच कर दालें तथा ज्वार-बाजरा उगाते थे। दूसरी ओर संथाल लोग जंगलों को साफ करके हलों से जमीन जोतते थे तथा चावल, कपास आदि की खेती करते थे। इससे पहाड़िया लोगों को राजमहल की पहाड़ियों में पीछे हटना पड़ा। एक ओर कुदाल पहाड़िया लोगों के जीवन का प्रतीक था, तो दूसरी ओर हल संथालों के जीवन का प्रतीक था और दोनों के बीच लड़ाई हल और कुदाल के बीच लड़ाई थी।

YouTube Channel PK study point 99

उत्तर 13. 1797 में बर्दवान के राजा की कई सम्पदाएँ नीलाम की गईं। बर्दवान के राजा पर ईस्ट इण्डिया कम्पनी के राजस्व की बड़ी रकम बकाया हो गई थी इसलिए उसकी सम्पदा नीलाम की गई। खरीददारों में जिसने सबसे ऊँची बोली लगाई, उसको जमींदारी बेच दी गई। लेकिन यह खरीददारी फर्जी थी क्योंकि बोली लगाने वालों में 95% लोग राजा के एजेन्ट ही थे।

उत्तर 14. सहायक सन्धि के कारण अवध का नवाब वाजिद अली शाह अपनी सैनिक शक्ति से वंचित हो गया फलस्वरूप वह अपनी रियासत में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-प्रतिदिन अंग्रेजों पर निर्भर होता जा रहा था। नवाब का विद्रोही मुखियाओं एवं ताल्लुकदारों पर भी कोई नियन्त्रण न रहा था।

उत्तर 15. क्रिप्स मिशन मार्च, 1942 में भारत आया। सर स्टेफर्ड क्रिप्स के साथ वार्ता में कांग्रेस ने इस बात पर बल दिया कि यदि धुरी शक्तियों के विरुद्ध ब्रिटेन कांग्रेस का समर्थन चाहता है तो उसे व्यवसाय की कार्यकारी परिषद में किसी भारतीय को रक्षा सदस्य नियुक्त करना होगा। ब्रिटिश सरकार द्वारा असहमति देने पर यह वार्ता टूट गयी।

खण्ड-स

उत्तर 16. पाटलिपुत्र का विकास पाटलिग्राम नामक एक गाँव से हुआ। पाँचवीं सदी ई. पूर्व में मगध शासकों ने अपनी राजधानी राजगाह (राजगीर) से हटाकर इसे बस्ती में लाने का निर्णय किया और इसका नाम पाटलिपुत्र रखा। चौथी शताब्दी ई. पूर्व तक पाटलिपुत्र मौर्य साम्राज्य की राजधानी और एशिया के सबसे बड़े नगरों में से एक बन गया। कालान्तर में इसका महत्त्व कम हो गया। जब सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग यहाँ आया, तो उसे यह नगर खंडहर में परिवर्तित मिला।

अथवा का उत्तर

(1) व्यापार में विनिमय कुछ सीमा तक आसान हो गया।

(2) बहुमूल्य वस्तुओं तथा भारी मात्रा में अन्य वस्तुओं का विनिमय किया जाता था।

(3) दक्षिण भारत में अनेक रोमन सिक्कों के प्राप्त होने से पता चलता है कि दक्षिण भारत के रोमन साम्राज्य से व्यापारिक सम्बन्ध थे।

(4) गुप्तकाल में सिक्कों के माध्यम से व्यापार-विनिमय करने में आसानी होती थी जिससे राजाओं को भी लाभ होता था।

(5) यौधेय गणराज्यों ने भी सिक्के चलाए।

उत्तर 17. सूफी संतों की लोकप्रियता के कारण–

(i) सूफी संत एक ईश्वर में विश्वास रखते थे।

(ii) सूफी संत मानव सेवा एवं समानता पर बल देते थे।

(iii) सूफी संतों की धर्मनिष्ठा, विद्वत्ता और लोगों द्वारा उनकी चमत्कारी शक्ति में विश्वास था।

(iv) सूफी सन्तों ने धर्मान्धता, धार्मिक कट्टरता का विरोध किया और हिन्दू-मुसलमानों में एकता तथा सामंजस्य स्थापित करने पर बल दिया।

दो सूफी सिलसिले निम्न प्रकार हैं–

(1) 'कादरी सिलसिला'–इनका नाम शेख अब्दुल कादिर जिलानी के नाम पर पड़ा।

(2) चिश्ती सिलसिला–इसका नामकरण इसके जन्म-स्थान पर हुआ। चिश्ती नाम मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर से लिया गया।

अथवा का उत्तर

जिम्मी एक प्रकार से संरक्षित श्रेणी के लोग थे। जनसंख्या के बहुसंख्यक भाग के लोग इस्लाम धर्म के अनुयायी नहीं थे। इनमें यहूदी और ईसाई भी थे; जिन्हें जिम्मी कहा जाता था। इस्लामी शासक इनसे जजिया नामक कर लेकर इन्हें संरक्षण प्रदान करते थे। हिन्दुओं को भी इसी श्रेणी में रखा गया।

उलेमा, यानी आलिम का आशय होता है, विद्वान। उलेमा, इस्लाम धर्म के विद्वान होते थे, इन्हें विशेष दर्जा प्राप्त होता था। यह मौलवी से ऊपर की पदवी है।

उत्तर 18. (1) 1857 में विद्रोहियों द्वारा जारी की गई घोषणाओं में जाति और धर्म का भेद किए बिना, समाज के सभी वर्गों का आह्वान किया जाता था।

(2) 1857 के विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था, जिसमें हिन्दुओं और मुसलमानों, दोनों का नफा-नुकसान बराबर था।

(3) विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए मुस्लिम राजकुमारों या नवाबों द्वारा जो घोषणाएँ की गईं, उनमें हिन्दू और मुसलमान दोनों की भावनाओं को सम्मान दिया जाता था। मुगल बादशाह बहादुरशाह के नाम से जारी घोषणा में मुहम्मद और महावीर दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में शामिल होने के लिए गुजारिश की गई।

अथवा का उत्तर

अंग्रेजों ने 1857 के विद्रोह का दमन करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये—

(1) विद्रोह का दमन करने के लिए कई नए कानून पारित किए गए जिनके तहत भारतीय जनता को बेवजह परेशान किया गया।

(2) मई और जून, 1857 में पारित किए गए कानूनों के द्वारा पूरे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया। अपितु फौजी अफसरों तथा आम अंग्रेजों को भी ऐसे हिन्दुस्तानियों पर मुकदमा चलाने तथा उनको दण्ड देने का अधिकार दे दिया गया। मार्शल लॉ के अन्तर्गत कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई थी तथा यह स्पष्ट कर दिया गया था कि विद्रोह की केवल एक ही सजा है—मृत्यु-दण्ड।

(3) जनता में दहशत फैलाने के लिए विद्रोहियों को सरेआम फाँसी पर लटकाया गया और तोपों के मुँह से बाँधकर उड़ा दिया गया।

उत्तर 19. महात्मा गाँधी का जनता से अनुरोध निस्सन्देह कपट से मुक्त था। भारतीय राजनीति के सन्दर्भ में तो बिना किसी संकोच के यह कहा जा सकता है कि वह अपने प्रयत्नों से राष्ट्रवाद के आधार को और अधिक व्यापक बनाने में सफल रहे। निम्न बिन्दुओं से यह तथ्य स्पष्ट है—

(i) गाँधीजी के नेतृत्व में भारत के विभिन्न भागों में कांग्रेस की नयी शाखाएँ खोली गयीं।

(ii) रजवाड़ों में राष्ट्रवादी सिद्धान्त को बढ़ावा देने के लिए प्रजामण्डलों की स्थापना की गई।

(iii) गाँधीजी ने राष्ट्रवादी सन्देश का प्रसार अंग्रेजी भाषा में करने की बजाय मातृभाषा में करने को प्रोत्साहन दिया।

YouTube channel Mk study point 99

अथवा का उत्तर

जज ने अपनी टिप्पणी में लिखा "इस बात को नकारना असम्भव होगा कि मैंने आज तक जिनकी जाँच की है या करूँगा आप उनसे अलग श्रेणी के हैं। इस तथ्य को नकारना असम्भव होगा कि आपके लाखों देशवासियों की दृष्टि में आप एक महान् देश भक्त व नेता हैं। यहाँ तक कि राजनीति में जो लोग आपसे अलग विचार रखते हैं वे भी आपको उच्च आदर्शों और पवित्र जीवन वाले व्यक्ति के रूप में देखते हैं।"

इस न्यायाधीश के लिए गाँधीजी को 6 वर्ष की सजा सुनाया जाना आवश्यक था। लेकिन जज ब्रूमफील्ड ने कहा कि "यदि भारत में घट रही घटनाओं की वजह से सरकार के लिए सजा के इन वर्षों में कमी और आपको मुक्त कराना सम्भव हुआ तो इससे मुझसे ज्यादा कोई प्रसन्न नहीं होगा।"

खण्ड-द

उत्तर 20. मोहनजोदड़ो के निचले शहर की दुर्ग से भिन्नता

मोहनजोदड़ो दो भागों में विभाजित था—(1) निचला शहर तथा (2) दुर्ग। निचला शहर दुर्ग से निम्न बातों में भिन्न है—

(1) दुर्ग मोहनजोदड़ो नगर के पश्चिमी भाग में बना हुआ था। इसके भवन कच्ची ईंटों के चबूतरे पर बने थे।

(2) दुर्ग ऊँचाई पर बनाया गया था, जबकि निचला शहर नीचे बनाया गया था।

(3) निचला शहर मोहनजोदड़ो के पूर्वी भाग में था। यहाँ कई भवन ऊँचे चबूतरों पर बने हुए थे जो नींव का कार्य करते थे।

(4) दुर्ग में अनेक महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक स्मारक एवं भवन स्थित थे जिनमें मालगोदाम तथा विशाल स्नानागार उल्लेखनीय थे। निचले शहर में योजनाबद्ध तरीके से बने हुए भवन मिलते हैं। निचले शहर में सामान्य लोग रहते थे।

दुर्ग पर स्थित संरचनाएँ—मोहनजोदड़ो के दुर्ग पर मालगोदाम तथा विशाल स्नानागार के अतिरिक्त कुछ अन्य संरचनाएँ भी मिली हैं। मोहनजोदड़ो के दुर्ग में एक विशाल भवन मिला है जो 230 फीट लम्बा तथा 115 फीट चौड़ा है। इसमें दो आँगन, भण्डारागार तथा कुछ कमरे बने हुए हैं। डॉ. मैके के अनुसार इस विशाल भवन में शायद नगर के राज्यपाल निवास करते थे। मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार के निकट एक भवन मिला है जो 80 फीट लम्बा तथा 80 फीट चौड़ा है। इसकी छत 20 स्तम्भों पर टिकी हुई है।

अथवा का उत्तर

हड़प्पा निवासियों के निर्वाह के तरीके (रहन-सहन)

(1) पेड़-पौधों से प्राप्त उत्पादन तथा जानवरों से प्राप्त भोजन—हड़प्पा सभ्यता के लोग कई प्रकार के पेड़-पौधों से प्राप्त उत्पादन तथा जानवरों से भोजन प्राप्त करते थे।

(2) गेहूँ, जौ, दाल, चना, तिल, बाजरा, चावल का प्रयोग—जले अनाजों के दानों तथा बीजों की खोज से पुरातत्त्वविदों को हड़प्पाई लोगों के भोजन के बारे में काफी जानकारी मिली है। इनका अध्ययन पुरा-वनस्पतिज्ञ करते हैं जो प्राचीन वनस्पति के अध्ययन के विशेषज्ञ होते हैं। हड़प्पाई लोग गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा, चावल आदि अनाजों का सेवन करते थे। हड़प्पा के अनेक स्थलों से गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरे तथा चावल के दाने प्राप्त हुए थे। बाजरे के दाने गुजरात के स्थलों से प्राप्त हुए थे। चावल के दाने भी मिले थे, परन्तु ये अपेक्षाकृत कम पाए गए हैं।

(3) जानवरों के माँस का सेवन करना—हड़प्पा के स्थलों के उत्खनन में अनेक जानवरों की हड्डियाँ मिली हैं। इनमें भेड़, बकरी, भैंस या सुअर की हड्डियाँ सम्मिलित हैं। जीव-पुरातत्वविदों के अनुसार ये सभी जानवर पालतू थे। अनुमान है कि हड़प्पाई लोग इन जानवरों के माँस का सेवन करते थे। इसके अतिरिक्त खुदाई में वराह (सुअर), हिरण तथा घड़ियाल की हड्डियाँ भी मिली हैं। इस आधार पर अनुमान लगाया जाता है कि हड़प्पा के लोग इन जानवरों के माँस का भी सेवन करते थे। मुहरों पर उत्कीर्ण मछली के चित्रों से ज्ञात होता है कि हड़प्पाई लोग मछली का भी सेवन करते थे।

(4) मछली तथा पक्षियों के माँस का सेवन करना—उत्खनन में मछली तथा कुछ पक्षियों की हड्डियाँ भी मिली हैं। इससे प्रतीत होता है कि हड़प्पा निवासी मछली तथा पक्षियों के माँस का भी सेवन करते थे।

(5) जानवरों के शिकार के बारे में अनिश्चित जानकारी—अभी तक विद्वान लोग यह नहीं जान पाए हैं कि हड़प्पा-निवासी स्वयं इन जानवरों का शिकार करते थे अथवा अन्य आखेटक-समुदायों से इनका मांस प्राप्त करते थे।

उत्तर 21. संविधान सभा का गठन

संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर नहीं हुआ था। 1945-46 की सर्दियों में भारत के प्रान्तों में चुनाव हुए थे। इसके पश्चात् प्रान्तीय संसदों ने संविधान सभा के सदस्यों को चुना।

(1) नई संविधान सभा में कांग्रेस का प्रभावशाली होना—नई संविधान सभा में कांग्रेस प्रभावशाली थी। प्रान्तीय चुनावों में कांग्रेस ने सामान्य चुनाव क्षेत्रों में भारी विजय प्राप्त की और मुस्लिम लीग को अधिकांश आरक्षित मुस्लिम सीटें मिल गईं। परन्तु मुस्लिम लीग ने संविधान सभा का बहिष्कार उचित समझा और एक अन्य संविधान बनाकर उसने पाकिस्तान के निर्माण की माँग जारी रखी।

प्रारम्भ में समाजवादी भी संविधान सभा से दूर रहे क्योंकि वे उसे अंग्रेजों के द्वारा बनाई हुई संस्था मानते थे। इन सभी कारणों से संविधान सभा के 82 प्रतिशत सदस्य कांग्रेस पार्टी के ही सदस्य थे।

(2) कांग्रेस में मतभेद—सभी कांग्रेस सदस्य एकमत नहीं थे। कई निर्णायक मुद्दों पर उनके भिन्न-भिन्न मत थे। कई कांग्रेसी समाजवाद से प्रेरित थे तो कई जमींदारी के समर्थक थे। कई कांग्रेसी समाजवाद से प्रेरित थे तो कई अन्य जमींदारी के समर्थक थे। कुछ साम्प्रदायिक दलों के निकट थे, तो कुछ पक्के धर्मनिरपेक्ष थे। राष्ट्रीय आन्दोलन के कारण कांग्रेसी वाद-विवाद करना और मतभेदों पर बातचीत कर समझौतों की खोज करना सीख गए थे। संविधान सभा में भी कांग्रेस-सदस्यों ने इसी प्रकार का दृष्टिकोण अपनाया।

(3) संविधान सभा में हुई चर्चाओं का जनमत से प्रभावित होना—संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से भी प्रभावित होती थीं। जब संविधान सभा में बहस होती थी, तो विभिन्न पक्षों के तर्क समाचार-पत्रों में भी प्रकाशित होते थे और समस्त प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी। इस प्रकार की आलोचना और जवाबी आलोचना में किसी मुद्दे पर बनने वाली सहमति या असहमति पर गहरा प्रभाव पड़ता था।

(4) सामूहिक सहभागिता—सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए जनता के सुझाव भी माँगे जाते थे। कई भाषाई अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की माँग करते थे।

धार्मिक अल्पसंख्यक अपने विशेष हित सुरक्षित करवाना चाहते थे और दलित वर्गों के लोग शोषण के अन्त की माँग करते हुए सरकारी संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।

अथवा का उत्तर

सामान्यत: अल्पसंख्यक शब्द से हमारा तात्पर्य राष्ट्र की कुल जनसंख्या में किसी वर्ग अथवा समुदाय के कम अनुपात से है परन्तु अलग-अलग लोगों ने अपने-अपने ढंग से अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित किया है, जो इस प्रकार हैं—

(1) मद्रास के बी. पोकर बहादुर के अनुसार मुसलमान अल्पसंख्यक थे, क्योंकि मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर-मुसलमान अच्छी प्रकार से नहीं समझ सकते, न ही अन्य समुदायों के लोग मुसलमानों का कोई सही प्रतिनिधि चुन सकते हैं।

(2) कुछ लोग दमित वर्ग के लोगों को हिन्दुओं से अलग करके देख रहे थे, और उनके लिए अधिक स्थानों का आरक्षण चाह रहे थे।

(3) एन.जी. रंगा के अनुसार असली अल्पसंख्यक गरीब और दबे-कुचले लोग थे। रंगा आदिवासियों को अल्पसंख्यक मानते थे। उनका शोषण व्यापारियों, जमींदारों तथा सूदखोरों द्वारा किया जा रहा था। जयपालसिंह ने भी आदिवासियों को अल्पसंख्यक बताया।

(4) एन.जी. रंगा के अनुसार अल्पसंख्यक तथाकथित पाकिस्तानी प्रान्तों में रहने वाले हिन्दू, सिख और यहाँ तक कि मुसलमान भी अल्पसंख्यक नहीं हैं। असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है; यह जनता इतनी दमित, उत्पीड़ित और कुचली हुई है कि अभी तक साधारण नागरिक को मिलने वाले लाभ भी नहीं उठा रही है।

उत्तर 22.

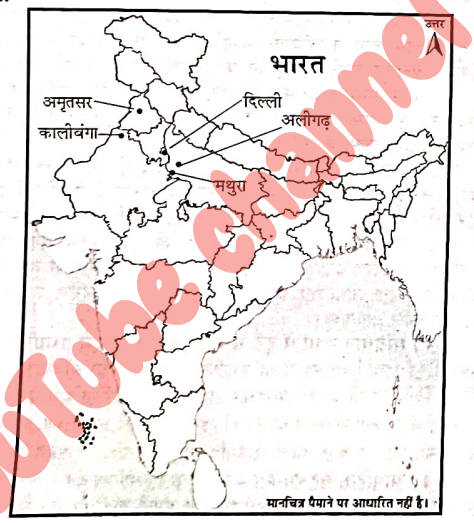

अथवा का उत्तर

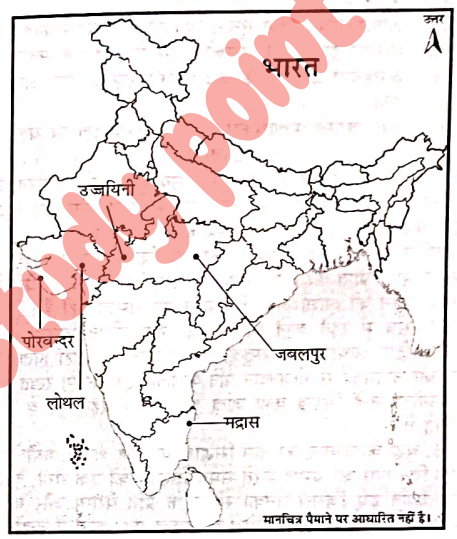

मॉडल पेपर-6

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(स)	(द)	(स)	(ब)	(द)	(स)	(द)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(ब)	(द)	(ब)	(अ)	(ब)	(अ)	(अ)

उत्तर 2. (i) प्राकृत (ii) मनुस्मृति (iii) नैसर्गिक (iv) पालि
(v) निर्गुण (vi) 1976 (vii) सराफ

उत्तर 3. (i) सेलखड़ी पत्थर।
(ii) अशोक के अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर 'पियदस्सी' नाम लिखा है।
(iii) (1) युद्ध करना (2) लोगों को सुरक्षा प्रदान करना।
(iv) महाभारत की मूलकथा के रचयिता भाट सारथी 'सूत' कहलाते थे।
(v) मन्दसौर से प्राप्त अभिलेख में रेशम के बुनकरों की एक श्रेणी का उल्लेख मिलता है।

YouTube.channel kk study point 99

(vi) बदायूँ दरवाजा।

(vii) अप्पार, संबंदर तथा सुन्दरार की रचनाओं का संकलन करवाया।

(viii) शासकों द्वारा अपने आपको ईश्वर से जोड़ने के लिए।

(ix) असहयोग आंदोलन के बाद भारतीय राष्ट्रवाद जन-आंदोलन में बदल गया।

(x) (1) वयस्क मताधिकार, (2) धर्मनिरपेक्षता पर बल।

खण्ड-ब

उत्तर 4. (1) नियतिवादियों के अनुसार सब कुछ पूर्व निर्धारित है। सुख और दु:ख पूर्व निर्धारित मात्रा में माप कर दिए गए हैं। इन्हें संसार में बदला नहीं जा सकता। इन्हें बढ़ाया या घटाया नहीं जा सकता।

(2) बुद्धिमान लोग यह विश्वास करते हैं कि वे सद्गुणों तथा तपस्या द्वारा अपने कर्मों से मुक्ति प्राप्त कर लेंगे। मूर्ख लोग उन्हीं कार्यों को करके धीरे-धीरे कर्म से मुक्ति प्राप्त करने की आशा करते हैं। परन्तु यह सम्भव नहीं है।

उत्तर 5. संघ में रहने वाले बौद्ध भिक्षु सादा जीवन बिताते थे। उनके पास जीवनयापन के लिए अत्यावश्यक वस्तुओं के अतिरिक्त कुछ नहीं होता था। वे दिन में केवल एक बार उपासकों से भोजनदान पाने के लिए एक कटोरा रखते थे। वे दान पर निर्भर थे, इसलिए उन्हें भिक्खु कहा जाता था। संघ में रहते हुए वे बौद्ध ग्रन्थों का अध्ययन करते थे।

उत्तर 6. बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। वह शाक्य कबीले के सरदार के पुत्र थे। एक दिन नगर का भ्रमण करते समय सिद्धार्थ को एक रोगी, वृद्ध, मृतक तथा संन्यासी के दर्शन हुए जिससे उनका संसार के प्रति वैराग्य और बढ़ गया। अत: सिद्धार्थ महल त्याग कर सत्य की खोज में निकल गए। अन्त में उन्होंने एक वृक्ष के नीचे बैठकर चिन्तन करना शुरू किया और सच्चा ज्ञान प्राप्त किया। इसके बाद वह अपनी शिक्षाओं का प्रचार करने लगे।

उत्तर 7. बर्नियर ने अपने ग्रंथ 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' में भारत की तुलना तत्कालीन यूरोप से की है। वह पश्चिमी संस्कृति का प्रबल समर्थक था। उसने महसूस किया कि यूरोपीय संस्कृति के मुकाबले में भारतीय सभ्यता तथा संस्कृति निम्न कोटि की है। अत: उसने भारत को यूरोप के प्रतिलोम के रूप में दिखलाया है अथवा फिर यूरोप का विपरीत दर्शाया है।

उत्तर 8. (1) अल-बिरुनी ने लेखन में अरबी भाषा का प्रयोग किया था।

(2) अल-बिरुनी ने सम्भवत: अपने ग्रन्थ उपमहाद्वीप के सीमान्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए लिखे थे।

(3) वह संस्कृत, पालि तथा प्राकृत ग्रन्थों के अरबी भाषा में हुए अनुवादों से परिचित था।

(4) इन ग्रन्थों की लेखन-सामग्री शैली के विषय में अल-बिरुनी का दृष्टिकोण आलोचनात्मक था। वह उनमें सुधार करना चाहता था।

उत्तर 9. विजयनगर साम्राज्य के कई भागों में पहले भी शक्तिशाली राज्यों का उदय हो चुका था जैसे-तमिलनाडु में चोलों और कर्नाटक में होयसालों का। इन शासकों ने तंजावुर के बृहदेश्वर मन्दिर तथा बेलूर के चन्नकेशव मन्दिर जैसे विशाल मन्दिरों को संरक्षण प्रदान किया था। विजयनगर के शासक अपने आपको राय कहते थे। उन्होंने इन परम्पराओं को आगे बढ़ाया और उन्हें चरम सीमा पर पहुँचाया।

उत्तर 10. मुगल साम्राज्य अपनी आय का एक बड़ा भाग कृषि उत्पादन से प्राप्त करता था। इसलिए राजस्व निर्धारित करने वाले, राजस्व की वसूली करने वाले एवं राजस्व का विवरण रखने वाले अधिकारी ग्रामीण समाज को नियन्त्रण में रखने का पूरा प्रयास करते थे। वे चाहते थे कि खेती की नियमित जुताई हो एवं राज्य को उपज से अपने हिस्से का कर समय पर मिल जाए।

उत्तर 11. मुगलकालीन कृषि समाज में महिलाएँ व पुरुष मिलजुलकर खेती का कार्य करते थे। महिलाएँ निम्नलिखित कार्य करती थीं-(1) महिलाएँ बुआई, निराई व कटाई के साथ-साथ पकी हुई फसल से दाना निकालने का कार्य करती थीं। (2) सूत कातना, बर्तन बनाने के लिए मिट्टी को साफ करना व गूँथना तथा कपड़ों पर कढ़ाई जैसे दस्तकारी के कार्य भी महिलाएँ ही करती थीं।

उत्तर 12. 1793 ई. में बंगाल के गवर्नर जनरल ने बंगाल में 'स्थायी बन्दोबस्त' लागू किया। इस बन्दोबस्त के अन्तर्गत ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने राजस्व की राशि निश्चित कर दी थी जो प्रत्येक जमींदार को चुकानी पड़ती थी। जो जमींदार अपनी निश्चित राशि नहीं चुका पाते थे, उनसे राजस्व वसूल करने के लिए उनकी जमींदारियाँ नीलाम कर दी जाती थीं। यह बन्दोबस्त ईस्ट इण्डिया कम्पनी तथा जमींदारों के बीच हुआ था।

उत्तर 13. 1. जमींदारों की सैनिक टुकड़ियों को भंग कर दिया गया।

2. सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया और उनकी कचहरियों को कम्पनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख में रख दिया गया।

3. जमींदारों से स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गई।

उत्तर 14. 1. अवध के गाँव के लोगों ने अपनी संचार व्यवस्था मजबूत कर रखी थी। उन्हें अंग्रेजों के आने की खबर तुरन्त मिल जाती थी।

2. वे स्थान छोड़कर तितर-बितर हो जाते थे, जिससे अंग्रेज उन्हें पकड़ नहीं पाते थे।

3. गाँव वाले पल में एकजुट हो जाते थे तथा पल में बिखर जाते थे।

4. गाँव वाले बहुत बड़ी संख्या में थे तथा उनके पास बन्दूकें भी थीं।

उत्तर 15. गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन को विस्तार एवं मजबूती देने के लिए खिलाफत आन्दोलन को इसका अंग बनाया। उन्हें यह विश्वास था कि असहयोग को खिलाफत के साथ मिलाने से भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय हिन्दू और मुसलमान आपस में मिलकर औपनिवेशिक शासन का अन्त कर देंगे।

खण्ड-स

उत्तर 16. (1) अशोक के अभिलेखों से अशोक के शासन, उसके धम्म आदि के बारे में जानकारी मिलती है।

(2) कौटिल्यकृत 'अर्थशास्त्र' से मौर्यों की शासन-व्यवस्था तथा मौर्यकालीन समाज पर प्रकाश पड़ता है।

(3) मेगस्थनीज की पुस्तक 'इण्डिका' से चन्द्रगुप्त मौर्य की शासन-व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी मिलती है।

(4) जैन, बौद्ध पौराणिक ग्रन्थों और मूर्त्तियों, स्तम्भों आदि से भी मौर्यकालीन इतिहास पर प्रकाश पड़ता है।

अथवा का उत्तर

(1) पुराणों, स्मृतियों आदि से गुप्त वंश के इतिहास पर काफी प्रभाव पड़ता है।

(2) विभिन्न साहित्यिक रचनाओं से गुप्तकालीन शासन-पद्धति, सामाजिक रीति-रिवाजों, राजनीतिक अवस्था आदि के बारे में जानकारी मिलती है।

(3) 'प्रयाग प्रशस्ति' से समुद्रगुप्त की विजयों, जीवन-चरित्र के बारे में जानकारी मिलती है।

(4) गुप्तकालीन सिक्कों से गुप्त-शासकों के धर्म, साम्राज्य की सीमाओं के बारे में जानकारी मिलती है।

उत्तर 17. भारत मध्यकालीन युग से आधुनिक युग में आ चुका है लेकिन धर्म, जाति व पंथ के भेदभाव की जंजीरों में अभी भी जकड़ा हुआ है।

धर्म एवं जाति के नाम पर अभी भी कुछ लोग अलगाव की बातें करते हैं और अपनी कुटिल नीति में सफल भी होते हैं। ऐसी स्थिति में अगर कोई व्यक्ति भेदभावपूर्ण संकीर्णताओं का विरोध करता है और वास्तविक तथ्यों को उजागर करता है तो अनायास ही जन-मानस के कवि कबीर और उनकी सीख स्मरण हो जाती है। क्योंकि कबीर ने हमेशा समाज के विघटनकारी तत्त्वों पर तेज प्रहार किया है। कबीरदास सत्य की खोज करने वालों के लिए आज भी प्रेरणास्रोत हैं।

अथवा का उत्तर

(1) अलवार और नयनार परम्परा की सबसे बड़ी विशिष्टता इसमें स्त्रियों की उपस्थिति थी।

(2) अंडाल नामक अलवार स्त्री के भक्ति-गीत व्यापक स्तर पर गाए जाते थे और आज भी गाए जाते हैं। अंडाल स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर अपनी प्रेम भावना को छन्दों में व्यक्त करती थी।

(3) करइक्काल अम्मइयार नामक शिवभक्त स्त्री ने अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए घोर तपस्या की।

उत्तर 18. निम्न अफवाहों के द्वारा लोगों को विद्रोह करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था–

(1) सिपाहियों में यह अफवाह फैली हुई थी कि उनकी राइफलों में प्रयुक्त किए जाने वाले कारतूसों में गाय और सुअर की चर्बी लगी थी। इनका प्रयोग करने से उनकी जाति तथा धर्म के भ्रष्ट होने की सम्भावना थी।

(2) यह अफवाह भी जोरों पर थी कि अंग्रेजों ने बाजार में मिलने वाले आटे में गाय और सुअर की हड्डियों का चूरा मिलवा दिया है। इसका उद्देश्य हिन्दुओं और मुसलमानों की जाति तथा धर्म को नष्ट करना था।

अथवा का उत्तर

1857 का विद्रोह प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम था जिसमें देश के सभी वर्गों के लोगों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध मिलकर संघर्ष किया था। कलाकारों और साहित्यकारों ने 1857 के विद्रोह के नेताओं को ऐसे नायकों के रूप में प्रस्तुत किया जो देश को रणस्थल की ओर ले जा रहे थे। बहादुरशाह, नाना साहिब, रानी लक्ष्मी बाई, कुँवर सिंह आदि ने अपने पराक्रमपूर्ण कार्यों, त्याग और बलिदान से भारतीयों में राष्ट्रीयता का प्रसार किया और राष्ट्रीय आन्दोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

उत्तर 19. कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन–दिसम्बर, 1929 में पं. जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में कांग्रेस का अधिवेशन शुरू हुआ। इसके अनुसार, 26 जनवरी

1930 को देश के विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर और देशभक्ति के गीत गाकर 'स्वतन्त्रता दिवस' मनाया गया। यह अधिवेशन निम्न दो दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण था—

(1) पं. जवाहरलाल नेहरू का अध्यक्ष के रूप में चुनाव, जो युवा पीढ़ी को नेतृत्व की छड़ी सौंपने का प्रतीक था।

(2) इसमें पूर्ण स्वराज की घोषणा की गई।

अथवा का उत्तर

गांधीजी सर्वसाधारण के पक्षधर एवं हिमायती थे। इस कथन की पुष्टि निम्न बिन्दुओं द्वारा की जा सकती है–

(1) फरवरी, 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन के समय गाँधीजी ने बोलते समय मजदूरों और गरीबों की उपेक्षा किये जाने की आलोचना की।

(2) गाँधीजी ने कहा कि हमारे लिए स्वशासन या स्वराज का तब तक कोई अर्थ नहीं है जब तक हम किसानों से उनके श्रम का लगभग सम्पूर्ण लाभ स्वयं या अन्य लोगों को ले लेने की अनुमति देते रहेंगे। दिसम्बर, 1916 में उन्होंने चंपारन में तथा 1918 में अहमदाबाद और खेड़ा में सत्याग्रह किये।

खण्ड-द

उत्तर 20. पुरातत्त्वविदों को हड़प्पाई स्थलों के उत्खनन में कई सामग्रियाँ प्राप्त हुई हैं जिनके आधार पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज में कई वर्ग थे। इन्हें निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत समझा जा सकता है—

(1) अनेक स्थलों पर बड़े मकान तथा राजप्रासाद जैसे भवन मिले हैं; वहीं दूसरी ओर एक तथा दो कमरों वाले मकान आर्थिक तथा सामाजिक भिन्नता को दर्शाते हैं।

(2) खुदाई में अनेक स्थानों पर स्वर्ण, रजत तथा अन्य बहुमूल्य धातुओं के आभूषण प्राप्त हुए हैं।

(3) शवाधानों में मृतकों को दफनाते समय विभिन्न प्रकार की सामग्री रखी जाती थी। इन सामग्रियों से महिलाओं तथा पुरुषों की आर्थिक स्थिति की विभिन्नता का अंदाजा लगाया जा सकता था। शवों को दफनाने वाले गर्तों की बनावट में भी अन्तर था।

(4) हड़प्पाई वस्त्रों में भी सामाजिक भिन्नता दिखाई देती है। जहाँ धनी लोग रेशम तथा मलमल के वस्त्रों का प्रयोग करते थे, वहीं निम्न आर्थिक स्थिति वाले सूती तथा ऊनी वस्त्रों का प्रयोग करते थे।

इस प्रकार प्राप्त अवशेषों से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज में कई वर्ग थे। सामान्य वर्ग में कुम्भकार, बढ़ई, सुनार, शिल्पकार, लुहार, जुलाहे, राजगीर, श्रमिक तथा किसान आदि लोग रहे होंगे। विशिष्ट वर्ग में राजकर्मचारी, सेनाधिकारी आदि रहे होंगे। इस प्रकार पुरातत्त्वविदों को उत्खनन में अनेक ऐसी सामग्रियाँ प्राप्त हुई हैं जिनके आधार पर हमें सामाजिक तथा आर्थिक भिन्नता का पता चलता है।

अथवा का उत्तर

मोहनजोदड़ो सभ्यता की प्रमुख विशेषताएँ

(1) **नगर योजना**–मोहनजोदड़ो के नगरों का निर्माण एक निश्चित योजना के अनुसार किया गया था। सड़कें पूर्व से पश्चिम की ओर तथा उत्तर से दक्षिण की

YouTube Channel RK Study Point 99

और जाती थीं। सड़कें पर्याप्त चौड़ी होती थीं जो एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं। नगरों में नालियों का जाल बिछा हुआ था। इन नालियों के द्वारा घरों, गलियों और सड़कों का गन्दा पानी शहरों से बाहर निकाल दिया जाता था। मकान प्रायः पकी ईंटों के बने होते थे। मकानों में आंगन, रसोईघर, स्नानघर, शौचालय, दरवाजों व खिड़कियों की व्यवस्था रहती थी। कुछ विशिष्ट भवन—मोहनजोदड़ो का विशाल स्नानागार, माल गोदाम—आदि उल्लेखनीय हैं।

(2) **सामाजिक जीवन**–समाज में कई वर्ग थे। हड़प्पा समाज मातृ सत्तात्मक था। स्त्री और पुरुष दोनों ही आभूषण पहनने के शौकीन थे। ये लोग अपने मृतकों का अन्तिम संस्कार तीन प्रकार से करते थे—(1) शव को जलाकर (2) शव को जमीन में गाड़कर (3) शव को पशु-पक्षियों को खाने के लिए छोड़ दिया जाना।

(3) **आर्थिक अवस्था**–मोहनजोदड़ो सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। यहाँ गेहूँ, जौ, चावल, दाल, बाजरा, कपास, तिल आदि की खेती की जाती थी। सिंचाई के लिए नहरों, कुओं और जलाशयों का जल काम में लिया जाता था। ये लोग गाय, बैल, भेड़, बकरी, भैंस, कुत्ते आदि जानवर पालते थे।

(4) **धार्मिक अवस्था**–हड़प्पा सभ्यता के लोग मातृदेवी तथा शिव की उपासना करते थे। ये लोग लिंग और योनि की, पशुओं और वृक्षों की, नाग की भी पूजा करते थे।

(5) **राजनीतिक अवस्था**–हड़प्पाई सभ्यता में जटिल निर्णय लेने और उन्हें लागू करने के संकेत मिलते हैं। कुछ पुरातत्त्वविदों के अनुसार यहाँ पुरोहित, राजा शासन करते थे। कुछ पुरातत्त्वविदों के अनुसार हड़प्पाई समाज में शासक नहीं थे तथा सभी की सामाजिक स्थिति समान थी।

(6) **लिपि**–हड़प्पाकालीन लिपि वर्णमालीय नहीं थी क्योंकि इसमें चिह्नों की संख्या कहीं अधिक है। इसमें लगभग 375 से 400 के बीच चिह्न हैं। यह लिपि दायीं ओर से बायीं ओर लिखी जाती थी।

(7) **कला**–यहाँ के लोग मुहर निर्माण कला, मूर्तिकला, चित्रकला आदि में निपुण थे। यहाँ के लोग मिट्टी के बर्तन और मूर्तियाँ बनाने में, मुहरें, मनके आदि बनाने में तथा सोने, चाँदी, ताँबे आदि के आभूषणों को बनाने में दक्ष थे।

उत्तर 21. जवाहरलाल नेहरू ने 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर निम्न विचार अपने भाषण में पेश किए—

(1) भारत एक स्वतन्त्र सम्प्रभु गणराज्य होगा।
(2) अल्पसंख्यक, पिछड़ों तथा जनजातियों को सभी अधिकार मिलेंगे।
(3) भारतीय संविधान में सिर्फ नकल नहीं होगी।
(4) भारतीय संविधान का उद्देश्य यह होगा कि लोकतन्त्र के उदारवादी विचारों तथा आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक-दूसरे में समावेश किया जायेगा।

उद्देश्य प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द के प्रयोग न करने का कारण–

उद्देश्य प्रस्ताव में 'लोकतांत्रिक' शब्द के इस्तेमाल न करने के पीछे नेहरूजी ने जो कारण बताया वह इस प्रकार है—कोई गणराज्य लोकतांत्रिक न हो ऐसा नहीं हो सकता, हमारा पूरा इतिहास इस बात का साक्षी है कि हम लोकतांत्रिक संस्थाओं

के ही पक्षधर हैं। हमारा लक्ष्य लोकतंत्र ही है। यद्यपि इस प्रस्ताव में हमने लोकतांत्रिक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है क्योंकि हमें लगा कि यह तो स्वाभाविक ही है कि 'गणराज्य' शब्द में लोकतांत्रिक शब्द पहले ही निहित होता है। इसलिए हम अनावश्यक और अनुपयोगी शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहते थे। हमने इस प्रस्ताव में लोकतंत्र की अंतर्वस्तु प्रस्तुत की है बल्कि लोकतंत्र की ही नहीं आर्थिक लोकतंत्र की अन्तर्वस्तु भी प्रस्तुत की है।

अथवा का उत्तर

पृथक् निर्वाचिकाओं की माँग के विरोध में दी गई समस्त दलीलों के पीछे एक एकीकृत राज्य के निर्माण की चिन्ता काम कर रही थी। वह इस प्रकार थी—

(1) **व्यक्ति को नागरिक बनाना तथा प्रत्येक समूह को राष्ट्र का अंग बनाना**—राजनीतिक एकता और राष्ट्र की स्थापना करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को राज्य के नागरिक के सांचे में ढालना था, हर समूह को राष्ट्र के भीतर समाहित किया जाना था।

(2) **नागरिकों में राज्य के प्रति निष्ठा का होना**—संविधान नागरिकों को अधिकार देगा परन्तु नागरिकों को भी राज्य के प्रति अपनी निष्ठा का वचन लेना होगा।

(3) **सभी समुदायों के सदस्यों को राज्य के सामान्य सदस्यों के रूप में काम करना**—समुदायों को सांस्कृतिक इकाइयों के रूप में मान्यता दी जा सकती थी और उन्हें सांस्कृतिक अधिकारों का आश्वासन दिया जा सकता था मगर राजनीतिक रूप से सभी समुदायों के सदस्यों को राज्य के सामान्य सदस्य के रूप में काम करना था अन्यथा उनकी निष्ठाएँ विभाजित होतीं। पंत ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि, "हमारे भीतर यह आत्मघाती और अपमानजनक आदत बनी हुई है कि हम कभी नागरिक के रूप में नहीं सोचते बल्कि समुदाय के रूप में ही सोच पाते हैं.......। हमें याद रखना चाहिए कि महत्त्व केवल नागरिक का होता है। सामाजिक पिरामिड का आधार भी और उसकी चोटी भी नागरिक ही होता है।"

(4) **एक शक्तिशाली राष्ट्र व शक्तिशाली राज्य की स्थापना**—जब सामुदायिक अधिकारों का महत्त्व रेखांकित किया जा रहा था, उस समय भी बहुत सारे राष्ट्रवादियों में यह भय सिर उठाने लगा था कि इससे निष्ठाएँ खण्डित होंगी और एक शक्तिशाली राष्ट्र व शक्तिशाली राज्य की स्थापना नहीं हो पायेगी।

(5) **कुछ मुसलमान भी पृथक् निर्वाचिका की माँग के समर्थन में नहीं**—सारे मुसलमान भी पृथक् निर्वाचिका की माँग के समर्थन में नहीं थे। उदाहरण के लिए बेगम एजाज रसूल को लगता था कि पृथक् निर्वाचिका आत्मघाती साबित होगी क्योंकि इससे अल्पसंख्यक बहुसंख्यकों से कट जायेंगे।

पृथक् निर्वाचिका की माँग पर निर्णय

सन् 1949 तक संविधान सभा के ज्यादातर सदस्य इस बात पर सहमत हो गए थे कि पृथक् निर्वाचिका का प्रस्ताव अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ जाता है। इसकी बजाय मुसलमानों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि राजनीतिक व्यवस्था में उनको एक निर्णायक आवाज मिल सके।

YouTube channel pk study point 99

उत्तर 22.

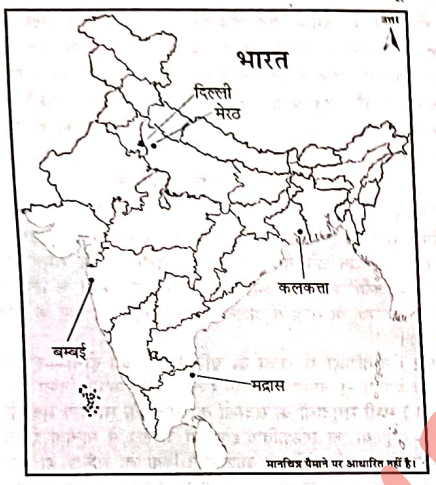

अथवा का उत्तर

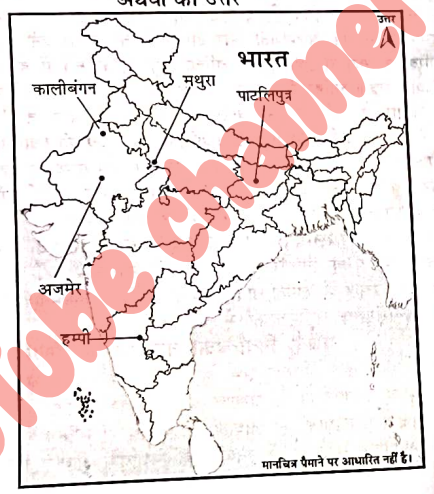

मॉडल पेपर-7

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(ब)	(द)	(अ)	(स)	(स)	(ब)	(अ)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(ब)	(ब)	(ब)	(अ)	(द)	(ब)	(ब)

उत्तर 2. (i) जनपद (ii) बहिर्विवाह (iii) पालि (iv) पूर्व एशिया
(v) सुल्तान उलम शेख (vi) कॉलिन मैकेन्जी
(vii) 85 फीसदी

उत्तर 3. (i) मोहनजोदड़ो से।
(ii) (1) नदियों की देख-रेख करना (2) भूमि मापन का काम करना।
(iii) संस्कृत ग्रंथों में 'कुल' शब्द का प्रयोग परिवार के लिए तथा 'जाति' का प्रयोग बांधवों के बड़े समूह के लिए होता है।
(iv) सातवाहन वंश से।
(v) सातवाहन शासकों का पश्चिमी भारत तथा दक्कन के कुछ भागों पर शासन था।
(vi) अरबी में लिखी गई अल-बिरुनी की कृति 'किताब-उल-हिन्द' है।
(vii) श्राद्ध संस्कार का पालन न करना।
(viii) देवताओं से अपने गहन संबंधों के प्रतीक के रूप में।
(ix) 1929 के लाहौर अधिवेशन में।
(x) धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है कि राज्य की दृष्टि में सभी धर्म समान हैं, वह किसी धर्म को राजधर्म घोषित नहीं करेगा।

खण्ड-ब

उत्तर 4. अत्यन्त प्राचीनकाल से ही लोग कुछ स्थानों को पवित्र मानते थे। ऐसे स्थानों पर जहाँ प्राय: विशेष वनस्पति होती थी, अनूठी चट्टानें थीं या आश्चर्यजनक प्राकृतिक सौन्दर्य था वहाँ पवित्र स्थल बन जाते थे। ऐसे कुछ स्थलों पर एक छोटी-सी वेदी भी बनी रहती थी, जिन्हें कभी-कभी चैत्य कहा जाता था। शवदाह के बाद शरीर के कुछ अवशेष टीलों पर सुरक्षित रख दिए जाते थे। अन्तिम संस्कार से जुड़े टीले चैत्य के रूप में जाने गए।

उत्तर 5. स्तूप बनाने की परम्परा बुद्ध से पहले की रही होगी। परन्तु वह बौद्ध धर्म से जुड़ गई। चूँकि स्तूपों में ऐसे अवशेष रहते थे, जिन्हें पवित्र समझा जाता था। इसलिए समूचा स्तूप ही बुद्ध और बौद्ध धर्म के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। अशोक ने बुद्ध को अवशेषों के हिस्से प्रत्येक महत्त्वपूर्ण नगर में बाँट कर उनके ऊपर स्तूप बनाने का आदेश दिया था।

उत्तर 6. बुद्ध ने अपने शिष्यों के लिए 'संघ' की स्थापना की। संघ बौद्ध भिक्षुओं की एक ऐसी संस्था थी जो धम्म के शिक्षक बन गए। ये भिक्षु सादा जीवन

YouTube channel PK study point 99

बिताते थे। प्रारम्भ में केवल पुरुष ही संघ में सम्मिलित हो सकते थे, बाद में महिलाओं को भी संघ में सम्मिलित होने की अनुमति दे दी गई। कई स्त्रियाँ जो संघ में आईं, वे धम्म की उपदेशिकाएँ बन गईं। संघ में सभी को समान दर्जा प्राप्त था। संघ की संचालन पद्धति गणों और संघ की परम्परा पर आधारित थी।

उत्तर 7. बर्नियर ने 'मुगलकालीन शहरों' को 'शिविर नगर' कहा है। शिविर नगरों से उसका अभिप्राय उन नगरों से था, जो अपने अस्तित्व और बने रहने के लिए राजकीय शिविरों पर निर्भर थे। उसका विचार था कि ये नगर राजकीय दरबार के आगमन के साथ अस्तित्व में आते थे तथा दरबार के कहीं और चले जाने के बाद ये तेजी से विलुप्त हो जाते थे। उसके अनुसार इन नगरों की सामाजिक और आर्थिक नींव व्यावहारिक नहीं होती थी और ये राजकीय संरक्षण पर आश्रित रहते थे।

उत्तर 8. फ्रांस्वा बर्नियर फ्रांस का निवासी था। वह एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था। वह मुगल साम्राज्य में अवसरों की तलाश में भारत आया था। वह 1656 से 1668 ई. तक भारत में बारह वर्ष तक रहा और मुगल-दरबार से घनिष्ठ सम्बन्ध बनाए रखे। प्रारम्भ में उसने मुगल-सम्राट शाहजहाँ के ज्येष्ठ पुत्र दाराशिकोह के चिकित्सक के रूप में कार्य किया तथा बाद में एक मुगल अमीर दानिशमन्द खान के साथ कार्य किया।

उत्तर 9. विजयनगर साम्राज्य ने दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली के समान अमर-नायक प्रणाली की राजनीतिक खोज की। अमर शब्द का उद्भव संस्कृत के शब्द 'समर' से हुआ है जिसका अर्थ है—लड़ाई या युद्ध। अमर नायकों को सैनिक कमाण्डरों की पदवी दी जाती थी। राय शासकों द्वारा उन्हें प्रशासनिक कार्यों जैसे-किसानों, शिल्पकारों, व्यापारियों से राजस्व संग्रह कर राजकीय कोष में जमा करना की जिम्मेदारी सौंपी जाती थी।

उत्तर 10. (1) 'आइन' के अतिरिक्त सत्रहवीं व अठारहवीं सदियों के गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान से उपलब्ध होने वाले वे दस्तावेज भी हैं, जो सरकार की आय की विस्तृत जानकारी देते हैं।

(2) इसके अतिरिक्त ईस्ट इण्डिया कम्पनी के भी बहुत से दस्तावेज हैं जो पूर्वी भारत में कृषि सम्बन्धों की उपयोगी रूप-रेखा प्रस्तुत करते हैं।

उत्तर 11. (1) किसान लकड़ी के हल्के हल का प्रयोग करते थे जिसको एक छोर पर लोहे की नुकीली धार या फाल लगा कर सरलता से बनाया जा सकता था।

(2) बैलों के जोड़े के सहारे खींचे जाने वाले बरमे का प्रयोग बीज बोने के लिए किया जाता था। परन्तु बीजों को हाथ से छिड़क कर बोने की पद्धति अधिक प्रचलित थी।

(3) मिट्टी की गुड़ाई और निराई के लिए लकड़ी के मूठ वाले लोहे के पतले धार प्रयुक्त किए जाते थे।

उत्तर 12. फ्रांसिस बुकानन एक चिकित्सक था जो बंगाल चिकित्सा सेवा में 1794 से 1815 तक कार्यरत रहा। कुछ समय के लिए वह लार्ड वेलेजली का शल्य चिकित्सक (सर्जन) भी रहा। कलकत्ता में उसने एक चिड़ियाघर की स्थापना की जो कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर के नाम से मशहूर हुआ। बंगाल सरकार के अनुरोध पर उसने ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली भूमि का विस्तृत सर्वेक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी।

उत्तर 13. (1) आरम्भ में अनेक जमींदार किसानों से लगान नहीं वसूल सके, जिसके परिणामस्वरूप उनकी जमींदारी बिक गयी।

(2) भूमि की माप तथा भू-राजस्व का निर्धारण सही ढंग से नहीं हो पाया था।

(3) आशाओं के विपरीत जमींदारों ने अपनी जमीन के सुधार पर कोई ध्यान नहीं दिया।

उत्तर 14. (1) अवध के गाँव के लोगों ने अपनी संचार व्यवस्था मजबूत कर रखी थी। उन्हें अंग्रेजों के आने की खबर तुरन्त मिल जाती थी।

(2) वे स्थान छोड़कर तितर-बितर हो जाते थे, जिससे अंग्रेज उन्हें पकड़ नहीं पाते थे।

(3) गाँव वाले पल में एकजुट हो जाते थे तथा पल में बिखर जाते थे।

(4) गाँव वाले बहुत बड़ी संख्या में थे तथा उनके पास बन्दूकें भी थीं।

उत्तर 15. गोलमेज सम्मेलन के दौरान गाँधीजी ने दमित वर्गों के लिए पृथक् निर्वाचन क्षेत्र के प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा था, "अस्पृश्यों के लिए पृथक् निर्वाचिका का प्रावधान करने से उनकी दासता स्थायी रूप ले लेगी। क्या आप चाहते हैं कि 'अस्पृश्य' हमेशा 'अस्पृश्य' ही बने रहें? पृथक् निर्वाचिका से उनके प्रति कलंक का यह भाव अधिक मजबूत हो जायेगा। जरूरत इस बात की है कि अस्पृश्यता का विनाश किया जाए।

खण्ड-स

उत्तर 16. (1) मौर्य-काल में भवन निर्माण कला, मूर्तिकला आदि की महत्त्वपूर्ण उन्नति हुई।

(2) मौर्य सम्राटों के अभिलेखों पर लिखे संदेश अन्य शासकों के अभिलेखों से भिन्न हैं।

(3) अन्य शासकों की अपेक्षा अशोक एक बहुत शक्तिशाली, प्रभावशाली और परिश्रमी शासक थे। वह बाद के राजाओं की अपेक्षा विनीत और नम्र भी थे।

(4) अशोक की उपलब्धियों से प्रभावित होकर बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने अशोक को प्रेरणा का स्रोत माना।

अथवा का उत्तर

हर्षचरित–'हर्षचरित' संस्कृत में लिखी गई कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है। इस ग्रन्थ की रचना हर्षवर्धन के राजकवि बाणभट्ट ने की थी। 'हर्षचरित' से हर्षवर्धन के जीवन, राज्यारोहण, उसकी विजयों, चारित्रिक विशेषताओं आदि की जानकारी मिलती है। इससे तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक अवस्थाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों तथा उनके व्यवसायों के बारे में भी पर्याप्त जानकारी प्राप्त होती है।

उत्तर 17. प्रारम्भ में हिन्दू, मुसलमान जैसे शब्दों का प्रतीकों के रूप में धार्मिक समुदायों के लिए प्रयोग नहीं होता था। हिन्दू, मुसलमान जैसे शब्दों के प्रचलन का कोई प्रमाण 18वीं से 19वीं शताब्दी के मध्यकाल के संस्कृत ग्रन्थों और अभिलेखों में प्राप्त नहीं होता है। तत्कालीन समय में लोगों का वर्गीकरण उनके मातृ देश के आधार पर किया जाता था। जैसेकि तुर्की से आए लोगों को 'तुरुष्क' यानी तुर्क, तजाकिस्तान के लोगों को ताजिक तथा फारस के लोगों को पारसीक कहा गया।

youtube channel study point 99

नए आने वाले प्रवासियों को अन्य लोगों को दिए गए नामों के साथ सम्बद्ध कर जैसेकि तुर्क और अफगानों को शक और ग्रीक लोगों को यवन कहा गया है।

अथवा का उत्तर

पंजाब के ननकाना साहब गाँव में एक व्यापारी परिवार में श्री गुरु नानकदेवजी का जन्म 1469 ईसवी में हुआ था। अल्पायु में ही विवाहित नानकदेवजी को सूफी सन्तों से लगाव हो गया था। वे अपना अधिकांश समय सूफी सन्तों के साथ ही व्यतीत करते थे। सत्य ज्ञान की खोज तथा अपने सन्देश के प्रचार के लिए उन्होंने दूर-दूर तक यात्राएँ कीं और लोगों को एक ओंकार सतनाम के जाप का सन्देश दिया। श्री गुरु नानकदेवजी के भजनों और उपदेशों में निहित सन्देश से ज्ञात होता है कि वे निर्गुण भक्ति के उपासक थे। यज्ञ, मूर्ति पूजा, कठोर तप तथा अन्य आनुष्ठानिक कार्यों जैसे कृत्यों का उन्होंने विरोध किया। गुरु नानक देव के विचारों को 'शबद' कहा जाता है।

उत्तर 18. (1) अवध का नवाब वाजिद अली शाह अवध की जनता में बड़ा लोकप्रिय था। लोग उसे दिल से चाहते थे। अत: नवाब के निष्कासन पर लोगों को प्रबल आघात पहुँचा।

(2) नवाब को अपदस्थ किये जाने से दरबार और उसकी संस्कृति भी समाप्त हो गई थी।

(3) नवाब के निष्कासन से अनेक संगीतकारों, नर्तकों, कवियों, कारीगरों, बावर्चियों, नौकरों, सरकारी कर्मचारियों और बहुत सारे लोगों की रोजी-रोटी जाती रही।

अथवा का उत्तर

(1) सैनिक कम वेतन और समय पर अवकाश न मिलने के कारण असन्तुष्ट थे।

(2) सैनिक अधिकारी सैनिकों के साथ अपमानजनक व्यवहार करते थे।

(3) गाय और सुअर की चर्बी लगे हुए कारतूसों के कारण भी सैनिकों में असन्तोष था।

(4) बंगाल आर्मी के सैनिकों में बहुत सारे सैनिक अवध के गाँवों से भर्ती होकर आए थे। उनके ग्रामीणों से अच्छे सम्बन्ध थे। अत: जब सैनिक अपने अधिकारियों के विरुद्ध हथियार उठाते थे, तो ग्रामीण लोग उनका साथ देते थे।

उत्तर 19. (1) गाँधीजी का मानना था कि आधुनिक युग में मशीनों ने आदमी को अपना गुलाम बनाकर रख दिया है तथा बेरोजगारी को भी बढ़ावा दिया है। उन्होंने मशीनों की आलोचना की तथा चरखे को एक ऐसे मानव समाज के प्रतीक के रूप में देखा जिसमें मशीनों और प्रौद्योगिकी को बहुत महिमा मंडित नहीं किया जाएगा।

(2) गाँधीजी के अनुसार भारत एक गरीब देश है। चरखे के द्वारा लोगों को पूरक आमदनी प्राप्त होगी, जिससे वे स्वावलंबी बनेंगे, बेरोजगारी और गरीबी से छुटकारा दिलाने में चरखा मदद करेगा।

(3) उनके अनुसार मशीनों से काम करके जो श्रम की बचत हो रही है उससे लोगों को मौत के मुँह में धकेला जा रहा है। उन्हें बेरोजगारी की दलदल में फेंका जा रहा है।

(4) चरखा धन के विकेन्द्रीकरण में भी सहायक होगा।

अथवा का उत्तर

(1) गाँधीजी ब्रिटिश सरकार को पर्याप्त उदार मानते थे। जब गाँधीजी नमक बनाने के लिए अपने अनुयायियों के साथ दाण्डी यात्रा पर निकले तो उन्हें विश्वास नहीं था कि उन्हें दाण्डी तक पहुँचने दिया जाएगा।

(2) वे ब्रिटिश शासन में यह आस्था रखते थे कि वह औपनिवेशिक राज्य होते हुए भी कानून की सीमा में रहने वालों को अनावश्यक रूप से हतोत्साहित नहीं करेगी।

(3) उनका मानना था कि औपनिवेशिक राज्य शान्ति और अहिंसा में विश्वास रखने वाले राष्ट्रभक्तों की सेना को गिरफ्तार करने की हिम्मत नहीं रखता।

(4) गाँधीजी के अनुसार सरकार शान्तिप्रिय सत्याग्रहियों को गिरफ्तार न करके अपनी शिष्टता का परिचय दे रही है।

(5) गाँधीजी औपनिवेशिक राज्य द्वारा जनमत की परवाह करने के लिए उसे बधाई का पात्र मानते थे।

खण्ड-द

उत्तर 20. हड़प्पा सभ्यता की कृषि-प्रौद्योगिकी

(1) खेत जोतने के लिए बैलों और हलों का प्रयोग—मुहरों पर किए गए रेखांकन तथा मिट्टी की मूर्तियाँ यह संकेत देती हैं कि हड़प्पा-निवासियों को वृषभ (बैल) के विषय में जानकारी थी। इस साक्ष्य के आधार पर पुरातत्वविद् यह मानते हैं कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। चोलिस्तान (पाकिस्तान) के कई स्थलों तथा बनावली (हरियाणा) से मिट्टी से बने हलों के प्रतिरूप मिले हैं। इनसे ज्ञात होता है कि लोग कृषि में हलों का प्रयोग करते थे। इसके अतिरिक्त कालीबंगन (राजस्थान) नामक स्थान पर जुते हुए खेत का साक्ष्य मिला है। यह आरम्भिक हड़प्पा स्तरों से सम्बद्ध है। इस खेत में हल रेखाओं के दो समूह एक-दूसरे को समकोण पर काटते थे। इससे यह अनुमान लगाया गया है कि एक खेत में एक साथ दो अलग-अलग फसलें उगाई जाती थीं।

(2) कृषि-उपकरण—पुरातत्वविदों ने फसलों की कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों को पहचानने का प्रयास भी किया है। इसके लिए हड़प्पा के लोग लकड़ी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलकों का प्रयोग करते थे या फिर वे धातु के औजारों का प्रयोग करते होंगे।

(3) सिंचाई—अधिकांश हड़प्पा-स्थल अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में स्थित हैं जहाँ सम्भवत: कृषि के लिए सिंचाई की आवश्यकता पड़ती होगी। अफगानिस्तान में शोर्तुघई नामक हड़प्पा स्थल से नहरों के कुछ अवशेष मिले हैं, परन्तु पंजाब और सिन्ध में ऐसे कोई साक्ष्य नहीं मिले। ऐसा सम्भव है कि प्राचीन नहरें बहुत पहले ही गाद से भर गई थीं। हड़प्पा-स्थलों से कुओं के अवशेष भी मिले हैं। इससे यह अनुमान लगाया जाता है कि कुओं से प्राप्त पानी का प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता होगा। इसके अतिरिक्त धौलावीरा में जलाशय के अवशेष मिले हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि जलाशयों का प्रयोग सम्भवत: कृषि के लिए जल संचयन के लिए किया जाता था। इस प्रकार जलाशयों से प्राप्त पानी का प्रयोग भी सिंचाई के लिए किया जाता था।

अथवा का उत्तर

हड़प्पा निवासियों को शिल्प उत्पादन के लिए अनेक प्रकार के कच्चे माल की आवश्यकता होती थी। इन कच्चे माल की संक्षिप्त सूची अग्रलिखित है—

YouTube Channel My Study Point 99

(i) विभिन्न धातुएँ–सोना, ताँबा, काँसा, टिन, जस्ता, चाँदी।

(ii) पत्थर–जैस्पर, कार्नीलियन, क्वार्ट्ज, स्फटिक, सेलखड़ी, पन्ना, फयाँन्स, गोमेद, मूँगा, लाजवर्द मणि।

(iii) अन्य सामग्री–ऊन, कपास, चिकनी मिट्टी, पकी मिट्टी, अस्थियाँ, शंख तथा विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ इत्यादि। स्थानीय स्तर पर ही सभी सामग्रियों का एकत्रीकरण हड़प्पा निवासियों के लिए सम्भव नहीं था; अतः हड़प्पा निवासी अपनी अन्य समकालीन सभ्यताओं से उनका आयात भी करते थे।

कच्चा माल प्राप्त करने के तरीके–हड़प्पा सभ्यता के लोग कच्चा माल प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित उपाय करते थे—

(1) बस्तियाँ स्थापित करना–हड़प्पावासियों ने नागेश्वर तथा बालाकोट में बस्तियाँ स्थापित कीं, क्योंकि यहाँ शंख आसानी से उपलब्ध था। ऐसे ही कुछ अन्य पुरास्थल थे-सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुघई। यहाँ से अत्यन्त कीमती माने जाने वाले नीले रंग के पत्थर लाजवर्द मणि को प्राप्त किया जाता था। इसी प्रकार लोथल कार्नीलियन (गुजरात में भड़ौंच), सेलखड़ी (दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से) और धातु (राजस्थान से) के स्रोतों के निकट स्थित था।

(2) अभियान भेजना–हड़प्पावासी कच्चा माल प्राप्त करने के लिए कुछ क्षेत्रों में अभियान भेजते थे। वे राजस्थान के खेतड़ी आँचल में ताँबे तथा दक्षिण भारत में सोने के लिए अभियान भेजते थे। इन अभियानों के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ सम्पर्क स्थापित किया जाता था। इन क्षेत्रों में कभी-कभी मिलने वाली हड़प्पाई पुरावस्तुएँ ऐसे सम्पर्कों की सूचक हैं। खेतड़ी क्षेत्र में मिले साक्ष्यों को पुरातत्वविदों ने गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति की संज्ञा दी है। यहाँ ताँबे की वस्तुएँ बड़े पैमाने पर मिली थीं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस क्षेत्र के निवासी हड़प्पा सभ्यता के लोगों को ताँबा भेजते थे।

(3) सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क–हड़प्पावासियों के अनेक देशों से सम्बन्ध थे। विद्वानों के अनुसार ताँबा ओमान से, चाँदी ईरान अथवा अफगानिस्तान से मँगाई जाती थी।

उत्तर 21. 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा फ्रेमवर्क सुझाया जिसके तहत संविधान का कार्य आगे बढ़ाना था। यथा—

(1) इसमें भारत को एक 'स्वतन्त्र सम्प्रभु गणराज्य' घोषित किया गया।

(2) इसमें समस्त नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता और न्याय का आश्वासन दिया गया।

(3) इसमें इस बात पर भी बल दिया गया कि अल्पसंख्यकों, पिछड़े व जनजातीय क्षेत्रों एवं दमित व अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किए जाएँगे।

(4) इसी अवसर पर नेहरू ने बोलते हुए कहा कि उनकी दृष्टि अतीत में हुए उन ऐतिहासिक प्रयोगों की ओर जा रही है जिनमें अधिकारों के ऐसे दस्तावेज तैयार किए गए थे।

(5) नेहरू ने कहा कि भारतीय संविधान का उद्देश्य होगा—लोकतंत्र के उदारवादी विचारों और आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक-दूसरे में समावेश करें तथा भारतीय संदर्भ में इनकी रचनात्मक व्याख्या करें।

संविधान सभा में शक्तिशाली केन्द्र सरकार की हिमायत हेतु दी गई दलीलें निम्न प्रकार हैं–

(1) डॉ. अम्बेडकर का कहना था कि वह एक शक्तिशाली और एकीकृत केन्द्र चाहते हैं। 1935 के गवर्नमेन्ट एक्ट में हमने जो केन्द्र बनाया था, उससे भी अधिक शक्तिशाली केन्द्र चाहते हैं।

(2) देश में हो रही हिंसात्मक घटनाओं पर नियन्त्रण करने के लिए शक्तिशाली केन्द्र होना चाहिए।

(3) बालकृष्ण शर्मा का कहना था कि शक्तिशाली केन्द्र का होना आवश्यक है ताकि वह देशहित में योजनाएँ बना सके, उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सके, उचित शासन-व्यवस्था स्थापित कर सके और विदेशी आक्रमणों से देश की रक्षा कर सके।

अथवा का उत्तर

संविधान सभा के कुल 300 सदस्यों में से 6 सदस्यों की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण थी। इनके नाम है—(1) पं. जवाहरलाल नेहरू, (2) सरदार वल्लभ भाई पटेल, (3) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, (4) डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर, (5) के.एम. मुंशी, (6) अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर।

(1) पं. जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा में 13 दिसम्बर, 1946 को एक निर्णायक प्रस्ताव 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तुत किया था। यह एक ऐतिहासिक प्रस्ताव था जिसमें स्वतन्त्र भारत के संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी थी तथा यह फ्रेमवर्क सुझाया गया था जिसके तहत संविधान का कार्य आगे बढ़ना था। पं. नेहरू ने संविधान सभा में झण्डा प्रस्ताव भी पेश किया था। नेहरू ने कहा था कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज केसरिया, सफेद एवं गहरे हरे रंग की तीन बराबर पट्टियों वाला तिरंगा झण्डा होगा जिसके मध्य में गहरे नीले रंग का चक्र होगा।

(2) जवाहरलाल नेहरू के विपरीत वल्लभ भाई पटेल की भूमिका पर्दे के पीछे की थी। उन्होंने अनेक प्रतिवेदनों के प्रारूप लिखे।

(3) भारत के प्रथम राष्ट्रपति तथा संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभा की चर्चाओं को रचनात्मक दिशा की ओर ले जाते थे। वे इस बात का भी ध्यान रखते थे कि सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर मिले।

(4) कांग्रेस के इस त्रिगुट के अतिरिक्त प्रसिद्ध विधिवेत्ता एवं अर्थशास्त्री डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर भी संविधान सभा के सबसे महत्त्वपूर्ण सदस्यों में से एक थे। भीमराव रामजी अम्बेडकर पर संविधान में संविधान के प्रारूप को पारित करवाने की जिम्मेदारी थी।

(5) संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर के साथ-साथ दो अन्य प्रसिद्ध वकील कार्य कर रहे थे, इनमें से एक गुजरात के के.एम. मुंशी तो द्वितीय मद्रास के अल्लादि कृष्णास्वामी अय्यर थे।

(6) संविधान सभा में इन छः सदस्यों के अतिरिक्त दो प्रशासनिक अधिकारी भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। इनमें से एक बी.एन. राव संविधान सभा अथवा भारत के संवैधानिक सलाहकार थे। संविधान सभा में एस.एन. मुखर्जी की स्थिति भी अत्यधिक महत्त्वपूर्ण थी। वे संविधान सभा में मुख्य योजनाकार की भूमिका निभा रहे थे।

उत्तर 22.

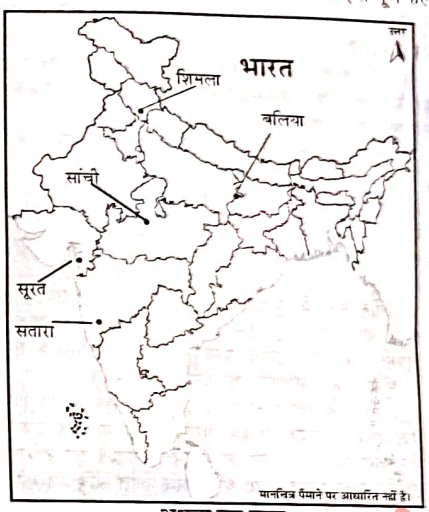

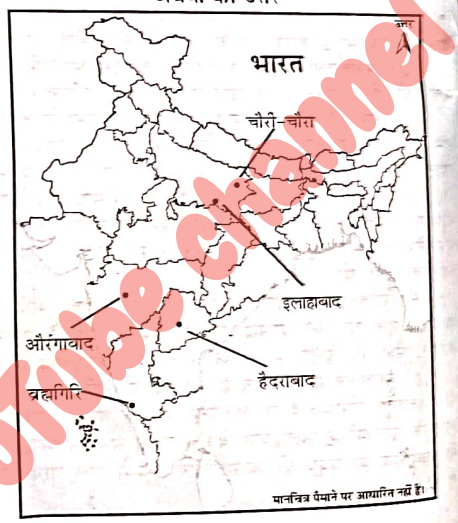

मानचित्र पैमाने पर आधारित नहीं है।

अथवा का उत्तर

मानचित्र पैमाने पर आधारित नहीं है।

मॉडल पेपर-8

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(ब)	(अ)	(ब)	(द)	(अ)	(अ)	(द)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(स)	(अ)	(स)	(स)	(अ)	(ब)	(द)

उत्तर 2. (i) जेम्स प्रिंसेप (ii) सात (iii) महाश्वेता देवी (iv) तीर्थंकर (v) दादू (vi) कर्नाटक साम्राज्यम् (vii) चचनामा

उत्तर 3. (i) (1) घरों की नालियाँ एक हौदी में खाली होती थीं। (2) गंदा पानी गली की नालियों में बह जाता था।

(ii) अधिकांशतः अशोक को अभिलेखों में देवानांपिय, पियदर्सी अथवा पियदस्सी नाम से संबोधित किया गया है।

(iii) वह वंश परंपरा जो पिता के पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र से चलती है।

(iv) (1) आख्यान तथा (2) उपदेशात्मक।

(v) मज्झिमनिकाय पालि भाषा में लिखा गया बौद्ध ग्रंथ है।

(vi) मुगलकालीन भारत में उत्पादन केन्द्र, व्यापारिक नगर, बन्दरगाह नगर, धार्मिक केन्द्र, तीर्थ स्थान आदि नगर अस्तित्व में थे।

(vii) उलमा इस्लाम धर्म और कानून के विद्वान थे। वे धार्मिक, कानूनी और अध्यापन संबंधी दायित्व निभाते थे।

(viii) दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से।

(ix) खिलाफत आन्दोलन का।

(x) भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द 1976 में 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया।

खण्ड-ब

उत्तर 4. प्राचीनकाल में कुछ मन्दिर पहाड़ियों को काट कर खोखला कर कृत्रिम गुफाओं के रूप में बनाए गए थे। कृत्रिम गुफाएँ बनाने की परम्परा काफी प्राचीन थी। सबसे प्राचीन कृत्रिम गुफाएँ ई. पूर्व तीसरी सदी में अशोक के आदेश से बराबर (बिहार) की पहाड़ियों में आजीविक सम्प्रदाय के संतों के लिए बनाई गई थीं। कृत्रिम गुफा बनाने का सबसे विकसित रूप हमें आठवीं शताब्दी के कैलाशनाथ के मन्दिर में दिखाई देता है। इसे पूरी पहाड़ी काटकर बनाया गया था।

उत्तर 5. हिन्दू धर्म में वैष्णव एवं शैव परम्पराएँ सम्मिलित हैं। वैष्णव परम्परा में विष्णु को सबसे महत्त्वपूर्ण देवता माना जाता है और शैव परम्परा में शिव को परमेश्वर माना जाता है। इनके अन्तर्गत एक विशेष देवता की पूजा को विशेष महत्त्व दिया जाता था। इस प्रकार की आराधना में उपासना और ईश्वर के बीच का सम्बन्ध प्रेम और समर्पण का सम्बन्ध माना जाता था। इसे भक्ति कहते हैं।

उत्तर 6. ईसा की प्रथम शताब्दी के पश्चात् यह विश्वास किया जाने लगा कि बुद्ध लोगों को मुक्ति दिलवा सकते थे। साथ-साथ बोधिसत्त की अवधारणा भी

YouTube channel RK study point 99

विकसित होने लगी। बोधिसत्त्वों को परम दयालु जीव माना गया जो अपने सत्कार्यों से पुण्य कमाते थे। परन्तु वे इस पुण्य का प्रयोग दूसरों का कल्याण करने में करते थे। इस प्रकार बौद्धमत में बुद्ध और बोधिसत्त्वों की मूर्तियों की पूजा इस परम्परा का एक महत्त्वपूर्ण अंग बन गई। इस नई परम्परा को 'महायान' कहा गया।

उत्तर 7. इब्नबतूता ने भारत की डाक प्रणाली को संचार की अनूठी प्रणाली बताया क्योंकि-

(1) डाक प्रणाली से व्यापारियों के लिए न केवल लम्बी दूरी तक सूचना और उधार भेजना सम्भव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी सम्भव हो गया।

(2) डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहाँ सिन्ध से दिल्ली की यात्रा में पचास दिन लगते थे, वहीं गुप्तचरों की सूचनाएँ सुल्तान तक इस डाक-व्यवस्था के द्वारा केवल पाँच दिनों में पहुँच जाती थीं।

उत्तर 8. एक भी सरकारी मुगल दस्तावेज यह नहीं दर्शाता कि राज्य ही भूमि का एकमात्र स्वामी था। उदाहरण के लिए अकबर के काल के सरकारी इतिहासकार अबुल फजल ने भूमि राजस्व को 'राजत्व का पारिश्रमिक' बताया है जो राजा द्वारा अपनी प्रजा को सुरक्षा प्रदान करने के बदले की गई माँग लगती है, न कि अपने स्वामित्व वाली भूमि पर लगान। कुछ यूरोपीय यात्री ऐसी माँगों को लगान मानते थे। परन्तु वास्तव में यह न तो लगान था, न ही भूमिकर, बल्कि उपज पर लगने वाला कर था।

उत्तर 9. 'महानवमी डिब्बा' से जुड़े अनुष्ठान सम्भवत: सितम्बर तथा अक्टूबर के महीनों में मनाए जाने वाले दस दिन के हिन्दू त्यौहार थे जो उत्तर भारत के दशहरा, बंगाल की दुर्गापूजा तथा प्रायद्वीपीय भारत के नवरात्रि या महानवमी के नामों से जाने जाते हैं। ये महानवमी के अवसर पर निष्पादित किए जाते थे जिसमें विजयनगर के शासक अपनी प्रतिष्ठा तथा शक्ति का प्रदर्शन करते थे।

उत्तर 10. (1) मुगल-काल में पंचायत का खर्चा गाँव के आम खजाने से चलता था।

(2) इस आम खजाने का प्रयोग बाढ़ जैसी प्राकृतिक विपदाओं से निपटने के लिए भी किया जाता था।

(3) इस कोष का प्रयोग ऐसे सामुदायिक कार्यों के लिए भी किया जाता था जो किसान स्वयं नहीं कर सकते थे, जैसे छोटे-मोटे बाँध बनाना या नहर खोदना।

उत्तर 11. (1) मुगलकाल में बाहरी शक्तियाँ जंगलों में कई तरह से प्रवेश करती थीं। उदाहरणार्थ, राज्य को सेना के लिए हाथियों की आवश्यकता होती थी। इसलिए जंगलवासियों से ली जाने वाली भेंट में प्राय: हाथी भी सम्मिलित होते थे।

(2) शिकार-अभियान के नाम पर मुगल-सम्राट अपने साम्राज्य के भिन्न-भिन्न भागों का दौरा करते थे और लोगों की समस्याओं और शिकायतों पर उचित ध्यान देते थे।

उत्तर 12. सन् 1813 में ब्रिटिश संसद में 'पाँचवीं रिपोर्ट' प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट में जमींदारों और रैयतों (किसानों) की अर्जियाँ तथा अलग-अलग जिलों के कलेक्टरों की रिपोर्टें, राजस्व विवरणियों से संबंधित सांख्यिकीय तालिकाएँ और अधिकारियों द्वारा बंगाल तथा मद्रास के राजस्व तथा न्यायिक प्रशासन पर लिखी हुई टिप्पणियाँ शामिल थीं।

उत्तर 13. 1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध समाप्त होने पर वहाँ कपास का उत्पादन पुन: होने से भारतीय कपास की माँग घटने लगी। इस पर महाराष्ट्र के निर्यातकों

और साहूकारों ने दीर्घावधि ऋण देने से किसानों को मना कर दिया। उन्होंने यह देख लिया था कि भारतीय कपास की माँग घटती जा रही है तथा कपास की कीमतों में भी गिरावट आ रही है। उन्हें यह अनुभव होने लगा कि अब किसानों में उनका ऋण चुकाने की क्षमता नहीं रही है।

उत्तर 14. 10 मई, 1857 को सैनिकों ने मेरठ में विद्रोह कर दिया। विद्रोही सैनिक 11 मई को दिल्ली पहुँच गए। उन्होंने मुगल-सम्राट बहादुर शाह जफर को बताया कि अंग्रेज उन्हें गाय और सुअर की चर्बी लगे हुए कारतूस दाँतों से खींचने के लिए बाध्य कर रहे थे जिससे हिन्दू और मुसलमान दोनों का धर्म भ्रष्ट हो सकता था। इन परिस्थितियों में मुगल-सम्राट को विद्रोहियों का नेतृत्व करना स्वीकार करना पड़ा।

उत्तर 15. खिलाफत आन्दोलन (1919-1920) मुहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में संचालित भारतीय मुसलमानों का एक आन्दोलन था। इस आन्दोलन की निम्नलिखित माँगें थीं—पूर्व में आटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियन्त्रण बना रहे, जंजीरात-उल-अरब इस्लामी सम्प्रभुता के अधीन रहे तथा खलीफा के पास काफी क्षेत्र हों। गाँधीजी ने खिलाफत आन्दोलन का समर्थन किया।

खण्ड-स

उत्तर 16. कुछ इतिहासकारों का मत है कि-

(1) इस काल में कुछ आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था।

(2) रोमन साम्राज्य के पतन के पश्चात् दूरवर्ती व्यापार में कमी आई जिससे उन राज्यों, समुदायों और क्षेत्रों की सम्पन्नता पर प्रभाव पड़ा, जिन्हें दूरवर्ती व्यापार से लाभ मिलता था।

(3) इस काल में नए नगरों और व्यापार के नये तन्त्रों का उदय होने लगा था।

(4) सिक्के इसलिए कम मिलते हैं क्योंकि वे प्रचलन में थे और उनका किसी ने भी संग्रह करके नहीं रखा था।

अथवा का उत्तर

प्रयाग प्रशस्ति–'प्रयाग प्रशस्ति' के रचयिता हरिषेण थे, जो गुप्त वंश के सम्राट समुद्रगुप्त के राजकवि थे। 'प्रयाग-प्रशस्ति' संस्कृत में लिखी गई थी। 'प्रयाग-प्रशस्ति' से हमें समुद्रगुप्त के जीवन, विजयों, व्यक्तिगत गुणों, तत्कालीन राजनीतिक दशा आदि के बारे में जानकारी मिलती है। 'प्रयाग-प्रशस्ति' में समुद्रगुप्त की दिग्विजय का उल्लेख है। 'प्रयाग-प्रशस्ति' में समुद्रगुप्त को परमात्मा पुरुष, उदारता की प्रतिमूर्ति, कुबेर, वरुण, इन्द्र और यम के तुल्य बताया गया है।

उत्तर 17. मक्तुबात वे पत्र थे जो सूफी सन्तों द्वारा अपने अनुयायियों और सहयोगियों को लिखे गए। इन पत्रों से धार्मिक सत्य के विषय में शेख के अनुभवों का वर्णन मिलता है; जिसे वह अन्य लोगों के साथ बाँटना चाहते थे। वह इन पत्रों में अपने अनुयायियों के लौकिक और आध्यात्मिक जीवन, उनकी आकांक्षाओं तथा कठिनाइयों पर टिप्पणी करते थे। विद्वान् अधिकतर सत्रहवीं शताब्दी के नक्शेबंदी सिलसिले के शेख अहमद सरहिन्दी के लिखे मक्तुबात-ए-इमाम रब्बानी पर चर्चा करते हैं। इस शेख की विचारधारा का तुलनात्मक अध्ययन वे बादशाह अकबर की उदारवादी और असाम्प्रदायिक विचारधारा से करते हैं।

YouTube channel RK Study point 99

YouTube channel RK study point 99

उत्तर 22.

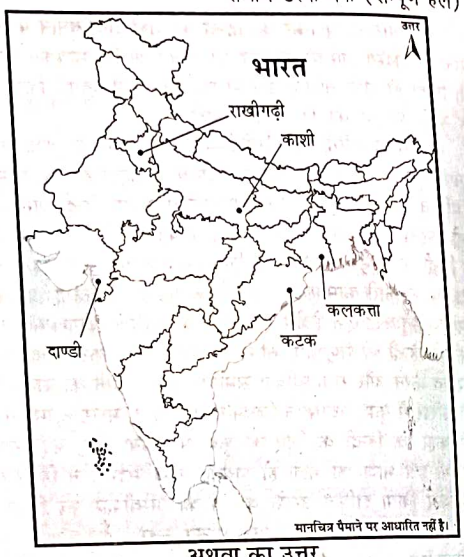

अथवा का उत्तर

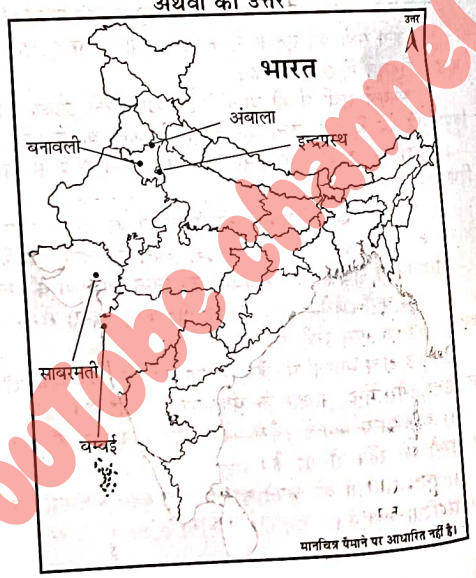

मॉडल पेपर-9

खण्ड-अ

उत्तर 1.

(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
(अ)	(द)	(ब)	(ब)	(ब)	(अ)	(ब)
(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xii)	(xiii)	(xiv)
(अ)	(स)	(ब)	(अ)	(स)	(अ)	(स)

उत्तर 2. (i) चन्द्रगुप्त (ii) मातृवंशिकता (iii) सातवाहन (iv) ऋग्वेद
(v) जिम्मा (vi) कृष्णदेव (vii) इटली

उत्तर 3. (i) (1) हड़प्पाई लिपि वर्णमालीय नहीं थी। (2) संभवत: यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी।
(ii) अर्थशास्त्र में मौर्यकालीन सैनिक और प्रशासनिक संगठन तथा सामाजिक अवस्था के बारे में विस्तृत विवरण मिलते हैं?
(iii) ऋग्वेद के 'पुरुषसूक्त' मंत्र को।
(iv) पैतृक संसाधनों में स्त्रियों की हिस्सेदारी न होना।
(v) मनुस्मृति का संकलन लगभग 200 ई. पूर्व से 200 ई. के बीच किया गया।
(vi) गलीचे बनाना, जरी, कसीदाकारी कढ़ाई, सोने और चाँदी के वस्त्रों, रेशमी तथा सूती वस्त्रों का निर्माण।
(vii) कबीर की उलटबाँसी उलटी कही उक्तियाँ थीं, जिनमें उनके रोजमर्रा के अर्थ को उलट दिया गया।
(viii) 1565 ई. राक्षसी-तांगड़ी का युद्ध बीजापुर, गोलकुंडा तथा अहमदनगर की संयुक्त सेनाओं और विजयनगर की सेनाओं के बीच हुआ।
(ix) जे.एम. सेन गुप्ता ने।
(x) भाषा समिति ने सुझाव दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी भारत की राजकीय भाषा होगी।

खण्ड-ब

उत्तर 4. (1) लोग समकालीन धार्मिक प्रथाओं से असन्तुष्ट थे।
(2) बौद्ध धर्म ने जन्म पर आधारित वर्ण-व्यवस्था का विरोध किया और सामाजिक समानता पर बल दिया।
(3) बौद्ध धर्म में अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्त्व दिया गया। इससे स्त्री और पुरुष इस धर्म की ओर आकर्षित हुए।
(4) बौद्ध धर्म ने निर्बल लोगों के प्रति दयापूर्ण और मित्रतापूर्ण व्यवहार को महत्त्व दिया।

उत्तर 5. (1) जब कोई भिक्षु एक नया कम्बल या गलीचा बनाएगा, तो उसे इसका प्रयोग कम से कम छ: वर्षों तक करना पड़ेगा।

YouTube channel RK study point 99

(2) यदि कोई भिक्षु किसी गृहस्थ के घर जाता है और उसे भोजन दिया जाता है, तो वह दो से तीन कटोरा भर ही स्वीकार कर सकता है।

उत्तर 6. हीनयान तथा महायान में निम्न दो मूलभूत अन्तर हैं—

(1) हीनयान प्राचीन, रूढ़िवादी तथा मूल मत है जबकि महायान बौद्ध मत का संशोधित तथा सरल रूप है जो चतुर्थ बौद्ध संगीति में प्रकाश में आया।

(2) हीनयानी बुद्ध की स्तुति प्रतीकों के माध्यम से करते हैं; वहीं महायानी मूर्ति-पूजा में विश्वास करते हैं।

उत्तर 7. (1) किताब-उल-हिन्द अरबी में लिखी गई। इसकी भाषा सरल और स्पष्ट है।

(2) इसमें धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल-विज्ञान, कीमिया, रीति-रिवाजों तथा प्रथाओं, सामाजिक-जीवन, भार-तौल, मापन-विधियों, मूर्तिकला, कानून, मापतन्त्र विज्ञान आदि विषयों का विवेचन है।

उत्तर 8. **(1) ब्राह्मण**–ब्राह्मणों की जाति सबसे ऊँची थी। ब्राह्मण ब्रह्मन् के सिर से उत्पन्न हुए थे। इन्हें सबसे उत्तम माना जाता था।

(2) क्षत्रिय–ब्राह्मणों के बाद दूसरी जाति क्षत्रियों की थी जिनका जन्म ब्रह्मन् के कन्धों और हाथों से हुआ था। उनका दर्जा ब्राह्मणों से अधिक नीचा नहीं था।

(3) वैश्य–क्षत्रियों के बाद वैश्य आते हैं। इनका जन्म ब्रह्मन् की जंघाओं से हुआ था।

(4) शूद्र –इनका उद्भव ब्रह्मन् के चरणों से हुआ था।

उत्तर 9. राजधानी के रूप में विजयनगर का चयन वहाँ विरुपाक्ष तथा पम्पादेवी के मन्दिरों के अस्तित्व से प्रेरित था। विजयनगर के शासक भगवान विरुपाक्ष की ओर से शासन करने का दावा करते थे। सभी राजकीय आदेशों पर प्राय: कन्नड़ लिपि में 'श्री विरुपाक्ष' शब्द अंकित होता था। शासक देवताओं से अपने गहन सम्बन्धों को दर्शाने हेतु 'हिन्दू सूरतराणा' उपाधि का प्रयोग भी करते थे।

उत्तर 10. (1) जमींदारों को शक्ति इस बात से मिलती थी कि वे प्राय: राज्य की ओर से कर वसूल कर सकते थे। इसके बदले उन्हें वित्तीय मुआवजा मिलता था।

(2) सैनिक संसाधन उनकी शक्ति का एक और स्रोत था। अधिकतर जमींदारों के पास अपने किले भी थे और अपनी सैनिक टुकड़ियाँ भी, जिनमें घुड़सवारों, तोपखाने तथा पैदल सैनिकों के जत्थे होते थे।

उत्तर 11. (1) बटाई प्रणाली में फसल काटकर जमा कर लेते थे और फिर सभी पक्षों की उपस्थिति तथा सहमति से बँटवारा कर लेते थे।

(2) **लाँग बटाई**–इस प्रणाली में फसल काटने के बाद उसके ढेर बना लिए जाते थे तथा फिर उन्हें आपस में बाँट लेते थे। इसमें हर पक्ष अपना हिस्सा घर ले जाता था।

उत्तर 12. सूर्यास्त कानून–जमींदारों को एक निश्चित तारीख तक सूर्यास्त से पूर्व राजस्व जमा कराना अनिवार्य होता था। राजस्व जमा न होने की स्थिति में उसकी जमींदारी नीलाम की जा सकती थी। इसे ही इस्तमरारी बंदोबस्त में सूर्यास्त कानून कहा जाता था।

उत्तर 13. सन् 1800 के लगभग संथाल राजमहल की पहाड़ियों के निचले हिस्से में जंगलों को साफ कर स्थायी रूप से बस गये। एक ओर पहाड़िया लोग

जंगल काटने के लिए हल को हाथ लगाने के लिए तैयार नहीं थे और उपद्रवी व्यवहार कर रहे थे, दूसरी ओर संथाल अंग्रेजों को आदर्श बाशिन्दे प्रतीत हुए क्योंकि उन्हें जंगलों का सफाया करने में कोई संकोच नहीं था और वे भूमि को पूरी शक्ति लगा कर जोतते थे।

उत्तर 14. मेरठ में हाथी पर सवार एक फकीर विद्रोह का सन्देश फैला रहा था तथा उससे भारतीय सैनिक बार-बार मिलने जाते थे। लखनऊ में अवध पर अधिकार के बाद अनेक धार्मिक नेता ब्रिटिश शासन को समाप्त करने का अलख जगा रहे थे। कुछ स्थानों पर स्थानीय नेता लोगों को विद्रोह के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। शाहमल ने उत्तरप्रदेश में बड़ौत परगने के गाँव वालों को तथा छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम के एक किसान गोनू ने वहाँ के आदिवासियों को संगठित किया।

उत्तर 15. असहयोग आंदोलन– (1) यह एक ऐसा आन्दोलन था जिसमें भारतीयों ने अंग्रेजों द्वारा बनाये गये सामान को प्रयोग करने से मना कर दिया था। इसके अतिरिक्त अंग्रेजों की नौकरी न करना भी इसका एक मुख्य भाग था। (2) सामाजिक वर्गों की प्रतिक्रिया—(i) व्यक्तियों ने सरकारी नौकरी से त्याग-पत्र दे दिया। (ii) विदेशी सामान का प्रयोग बन्द कर दिया। (iii) विदेशी उपाधि वापस कर दी गयी। (iv) विदेशी वस्त्रों की होली जलायी गयी।

खण्ड-स

उत्तर 16. अशोक के धम्म के सिद्धान्त बहुत ही साधारण और सार्वभौमिक थे। उसके अनुसार धम्म के माध्यम से लोगों का जीवन इस लोक में तथा परलोक में अच्छा रहेगा। उसके धम्म के सिद्धान्त थे—

(1) बड़ों के प्रति आदर
(2) संन्यासियों तथा ब्राह्मणों के प्रति उदारता
(3) सेवकों तथा दासों के प्रति उदार व्यवहार
(4) दूसरे के धर्मों और परम्पराओं का आदर
(5) क्रोध, उग्रता, निष्ठुरता, ईर्ष्या तथा अभिमान का परित्याग।

अथवा का उत्तर

मौर्य साम्राज्य के केवल 150 वर्षों तक चलने के निम्न कारण हैं—

(1) अशोक की मृत्यु के पश्चात् मौर्य साम्राज्य की बागडोर निर्बल शासकों के हाथ में आई जो मौर्य साम्राज्य के विस्तृत क्षेत्रों को सम्भालने में सक्षम नहीं हुए।

(2) बौद्ध धर्म के अनुयायी होने के कारण अशोक को ब्राह्मण समाज के क्रोध का भाजन बनना पड़ा, वे मौर्य वंश के विरुद्ध हो गए।

(3) कलिंग विजय के पश्चात् अशोक पश्चात्ताप के भाव से भर उठे और उन्होंने अहिंसा की नीति अपनाई।

(4) साम्राज्य की सीमा के अन्तर्गत नियन्त्रण कमजोर होने के कारण अनेक राजे-रजवाड़ों ने अपनी स्वतन्त्र सत्ता घोषित कर दी।

इस प्रकार धीरे-धीरे मौर्य साम्राज्य का अन्त हो गया।

उत्तर 17. **भक्ति आन्दोलन की मुख्य विशेषताएँ**

भक्ति आन्दोलन की मुख्य विशेषताएँ अग्रलिखित थीं—

YouTube channel RK study point 99

(1) ईश्वर की एकता–भक्ति आन्दोलन के सभी सन्त इस बात को स्वीकार करते थे कि ईश्वर एक है जिसे लोग राम, रहीम, कृष्ण, विष्णु, अल्लाह आदि विभिन्न नामों से पुकारते हैं।

(2) पाखण्डों, आडम्बरों तथा कर्मकाण्डों का विरोध–भक्ति आन्दोलन के सन्तों ने कर्म के बाह्य आडम्बरों, पाखण्डों तथा अन्धविश्वासों का विरोध किया।

(3) नैतिकता तथा चारित्रिक शुद्धता पर बल देना–भक्ति आन्दोलन के सभी सन्तों ने बाह्याडम्बरों का विरोध किया तथा नैतिकता और चारित्रिक शुद्धता पर बल दिया।

(4) जाति प्रथा तथा ऊँच-नीच के भेद-भाव का विरोध–सभी सन्तों ने जाति-प्रथा, ऊँच-नीच के भेद-भाव तथा छुआछूत का विरोध किया तथा सामाजिक समानता पर बल दिया।

अथवा का उत्तर

गुरु नानक के उपदेश–गुरु नानक के मुख्य उपदेश निम्नलिखित हैं—

(1) गुरु नानक ने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया।

(2) उन्होंने यज्ञ, आनुष्ठानिक स्नान, मूर्तिपूजा व कठोर तप आदि बाह्य आडम्बरों का विरोध किया।

(3) उन्होंने हिन्दुओं तथा मुसलमानों के धर्मग्रन्थों को भी नकारा।

(4) परम पूर्ण रब (ईश्वर) का कोई लिंग या आकार नहीं है।

(5) उन्होंने रब की उपासना के लिए उनके निरन्तर स्मरण व नाम के जप पर बल दिया।

उत्तर 18. अंग्रेज अवध पर अधिकार करने के लिए लालायित थे, क्योंकि–

(1) अंग्रेजों की मान्यता थी कि अवध की भूमि नील और कपास की खेती के लिए बहुत लाभदायक थी और इस प्रदेश को उत्तरी भारत के एक बड़े बाजार के रूप में विकसित किया जा सकता था।

(2) अंग्रेज मराठा-भूमि, दोआब, कर्नाटक, पंजाब, बंगाल आदि पर अपना आधिपत्य स्थापित कर चुके थे। अवध पर अधिकार करके अंग्रेज क्षेत्रीय विस्तार की आकांक्षा पूरी करना चाहते थे।

अथवा का उत्तर

इतिहास लेखन की तरह कला और साहित्य ने भी 1857 की स्मृति को जीवित रखने में योगदान दिया। साहित्य एवं चित्रों में 1857 के विद्रोह के नेताओं को एक ऐसे नायकों के रूप में प्रस्तुत किया जाता था जो देश को युद्ध स्थल की ओर ले जा रहे थे। उन्हें जनता को अत्याचारी साम्राज्यवादी शासन के विरुद्ध उत्तेजित करते हुए चित्रित किया जाता था। एक हाथ में घोड़े की रास एवं दूसरे हाथ में तलवार लिए हुए अपनी मातृभूमि की मुक्ति के लिए संघर्ष करने वाली रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का गौरव गान करते हुए कविताएँ लिखी गयीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बच्चे सुभद्रा कुमारी चौहान की इन पंक्तियों को पढ़ते हुए बड़े हो रहे थे—"खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।"

उत्तर 19. सरकारी ब्यौरों और निजी पत्रों में अन्तर—सरकारी ब्यौरों से निजी पत्र और आत्मकथाएँ बिल्कुल अलग होती हैं। सरकारी ब्यौरे प्रायः गुप्त रूप से लिखे

जाते हैं। ये लिखवाने वाली सरकार और लिखने वाले विवरणदाता या लेखकों के पूर्वाग्रहों, नीतियों, दृष्टिकोणों आदि से प्रभावित होते हैं।

दूसरी ओर प्रायः निजी पत्र दो व्यक्तियों के बीच में आपसी सम्बन्ध, विचारों के आदान-प्रदान और निजी स्तर से जुड़ी सूचनाएँ देने के लिए होते हैं। किसी भी व्यक्ति की आत्मकथा, उसकी ईमानदारी, निष्पक्षता और सच्चे विवरण पर उसका मूल्य निर्धारित करती है।

इस तरह सरकारी ब्यौरों से आत्मकथा तथा निजी पत्र बिल्कुल भिन्न होते हैं। उदाहरण के लिए, गाँधीजी ने अपनी आत्मकथा में अपनी बुराइयों को भी दर्शाया है और अच्छाइयों को भी।

अथवा का उत्तर

औपनिवेशिक सरकार की अन्यायपूर्ण नीति को हम नमक-कर के माध्यम से निम्न प्रकार समझ सकते हैं–

(1) औपनिवेशिक सरकार ने नमक पर कर लगाया था। यह कर नमक की लागत का 14 गुना तक होता था। बिना कर अदा किए गए नमक का प्रयोग करने से रोकने के लिए ब्रिटिश सरकार उस नमक को, जिसे वह लाभ नहीं कमा पाती थी, नष्ट कर देती थी। वह देश की जनता को नमक के उत्पादन से रोकती थी। प्रकृति ने जिसे बिना किसी श्रम के उत्पादित किया था, उसे भी नष्ट कर देती थी। यह उसकी अन्यायपूर्ण नीति को विशेषता कही जा सकती थी। सरकार कानून की तथा भारतीयों की समस्या को बिल्कुल नहीं समझती थी।

खण्ड-द

उत्तर 20. मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के नगर नियोजन की वर्तमान सन्दर्भ में उपादेयता

(1) नगर–हड़प्पा के नगरों का निर्माण एक निश्चित योजना के अनुसार किया गया था। इन नगरों की आधार-योजना, निर्माण शैली तथा नगरों की आवास-व्यवस्था में समानता तथा एकरूपता दिखाई देती है।

(2) सड़कें–नगरों की सड़कें तथा गलियाँ एक निश्चित योजना के अनुसार बनाई गई थीं। ये सड़कें पूर्व से पश्चिम की ओर तथा उत्तर से दक्षिण की ओर जाती थीं। सड़कें पर्याप्त चौड़ी होती थीं जो एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।

(3) नालियाँ–वर्षा और मकानों के पानी को निकालने के लिए पक्की नालियाँ बनी हुई थीं। ये नालियाँ ईंट अथवा पत्थर से ढकी रहती थीं। समय-समय पर इन नालियों की सफाई की जाती थी।

(4) कुएँ–हड़प्पा सभ्यता काल में प्रायः प्रत्येक घर में एक कुआँ होता था। पानी रस्सी की सहायता से निकाला जाता था।

(5) भवन-निर्माण–हड़प्पा सभ्यता के मकान एक निश्चित योजना के अनुसार बनाए जाते थे। मकान प्रायः पक्की ईंटों के बने होते थे।

(i) दीवारों पर प्लास्टर–दीवारों पर मिट्टी का प्लास्टर किया जाता था, कभी-कभी जिप्सम का प्लास्टर भी किया जाता था।

(ii) आँगन, रसोईघर, स्नानघर आदि की व्यवस्था–मकानों में आँगन, रसोईघर, स्नानघर, शौचालय, दरवाजों, रोशनदानों आदि की व्यवस्था रहती थी। भूमि-तल पर

YouTube channel RK study point 99

बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार से आन्तरिक भाग अथवा आँगन का सीधा अवलोकन नहीं होता था।

(iii) छतें–मकानों की छतें समतल थीं। ये लकड़ी की कड़ियों से बनाई जाती थीं।

(iv) सीढ़ियाँ–मकान एक से अधिक मंजिल के भी होते थे। छत अथवा ऊपर की मंजिल पर जाने के लिए मकानों में सीढ़ियाँ होती थीं। वर्तमान में भी इसी प्रकार के नगरों का नियोजन किया जाता है।

अथवा का उत्तर

हड़प्पाई समाज में शासकों द्वारा किए जाने वाले सम्भावित कार्य

(1) जटिल निर्णय लेना और उन्हें कार्यान्वित करना–हड़प्पाई समाज में शासकों द्वारा जटिल निर्णय लेने तथा उन्हें कार्यान्वित करने जैसे महत्त्वपूर्ण कार्य किए जाते थे।

(2) श्रम संगठित करना–विशिष्ट स्थानों पर बस्तियाँ स्थापित करने, ईंटें बनाने, विशाल दीवारें बनाने, विशिष्ट भवन बनाने, मालगोदाम, सार्वजनिक स्नानागार आदि बनाने के लिए बड़ी संख्या में श्रमिकों को संगठित करने का कार्य शासक-वर्ग द्वारा ही किया जाता था।

(3) नियोजित नगर–हड़प्पा सभ्यता के नगरों की आधार-योजना, निर्माण शैली तथा नगरों की आवास-व्यवस्था में समानता तथा एकरूपता दिखाई देती है। इससे ज्ञात होता है कि इन नगरों तथा भवनों का निर्माण करने वाले कुशल अभियन्ता थे। यह व्यवस्था शासक-वर्ग द्वारा ही की जाती थी।

(4) सड़क निर्माण एवं नालियों की व्यवस्था–नगरों में सड़क निर्माण एवं नालियों की व्यवस्था भी शासकों द्वारा ही की जाती होगी।

(5) विशाल भवनों का निर्माण–मोहनजोदड़ो, हड़प्पा आदि में अनेक विशाल भवनों का भी निर्माण किया गया था। इसी प्रकार हड़प्पा की गढ़ी में निर्मित विशाल अन्नागार, लोथल में निर्मित गोदीबाड़ा, धौलावीरा में निर्मित विशाल स्टेडियम और जलाशय भी उल्लेखनीय हैं।

(6) उद्योग-धन्धे–हड़प्पा सभ्यता काल में अनेक प्रकार के उद्योग-धन्धे शासकों द्वारा विकसित किए गए थे।

(7) तोल तथा माप के साधन–हड़प्पा सभ्यता-काल में वस्तुओं को तोलने के लिए एक समान पद्धति के बाटों का प्रयोग किया जाता था। माप के साधन भी प्रचलित थे। शासन द्वारा इसके लिए नियम बनाये गये थे।

(8) बस्तियाँ स्थापित करना–शिल्प उत्पादन के लिए शंख, लाजवर्द मणि, कार्नीलियन, सेलखड़ी आदि कच्चे मालों की आवश्यकता थी। इन कच्चे मालों को प्राप्त करने के लिए राज्य की ओर से अनेक बस्तियाँ स्थापित की गईं।

(9) अभियान भेजना–कच्चा माल प्राप्त करने के लिए शासक-वर्ग की ओर से अनेक अभियान भेजे गए।

(10) सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क–हड़प्पा सभ्यता-काल में विदेशी व्यापार भी उन्नत था। हड़प्पा सभ्यता का ओमान, बहरीन आदि देशों के साथ व्यापारिक सम्बन्ध थे। हड़प्पा के शासक ओमान से ताँबा मँगवाते थे।

उत्तर 21. भारतीय संविधान के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले त्रिगुट का वर्णन अग्र बिन्दुओं में किया गया है–

(1) पं. जवाहरलाल नेहरू ने उद्देश्य प्रस्ताव को प्रस्तुत करते हुए स्वतन्त्र भारत के संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

(2) सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कई महत्त्वपूर्ण रिपोर्टों के प्रारूप लिखने में विशेष सहायता की।

(3) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और संविधान सभा में चर्चा को रचनात्मक बनाए रखा।

राज्यों के अधिकारों की सबसे शक्तिशाली हिमायत मद्रास के सदस्य के. संतनम ने प्रस्तुत की। उन्होंने प्रान्तों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिए—

(1) उन्होंने कहा कि न केवल राज्यों को बल्कि केन्द्र को ताकतवर बनाने के लिए शक्तियों का पुनर्वितरण आवश्यक है। यदि केन्द्र के पास जरूरत से ज्यादा शक्तियाँ होंगी तो वह प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पाएगा। उसके कुछ दायित्वों को कम करने से और उन्हें राज्यों को सौंप देने से केन्द्र ज्यादा मजबूत हो सकता है।

(2) संतनम का दूसरा तर्क यह था कि शक्तियों का मौजूदा वितरण उन्हें पंगु बना देगा। राजकोषीय प्रावधान प्रांतों को खोखला कर देगा क्योंकि भू-राजस्व के अलावा ज्यादातर कर केन्द्र सरकार के अधिकार में दे दिए गए हैं। यदि पैसा ही नहीं होगा तो राज्यों में विकास परियोजनाएँ कैसे चलेंगी।

(3) संतनम ने एक और तर्क देते हुए कहा कि अगर पर्याप्त जाँच-पड़ताल किए बिना शक्तियों का प्रस्तावित वितरण लागू कर दिया गया तो हमारा भविष्य अंधकार में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ही सालों में सारे प्रान्त केन्द्र के विरुद्ध उठ खड़े होंगे। उड़ीसा के एक सदस्य के अनुसार बेहिसाब केन्द्रीकरण के कारण केन्द्र बिखर जाएगा।

अथवा का उत्तर

संविधान के मसविदे में समस्त विषयों की तीन सूचियाँ बनाई गई हैं। ये हैं— (1) केन्द्रीय या संघ सूची, (2) राज्य सूची और (3) समवर्ती सूची। यथा

(1) केन्द्रीय सूची में दिए गए विषय केवल केन्द्र सरकार के अधीन रखे गए हैं।

(2) राज्य सूची के विषय केवल राज्य सरकारों के अन्तर्गत रखे गये हैं।

(3) समवर्ती सूची में दिए गए केन्द्र और राज्य दोनों की साझा जिम्मेदारी है। अनुच्छेद 356 में गवर्नर की सिफारिश पर केन्द्र सरकार को राज्य सरकार के समस्त अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दिया गया है।

नई संविधान सभा में कांग्रेस प्रभावशाली थी, क्योंकि–

(1) प्रांतीय चुनावों में काँग्रेस ने सामान्य चुनाव क्षेत्रों में भारी जीत प्राप्त की।

(2) यद्यपि मुस्लिम लीग को अधिकांश आरक्षित मुस्लिम सीटें मिल गई थीं, लेकिन लीग ने संविधान सभा का बहिष्कार कर दिया था और वह पाकिस्तान की माँग जारी रखे हुए थी।

(3) प्रारम्भ में समाजवादी भी संविधान सभा से परे रहे क्योंकि वे उसे अँग्रेजों की बनाई संस्था मानते थे। वे मानते थे कि इस सभा का वाकई स्वायत्त होना असम्भव है।

(4) संविधान सभा के 82 प्रतिशत सदस्य काँग्रेस पार्टी के ही सदस्य थे।

Youtube channel RK study point 99

उत्तर 22.

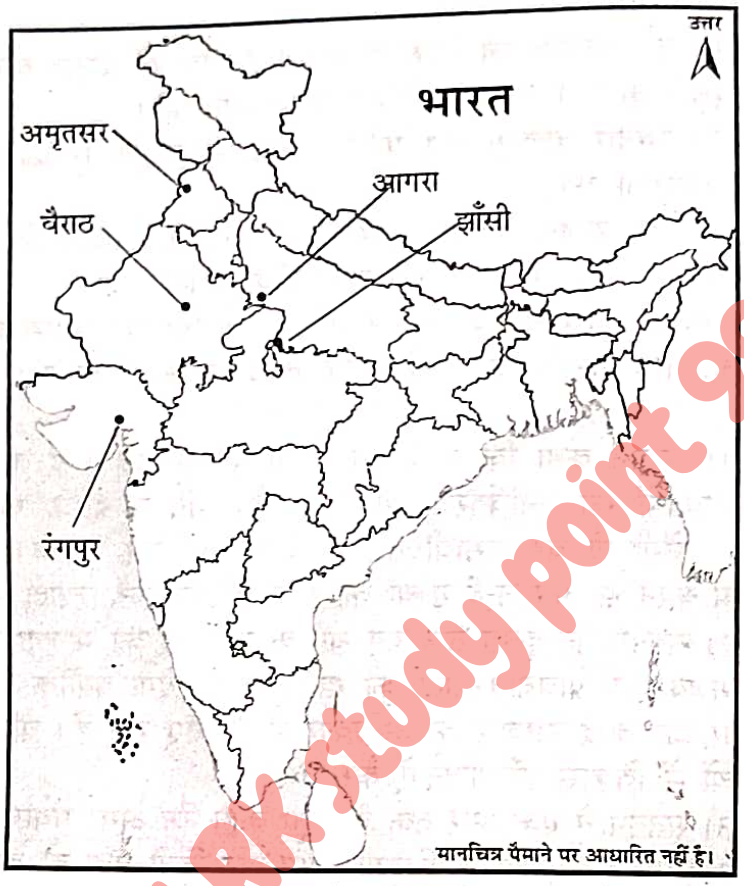

अथवा का उत्तर

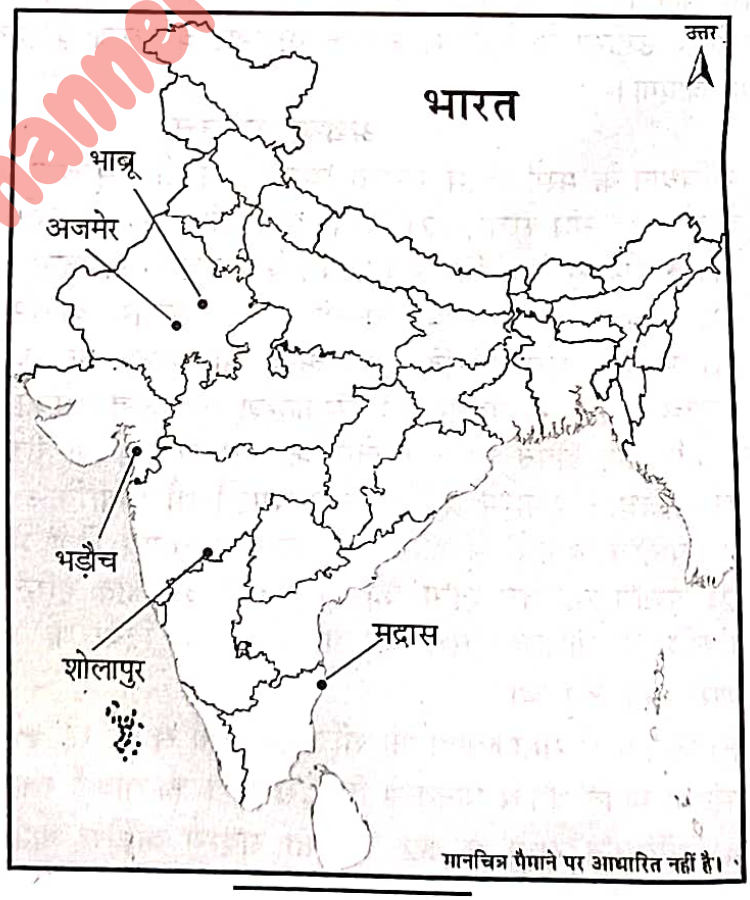

YouTube channel RK study point 99